THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

कर्नाटक में भारी बारिश से 13 की मौत

बेंगलुरु, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में बारिश के कारण 13 लोगों की मौत हो गई है, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार और शनिवार को राज्य में और बारिश की भविष्यवाणी की है। बारिश से फसलों और पशुओं को भी भारी नुकसान हुआ है। 3,309 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और 6,279 हेक्टेयर फसल नष्ट हो चुकी है। आईएमडी के अनुसार, शुक्रवार को बेंगलुरु में औसत से भारी बारिश होगी। इस बीच, तटीय जिलों के साथ-साथ राज्य के उत्तरी और दक्षिणी आंतरिक हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने जिला कलेक्टरों को बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और राहत के उपाय करने को कहा है।

वर्ष-27 अंक : 211 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.6, 2079 शनिवार, 15 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग की मांग खारिज

वाराणसी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी में सर्वे के दौरान सामने आए शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच की मांग खारिज हो गई है। शुक्रवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने मामले पर सुनवाई की। अदालत ने कार्बन डेटिंग के साथ ही अन्य किसी भी वैज्ञानिक तरीके के परीक्षण की मांग खारिज कर दी है। मामले की अगली सुनवाई 17 अक्तूबर को होगी।

हिंदू पक्ष के पांच में से चार वादियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि हमारी कार्बन डेटिंग की मांग को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शिवलिंग के साथ कोई छेड़छाड़ ना हो, अभी इसकी आवश्यकता नहीं है। जिला जज की अदालत के इस आदेश को हमलोग सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। अभी तारीख की घोषणा नहीं कर सकते लेकिन

हिंदू पक्ष बोला-सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में इस आदेश को चैलेंज करेंगे। इस मामले में वादी पक्ष की चार महिलाओं ने सर्वे में मिले शिवलिंग की कार्बन डेटिंग या किसी अन्य आधुनिक विधि से जांच की मांग की थी। दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद 12 अक्तूबर को जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने आदेश के लिए 14 अक्तूबर यानि आज की तिथि नियत की थी। 12 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान अंजुमन इंतजामिया ने अपना पक्ष रखा फिर वादिनी संख्या 2 से 5 तक के अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने प्रति उत्तर में हिंदू पक्ष की दलीलें पेश की। जबकि वादिनी संख्या एक के अधिवक्ता मान बहादुर सिंह ने कोई भी दलील देने से इनकार कर दिया तब अदालत ने आदेश के लिए 14 अक्तूबर की तिथि नियत कर दी। >14

हिमाचल में 12 नवंबर को वोटिंग

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में 12 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 8 दिसंबर को घोषित होंगे। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। हिमाचल विधानसभा का कार्यकाल 8 जनवरी 2023 को खत्म हो रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि वोटर नामांकन तक अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकते हैं। इस बार 80 साल से ऊपर उम्र वाले बुजुर्गों और कोरोना पीड़ितों को घर से वोटिंग की सुविधा दी जाएगी। हिमाचल में 80 प्लस उम्र वाले 1.22 लाख बुजुर्ग हैं। >14

शराब घोटाले में ईडी की 25 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला केस में ईडी ने शुक्रवार को दिल्ली में 25 जगह छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी ने राजधानी के कई शराब कारोबारियों के आवासों सहित कई ठिकानों पर तलाशी ली। पहले भी ईडी और सीबीआई ने इस केस में 100 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। पहले एजेंसी ने कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाह और कारोबारियों के घर तलाशी ली थी।

7 अक्टूबर को दिल्ली, पंजाब और हैदराबाद में 35 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा था। वहीं, 16 सितंबर को ईडी ने भी इस मामले में दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, नेल्लोर और चेन्नई समेत देशभर में 40 ठिकानों पर छापेमारी की थी। तब सिर्फ हैदराबाद में ही 25 ठिकानों पर छापेमारी हुई थी। जांच एजेंसियों ने अब तक केस में तीन आरोपियों विजय नायर, समीर महेंद्रू और अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर भी आरोप हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 1 अगस्त 2022 को ऐलान किया था कि पुरानी शराब नीति लागू होगी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा-केंद्र सरकार ने इस पॉलिसी में सीबीआई की एंट्री करा दी, जिससे कोई भी ठेका लेने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए हम नई व्यवस्था लागू नहीं करेंगे। >14

हीरा बा को अपशब्द कहना दुर्भावनापूर्ण

स्मृति ईरानी बोलीं- केजरीवाल का घटिया स्तर चौंकाने वाला नहीं

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात चुनाव के आज संभावित शंखनाद के बीच सत्तारूढ़ भाजपा व आप के बीच सियासत तेज हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा के प्रति गुजरात आप के प्रमुख गोपाल इटालिया द्वारा अपशब्द कहने की भाजपा ने आज फिर कड़ी निंदा की और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी निशाने पर लिया। ईरानी ने कहा कि केजरीवाल की कृपा से गुजरात के आप नेतृत्व ने पीएम की 100 साल की मां को दुर्भावनापूर्वक निशाना बनाया है। केजरीवाल का यह नया घटिया स्तर चौंकाने वाला नहीं है। हीरा बा के प्रति अपशब्द कहने वाले गुजरात आप अध्यक्ष गोपाल इटालिया के वीडियो वायरल हो रहे हैं। गुरुवार को इटालिया का नया वीडियो वायरल हुआ है। इसमें एक बार फिर पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और उनकी मां हीराबेन के लिए भी अपशब्द कहे गए। हालांकि, आप ने दावा किया है कि ये वीडियो पुराने हैं। उस वक्त इटालिया आप में नहीं थे।

स्मृति ईरानी अरविंद केजरीवाल

इटालिया के विवादित वीडियो को लेकर गहराते विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री ईरानी ने शुक्रवार को कहा, 'अरविंद केजरीवाल के आशीर्वाद से गुजरात के आप नेतृत्व ने पीएम की 100 वर्षीय मां पर दुर्भावनापूर्ण हमला किया। केजरीवाल का यह नया घटिया स्तर कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हीरा बा का एकमात्र अपराध-नरेंद्र मोदी को जन्म देना है, इसलिए आप नेता और कार्यकर्ता उन्हें दंडित करना और गाली देना चाहते हैं।' ईरानी ने गुरुवार को कहा था - 'मैं कोई नाराजगी नहीं जताती, मैं यह नहीं दिखाना चाहती कि गुजराती कितने नाराज हैं, लेकिन आप यह जान लें कि जनता ने आपको देख लिया है। इस गलती के लिए आपकी पार्टी को गुजरात में चुनावी रूप से नष्ट कर दिया जाएगा, जनता न्याय करेगी।'

100 साल की महिला को अपशब्द कहना अक्षम्य

ईरानी ने दावा किया कि इटालिया ने ये बयान केजरीवाल के निर्देश पर दिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात के आप नेता ने कई ऐसे बयान दिए हैं, जो हिंदुओं और मंदिर जाने वाली महिलाओं का अपमान है। आप नेताओं का 100 साल की महिला, जिसका राजनीति से कोई लेना देना नहीं है, को अपशब्द कहना, स्पष्ट रूप से अक्षम्य है। अरविंद केजरीवाल नए घटिया स्तर पर जा सकते हैं, लेकिन उन्हें एहसास नहीं है कि गुजरात और गुजराती महिलाओं को हमारे समाज में किस सम्मान की नजर से देखते हैं।

एक सप्ताह में इटालिया का तीसरा वीडियो

एक सप्ताह के भीतर भाजपा ने गुरुवार को इटालिया का तीसरा वीडियो जारी किया। इससे पहले एक वीडियो में गोपाल ने पीएम मोदी को अपशब्द कहने के अलावा उन्हें लेकर कई विवादित बातें कहीं थी। इसके बाद दूसरे वीडियो में इटालिया ने मंदिर और कथाओं को शोषण का अड्डा बताते हुए महिलाओं को वहां नहीं जाने की सलाह दी थी।

आप को घेरने में जुटी भाजपा

भाजपा इन वीडियो के सहारे आप को घेरने में जुटी है। इस संबंध में राष्ट्रीय महिला आयोग ने इटालिया को समन भेजा था। बुधवार को आयोग के दफ्तर में हंगामे के बाद दिल्ली पुलिस ने इटालिया को कुछ देर के लिए हिरासत में ले लिया था। इटालिया ने आरोप लगाया कि उन्हें महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने धमकाया। उन्हें ढाई घंटे तक दिल्ली पुलिस ने हिरासत में रखा। गुजराज आप प्रमुख को पीएम मोदी व हीरा बा के प्रति आपत्तिजनक शब्द कहने पर महिला आयोग ने तलब किया था। उनकी पेशी के दौरान आप कार्यकर्ताओं ने आयोग के दफ्तर के बाहर नारेबाजी की।

अमित मालवीय ने शेयर किया वीडियो

अमित मालवीय ने गोपाल इटालिया का नया वीडियो शेयर करते हुए लिखा गुजरात में आप प्रमुख और केजरीवाल के करीबी गोपाल इटालिया एक के बाद एक अपराध करते हैं और महिलाओं का अपमान करते हैं। महिलाओं को 'सी' शब्द से संबोधित करने के बाद मंदिर और कथाओं में जाने वालों का अपमान करके अब उन्होंने पीएम की बुजुर्ग मां के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। इस वीडियो में इटालिया पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक भाषा बोलकर उनकी मां को नौटंकीबाज कहते सुनाई दे रहे हैं।

आप ने खेला पाटीदार कार्ड

गुजरात में अपने सबसे प्रमुख नेता के वीडियो को लेकर घिरी आम आदमी पार्टी ने इटालिया के बचाव में पाटीदार कार्ड खेला है। आप नेताओं का कहना है कि वीडियो में इटालिया ही हैं, लेकिन ये वीडियो उस समय के हैं जब वह पार्टी का हिस्सा नहीं थे। पार्टी के कई नेताओं ने दलील दी है कि इटालिया पाटीदार आंदोलन में भाग ले चुके हैं और पटेल समुदाय से आते हैं इसलिए भाजपा उन्हें निशाना बना रही है।

पटेल समुदाय में आक्रोश : केजरीवाल

उधर, आप प्रमुख व दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने इटालिया को हिरासत में लेने की कड़ी आलोचना की और कहा कि इससे गुजरात के पटेल समुदाय में भारी आक्रोश है।

मॉस्को से दिल्ली आ रहे विमान में बम की सूचना से हड़कंप, 400 लोग थे सवार

नई दिल्ली, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। मॉस्को से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एसयू 232 में गुरुवार रात बम होने की सूचना मिली। शुक्रवार तड़के लगभग 3,20 बजे यह विमान आईजीआई के रनवे संख्या 29 पर उतरा। जहां फ्लाइट से 386 यात्री और 16 क्रू मेंबर को उतारा गया। इसके बाद विमान की जांच की गई जिसमे कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि विमान की जांच की जा रही है और तहकीकात जारी है। जानकारी के अनुसार, रात को 11,30 बजे दिल्ली पुलिस को एक फोन आया। जिसमें बताया गया कि मॉस्को से दिल्ली आ रहे विमान में बम है। इसके बाद सभी एजेंसियों को अलर्ट किया गया। विमान के तड़के 3,30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर लैंड होते ही सभी यात्रियों के बैग और सामान की चेकिंग की गई। फ्लाइट को भी चेक किया गया। रेस्क्यू टीम भी आईजीआई एयरपोर्ट पहुंची। अभी तक की जांच में पुलिस को कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। इसलिए माना जा रहा है कि यह किसी शरारती तत्व की हरकत होगी। यह घटना तब घटित हुई है जब कुछ दिन पहले ही ईरान के महान एयर के विमान में लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोस से बम होने की सूचना मिली। इसके बाद विमान को भारतीय क्षेत्र में उतारने की इजाजत मांगी गई जिससे एटीसी ने इनकार कर दिया। जोधपुर एयरबेस से भारतीय वायुसेना के सुखोई विमान को इसके पीछे लगाया गया। हालांकि बाद में यह सूचना झूठी निकली।

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री केदार सिंह फोनिया का निधन, लंबे समय से थे बीमार

देहरादून, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री केदार सिंह फोनिया का आज निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। केदार सिंह फोनिया उत्तराखंड की राजनीति में दो दशक से भी ज्यादा समय तक सक्रिय रहे। वे उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश में भी कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। उन्होंने उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन की खबर से प्रदेश भाजपा में शोक की लहर है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने ट्वीटर पर पोस्ट करते हुए लिखा 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री केदार सिंह फोनिया जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिवार को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें।'

सूटकेस में घड़ियाल लेकर जा रहा था दूसरे देश

एयरपोर्ट पर हुई चेकिंग तो।

नई दिल्ली, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। एयरपोर्ट में सिक्योरिटी चेक के दौरान हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शख्स को घड़ियाल ले जाते हुए पकड़ा गया। वह इसे सूटकेस में छिपाकर ले जा रहा था, लेकिन लगेज स्कैनर ने उसकी चोरी पकड़ ली। जैसे ही चेकिंग करने वालों को सूटकेस में घड़ियाल दिखा एयरपोर्ट में हड़कंप मच गया। फौरन रेस्क्यू टीम को बुलाया गया और घड़ियाल को सूटकेस से निकालकर सही जगह पहुंचाया गया। मामले में 42 साल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। 'डेली स्टार' के मुताबिक, आरोपी अमेरिकी नागरिक है और वह जर्मनी से सिंगापुर जा रहा था। उसके सूटकेस में करीब एक मीटर लंबा सफेद घड़ियालथा। वह इसकी तस्करी कर रहा था। लेकिन म्यूनिख एयरपोर्ट पर चेकिंग के वक्त लगेज स्कैनर में सूटकेस डालते ही वो पकड़ गया। सिक्योरिटी स्टाफ को स्कैनर में सूटकेस के अंदर कुछ अजीब सी चीज दिखाई दी। ऐसे में शक होने पर जब सूटकेस को खोलकर देखा गया तो उनके होश उड़ गए, क्योंकि अंदर एक मीटर लंबा घड़ियाल था।
बताया गया कि इस तरह के सफेद घड़ियालों से तस्कर 50-60 लाख रुपये कमा लेते हैं। फिलहाल, केस दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया और घड़ियाल को चिड़ियाघर में छोड़ दिया गया।
गौरतलब है कि तस्करी का ये कोई पहला मामला नहीं है। गोल्ड से लेकर सांप-कछुए तक की तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। तस्करी के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपनाते हैं। लेकिन घड़ियाल की तस्करी ने सबको चौंका दिया है।

तो अभी भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री होते उद्धव ठाकरे

अजित पवार ने बताया 'छगन भुजबल' वाला फार्मूला

मुंबई, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने गुरुवार को कहा कि उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रह सकते थे। हालांकि इसके लिए पवार ने भुजबल वाला फार्मूला सुझाया। महाराष्ट्र के पूर्व डप्टी सीएम ने कहा कि उद्धव राज्य में मुख्यमंत्री का पद बरकरार रख सकते थे, अगर उन्होंने संकट के दौरान अनुभवी राजनेता छगन भुजबल से मदद मांगी होती। अजीत पवार ने कहा, जब शिवसेना के 15 विधायक पार्टी छोड़ रहे थे, तब उद्धव ठाकरे को छगन भुजबल (राकांपा नेता) की मदद लेनी चाहिए थी। वह ऐसे परिदृश्यों के स्वामी हैं। अगर आपने उनसे संपर्क किया होता, तो आप अभी भी महाराष्ट्र के सीएम होते।

पवार ने भुजबल के 75वें जन्मदिन पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस के गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के कई नेताओं ने शिरकत की। खुद उद्धव ठाकरे भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, राकांपा प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस के नेता बालासाहेब थोराट भी कार्यक्रम में शरीक हुए।
शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने शिवसेना नहीं छोड़ी होती तो वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन गए होते। ठाकरे ने कहा, "अब मैं ऐसा व्यक्ति बन गया हूं, जिसे कोई झटका नहीं लगता। लेकिन जब भुजबल ने शिवसेना छोड़ी थी, तो मैं स्वीकार करता हूं कि हमारा परिवार स्तब्ध रह गया था। वह गुस्सा (जो उस समय निकला) राजनीतिक था। हम लंबे समय तक इस बात को पचा नहीं पाए कि हमारे परिवार का एक सदस्य हमें छोड़कर चला गया है।" एक समय शिवसेना के तेजतर्रार नेता रहे भुजबल ने 1990 में बाल ठाकरे की पार्टी शिवसेना छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया था। इसके बाद जब पवार ने राकांपा का गठन किया, तो वह उनके साथ चले गए।
इससे पहले, महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने राकांपा के गठन में भुजबल की भूमिका को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने 2002 में संकट में घिरी विलासराव देशमुख की सरकार को बचाने में अहम किरदार अदा किया था। पवार ने कहा, "यदि उद्धव ठाकरे ने (हालिया संकट के दौरान जिसके चलते एमवीए सरकार गिर गई) भुजबल की मदद ली होती, तो वह आज भी मुख्यमंत्री होते।
" पवार ने कहा कि 1999 में राकांपा का गठन होने के महज चार महीने बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हो गए। अगर पार्टी के पास और समय होता तो यह और सीटें जीत सकती थी और भुजबल मुख्यमंत्री बनते। इस पर ठाकरे ने कहा कि अगर भुजबल शिवसेना न छोड़ते तो उससे बहुत पहले ही मुख्यमंत्री बन गए होते।

माओवादियों से संबंध मामले में

डीयू के पूर्व प्रोफेसर साईबाबा बरी

मुंबई, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। बंबई हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने माओवादियों से संबंधों से जुड़े मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पूर्व प्रोफेसर जी एन साईबाबा को बरी कर दिया है। उन्हें जेल से तत्काल रिहा करने का आदेश भी दिया गया है। जस्टिस रोहित देव और जस्टिस अनिल पानसरे की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। बेंच ने साईबाबा को दोषी करार देने और आजीवन कारावास की सजा सुनाने के निचली अदालत के 2017 के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका स्वीकार कर ली। साईबाबा शारीरिक अक्षमता के कारण व्हीलचेयर की मदद लेते हैं। उन्हें नागपुर केंद्रीय कारागार में रखा गया है। पीठ ने मामले के 5 अन्य दोषियों की याचिका भी स्वीकार कर ली और उन्हें बरी कर दिया। इनमें से एक याचिकाकर्ता की मामले में सुनवाई लंबित होने के दौरान मौत हो चुकी है।

सत्र अदालत ने सुनाई थी सजा

पीठ ने आदेश दिया कि अगर याचिकाकर्ता किसी अन्य मामले में आरोपी नहीं हैं तो उन्हें जेल से तत्काल रिहा किया जाए। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की एक सत्र अदालत ने मार्च 2017 में साईबाबा, एक पत्रकार और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के एक छात्र सहित अन्य को सजा सुनाई थी। सत्र अदालत ने इन लोगों को माओवादियों से संबंधों और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की गतिविधियों में शामिल होने का दोषी ठहराया था। कोर्ट ने साईबाबा और अन्य को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी करार दिया था।

सफाईकर्मियों ने भाजपा पार्षद के पति को थाने में पीटा

महिला सफाईकर्मी के साथ किया था दुर्व्यवहार

इंदौर, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर से एक भाजपा पार्षद के पति की थाने में पिटाई का वीडियो वायरल हो गया है। पिटाई करने वाले सफाईकर्मी ही है, जिनका आरोप है कि पार्षद के पति ने एक महिला सफाईकर्मी के साथ दुर्व्यवहार किया था। मामला राऊ नगर पालिका का है। वार्ड क्रमांक 13 की भाजपा पार्षद के पति संदीप चौहान के खिलाफ सफाईकर्मियों के एक समूह ने शिकायत दर्ज कराई है। इस दौरान पुलिस ने समझौते के लिए पार्षद के पति को बुलवा लिया। आरोप-प्रत्यारोप शुरू हुए और भड़के हुए सफाईकर्मियों ने आव देखा न ताव, चौहान की पिटाई शुरू कर दी। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। राऊ पुलिस थाने के निरीक्षक नरेंद्र सिंह रघुवंशी ने इस मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि संदीप चौहान के खिलाफ कुछ लोग शिकायत करने आए थे। जब हमने चौहान को बुलवाया तो विवाद बढ़ गया। इस पर कुछ लोगों ने चौहान की पिटाई कर दी। दोनों पक्षों को अलग-अलग कर मामला शांत कराया गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया है।

ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर की खदान में बड़ा हादसा

डंपर के परखच्चे उड़े, चालक की दर्दनाक मौत

ग्वालियर, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में बनी खदानें लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। बीती रात खदान में पत्थर की खदान में ब्लास्टिंग के दौरान एक बड़ा हादसा देखने को मिला। ब्लास्टिंग के दौरान खदान के नीचे खड़े डंपर के आगे पत्थर गिरने से उसके परखच्चे उड़ गए। इस घटना में डंपर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भयानक थी कि चार घंटे बाद डंपर चालक की लाश को मलबे में से निकाला गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। साथ ही जांच शुरू कर दी है।

सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने पर मिलेगा कनाडा के एनआरआई से शादी का मौका

विवादित पोस्टर मामले में एफआईआर दर्ज

चंडीगढ़, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। बठिंडा के एक होटल में 23 अक्तूबर को सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा था। लोगों के विरोध के चलते कोतवाली पुलिस ने प्रबंधकों पर गुरुवार रात को केस दर्ज कर लिया। पुलिस द्वारा नामजद किए गए प्रबंधकों की पहचान सुरिंदर सिंह और राम दयाल सिंह जोड़ा के तौर पर हुई है। अभी इस मामले में पुलिस द्वारा किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। दरअसल गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्टर वायरल हुआ। उस पोस्टर में सौंदर्य प्रतियोगिता के बारे में लिखा था। पोस्टर में आगे लिखा था कि होटल स्वीट मिलन में 23 अक्तूबर को सुंदर लड़कियों का मुकाबला रखा गया है। जीतने वाली लड़की को कनाडा एनआरआई पीआर लड़के के साथ पक्के तौर पर शादी का ऑफर दिया जाएगा। पोस्टर के अंत में लिखा था कि चाहवान लड़कियां संपर्क करें। पोस्टर जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने उसका विरोध करना शुरू कर दिया।
इसके बाद गुरुवार देर रात को पुलिस प्रशासन ने लोगों के विरोध के कारण समागम के प्रबंधक सुरिंदर सिंह और राम दयाल जोड़ा के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। एसएसपी जे इलेनचेलियन ने कहा कि उक्त मामले की गहराई से जांच की जा रही है। जिस के बाद ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

बीएसएफ जवान पर आईएसआई एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप

एसआईए ने दायर की चार्जशीट

श्रीनगर, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने सीपीआरएफ के एक जवान के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जिस पर आईएसआई एजेंट के रूप में काम करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि जवान पर भारत पर हमले की रणनीति बनाने में दुश्मन की मदद करने का आरोप है। सरकारी गोपनीयता अधिनियम और अन्य कानूनों की संबंधित धाराओं के तहत विशेष एनआईए अदालत में आरोपपत्र दायर किया गया। कचावा कोकरनागवास निवासी 'आईएसआई के सदस्य जुल्फकार अली खटाना' के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। खटाना सीआरपीएफ की 171 बटालियन में तैनात था। अधिकारियों ने बताया कि खटाना पर पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के इशारे पर गोपनीय जानकारी जुटाने का आरोप है। साथ ही उस पर आईएसआई एजेंट गुप्त जानकारियों को साझा करने का आरोप लगा है।

पत्रकार, रिसर्च स्कॉलर के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

एसआईए ने डिजिटल पत्रिका के संपादक और पीएचडी शोधार्थी के खिलाफ भी आतंकवाद को महिमामंडित करने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है। मासिक ऑनलाइन पत्रिका 'कश्मीरवाला' के संपादक और श्रीनगर निवासी पीरजादा फहाद शाह और बडगाम निवासी आला फाजिली के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। शाह को आतंकवाद को महिमामंडित करने, फर्जी खबरें फैलाने और कानून व्यवस्था के खिलाफ जनता को उकसाने के मामले में 5 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, कश्मीर विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधार्थी फाजिली को ऑनलाइन पत्रिका में उनके अत्यंत भड़काऊ और देशद्रोह की भावना वाले लेख के लिए 17 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

पीथमपुर में लड़की से बात करने पर युवक की हत्या

लाश को गाड़ ऊपर नीम का पौधा लगाया

इंदौर, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। किरायेदारों से किराया वसूलने वाली और घर का काम करने वाली लड़की एक युवक से बात करती थी। यह बात मकान मालिक को खल गई। उसने युवक की गला दबाकर हत्या कर दी। उसे अपने घर के पीछे खजूर के पेड़ के नीचे दफनाया और उस पर नीम का पौधा लगा दिया। पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 11 अक्टूबर को जय नगर के नाथूराम बिरला ने अपने बेटे रूपेश (उम्र 25 वर्ष) की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई थी। जांच की तो पता चला कि रूपेश पीथमपुर में ही आशिक पटेल के यहां काम करने वाली अन्नू चौरसिया से बातचीत करता था। यह आशिक पटेल को पसंद नहीं था।
12 अक्टूबर को अन्नू ने आशिक के खिलाफ छेड़खानी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में संदिग्ध अखिलेश मिश्रा से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। अखिलेश मिश्रा के मुताबिक आशिक के कहने पर उसने रूपेश की हत्या की। शव को आशिक पटेल के मकान के पीछे दफना दिया। पुलिस ने गुरुवार को खुदाई की तो रूपेश की लाश मिली। पुलिस ने अखिलेश के साथ-साथ अंकुश दुबे, सुरेंद्र यादव, आशिक पटेल, रवि मंडल और दीपक मंडल को गिरफ्तार किया है।

टेक ऑफ करते ही टूट गया विमान का टायर, फिर कैसे हुई लैंडिंग

नई दिल्ली, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। आए दिन दुनियाभर से विमानों की दुर्घटना के वीडियोज सामने आते रहते हैं। हाल ही में एक और वीडियो सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि कैसे एक विमान का पहिया अचानक टूटकर अलग हो गया। यह सब तब हुआ जब विमान ने टेकऑफ किया और इसका एक पहिया टूटकर गया। इस दौरान इसमें आग भी देखी गई।

ड्रीमलिफ्टर बोइंग 747 विमान

यह घटना इटली के टारंटो एयरपोर्ट की है। यहां एटलस एयर का ड्रीमलिफ्टर बोइंग 747 विमान का उड़ान भरने वाला था। जैसे ही उसने उड़ान भरी इसका मेन लैंडिंग गियर टायर टेक ऑफ करते ही विमान से अलग हो गया। शायद विमान में बैठे स्टाफ को इसकी जानकारी तुरंत नहीं लगी लेकिन फिर उनको इस बारे में बताया गया।

दूसरे पहियों के सहारे अमेरिका में लैंडिंग

पहले तो लोगों में खौफ पैदा हो गया। इसके बाद इसकी लैंडिंग विमान में लगे दूसरे पहियों के सहारे अमेरिका में कराई गई। बोइंग ने अपने एक बयान में बताया कि कार्गो विमान ने अमेरिका के चार्ल्सटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग की है। फिलहाल इस हादसे के वजहों की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि उधर जैसे ही इसका पहिया गिरा उसमें आग लगी हुई भी देखी गई।

टायर अंगूर के खेत से मिला

रिपोर्ट्स के मुताबिक जो टायर विमान से अलग हुआ उसका वजन करीब 100 किलो है। यह टायर एयरपोर्ट के पास ही एक अंगूर के खेत से मिला। हादसे का सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें टेक ऑफ करते ही एक टायर विमान से अलग होकर रनवे पर गिरता दिखाई दे रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
अपनी गलतियाँ स्वीकार करना लगभग निर्दोष होना है।

शनिवार, 15 अक्टूबर, 2022

मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं रुकी तो जिम्मेदार लोगों पर गिरेगी गाज : विजयलक्ष्मी

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के कामकाज से महापौर नाराज, खाने के सामान की जांच के निर्देश

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर विजयलक्ष्मी ने चेतावनी दी है कि मिलावटी भोजन के आरोप लगे तो संबंधित अधिकारियों की अनदेखी नहीं की जाएगी। महापौर ने शुक्रवार शाम जीएचएमसी मुख्यालय में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और एएमएचओ के साथ बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मिलावट रोकने के लिए कड़े कदम नहीं उठा रहे हैं। इसके कारण पार्षदों और जनता की ओर से कई आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के तहत सर्किल वाइज दुकानों की जांच में लापरवाही के कारण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों पर कई आरोप हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य सामग्री की जांच की जाए और लाइसेंसी दुकानों के साथ-साथ बिना लाइसेंस की दुकानों से भी सैंपल

लिए जाएं। महापौर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि फुटपाथ पर बिकने वाले खाने-पीने के सामान की जांच नहीं होने से लोग इस तरह का खाना खाकर बीमार हो रहे हैं। अधिकारियों को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा किए गए दैनिक निरीक्षण और नमूनों की दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। महापौर ने कहा कि जीएचएमसी के तहत 22 खाद्य सुरक्षा अधिकारी और दो राजपत्रित खाद्य निरीक्षक कार्यरत हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे बिना किसी शिकायत और आरोप के अपने प्रदर्शन और काम में सुधार करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि खाद्य अपमिश्रण पर एएमएचओ, पशु चिकित्सा अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और अन्य मोबाइल प्रवर्तन टीम के साथ संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक मोबाइल टीम बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह किराना दुकानों के संघों और अन्य व्यापारिक संघों के सदस्यों को भी मिलावटी और घटिया सामग्री बेचने से बचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। महापौर ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को बिना प्रमाण पत्र के मांस बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि बिना लाइसेंस के व्यवसाय करने वालों को शिक्षित करें और उन्हें लाइसेंस दें और यदि वे नहीं माने तो उनके खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच न करें। अधिकारियों को जल्द से जल्द एकत्रित नमूनों के परिणाम प्राप्त करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएमएचओ डॉ. पद्मजा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल वकील, संयुक्त आयुक्त संध्या, सहायक खाद्य नियंत्रण बालाजी, राजपत्रित खाद्य निरीक्षक सुदर्शन रेड्डी, एएमएचओ, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आदि उपस्थित थे।

दमरे जीएम ने इरिसेट में किया बुनियादी ढांचा सुधार कार्यों का निरीक्षण

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दमरे के महाप्रबंधक (प्रभारी) अरुण कुमार जैन दक्षिण मध्य रेलवे ने भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (आईआरआईएसईटी) में चल रहे बुनियादी ढांचे में सुधार कार्यों का निरीक्षण किया और संस्थान के प्रदर्शन की भी समीक्षा की। उनके साथ सुधीर कुमार, महानिदेशक, इरिसेट, शरत चंद्रयान, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी थे। महाप्रबंधक ने संस्थान द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण सुधार कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया, जिन्हें निकट भविष्य में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें लंबी अवधि के मूल्यांकन (एलटीई), फैक्टरी स्वीकृति परीक्षण (एफएटी) इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की स्थापना जैसी नई प्रौद्योगिकी मदों की स्थापना शामिल है। इसके अलावा अरुण कुमार जैन ने रेलवे और निजी उद्योगों से जनशक्ति को कौशल प्रदान करने के लिए संस्थान में 'कवच' - स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के लिए स्थापित प्रयोगशाला की जांच की। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने महाप्रबंधक को कवच और एलटीई के क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की पहल की जानकारी दी। दौरे के दौरान महाप्रबंधक ने संस्थान के गंगा छात्रावास में उपलब्ध कराई गई नई लिफ्ट का लोकार्पण किया।

ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने मेट्रो रेल एमडी को सौंपा ज्ञापन

एमजीवीएस से फलकनुमा तक जल्द कॉरिडोर-2 शुरू करने की मांग

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी एवं अध्यक्ष वी. किशन यादव ने हैदराबाद मेट्रो रेल के एमडी एनवीएसएस रेड्डी को कॉरिडोर 2 एमजीवीएस से फलकनुमा तक जल्द से शुरु करने के लिए ज्ञापन सौंपा। गोविन्द राठी ने मेट्रो रेल के एमडी एनवीएस रेड्डी को बताया कि इससे पहले 2014 से आब तक आपको कॉरिडोर 2 एमजीवीवीएस से फलकनुमा तक ले जाने के लिए कई बार ज्ञापन सौंपा गया है, परन्तु आपने और टीआरएस सरकार के दबाव में आकर इसको रोक दिया तथा हमारी और हैदराबाद के रहने वाले तथा व्यपारी वर्ग की एक भी नहीं सुनी। सुल्तान बाजार में ट्रेडर्स जाईन्ट एक्शन कमेटी ने आपे साथ समझौता किया था कि यह कॉरिडर फलकनुमा तक लेकर जाएंगे, परन्तु चन्द्रशेखर राव की सरकार ने एमआईएम के दबाव में आकर यह कारिडर एमजीवीएस के पास ही रोक दिया और तब से लेकर अब तक की लागत भी बढ गई। इसका बोझ भी जनता के ऊपर जाएगा।

गोविन्द राठी ने आगे कहा कि पछिले कई वर्ष से टीआरएस सरकार हो या हैदरदाबाद मेट्रो रेल हो सिर्फ आश्वासन दे रही है और भोली-भाली जनता को बेवकूफ बना रहे है। श्री राठी ने अपने ज्ञापन में कहा कि अब भी जो गलतियां की है उसका अहसास करे और जल्द से जल्द इस काटिडोर एमजीवीएस फलकनुमा का कार्य शिघ्र प्रारंभ करे, ताकि शहरबासियों को थोड़ी ट्रैफिक से राहत मिल सके।

विजयवाड़ा-गुडीवाड़ा-भीमावरम- नरसापुर रेल लाइन दोहरीकरण का काम पूरा

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने अंतिम मील कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया है और विजयवाड़ा-गुडीवाडा-भीमावरम-नरसापुर के बीच विद्युतीकरण के साथ पूरी दोहरीकरण परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा और चालू किया है। अरावली-निदादावोलू के बीच 32.8 किलोमीटर के लिए विद्युतीकरण का अंतिम खंड 13 अक्टूबर, 2022 को पूरा हो गया है, जो परियोजना के पूरा होने का प्रतीक है। यह इस मार्ग से चलने वाली रेल सेवाओं के संचालन को विद्युत कर्षण के साथ अंत से अंत तक आधार पर सक्षम बनाता है। विजयवाड़ा- गुडीवाडा- भीमावरम - नरसापुर, गुडीवाडा- मछलीपट्टनम और नरसापुर-निदादावोलु दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना को वर्ष 2011-12 में 221 किलोमीटर की दूरी के लिए 3000 करोड़रुपये की अनुमानित लागत से मंजूरी दी गई थी। यह आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित परियोजना है और इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देती है। कुल परियोजना को पांच चरणों में पूरा किया गया है। यह बुनियादी ढांचा विकास परियोजना रेल पर माल और यात्री यातायात की निर्बाध आवाजाही प्रदान करके रेल परिवहन बुनियादी ढांचे को काफी मजबूत करेगी। नई डबल रेल लाइन रेल परिवहन के संबंध में गतिशीलता को बढ़ाएगी और सार्वजनिक आकांक्षाओं को पूरा करेगी। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक (प्रभारी), दमरे ने इस अति महत्वपूर्ण परियोजना के पूरा होने पर अत्यंत संतोष व्यक्त किया है और उन्होंने परियोजना कार्यों को ईमानदारी और समर्पण के साथ पूरा करने के लिए क्षेत्रीय मुख्यालय टीम, विजयवाड़ा मंडल और आरवीएनएल के अधिकारियों को बधाई दी।

स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्वों के साथ सही भोजन लेना चाहिए : प्रभाकर

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस को लेकर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर जिला ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में रंगा रेड्डी जिला एकीकृत समाहरणालय सम्मेलन कक्ष में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए प्रभाकर ने कहा कि स्वास्थ्य एक महान वरदान है और स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्वों के साथ सही भोजन लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला एवं बाल कल्याण विभाग के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, शिशुओं और बच्चों को दूध, अंडे और भोजन जैसे पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि बिना एनीमिया के बच्चों को आयरन की गोलियां दी जा रही हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि लंबाई और वजन उम्र के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे का हर माह टीकाकरण किया जाए और जन-जागरूकता पैदा की जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। भारत बहुत सारी खाद्य फसलें पैदा करता है लेकिन उनमें से बहुत कुछ बर्बाद कर देता है। भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए महिला समूहों के माध्यम से जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर में जंक फूड और शीतल पेय की बिक्री पर प्रतिबंध के कारण महिला समूहों के माध्यम से जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। बैठक में जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कल्याण अधिकारी मोती, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी मनोहर राठौर, श्यामा लक्ष्मी, जिला उपभोक्ता अधिकारी दीक्षित, सीडीपीओ, आंगनवाड़ी शिक्षक, राशन दुकान के डीलर, संबंधित अधिकारी आदि ने भाग लिया।

बाकलिया सेवड़ राजपुरोहित परिवार का नवां अन्नकूट प्रसाद 28 को

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बन्द स्थित श्री हनुमान मंदिर मे नवां अन्नकूट प्रसाद का आयोजन श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स, महाकाली मंदिर सिकंदराबाद बाकलियाँ, सेवड़ राजपुरोहित परिवार के तत्वावधान में शुक्रवार 28 अक्टूबर सायं 5.15 बजे से पूजा-अर्चनाकर, श्री खेतेश्वर महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण व महाआरती के पश्चात् बालाजी महाराज को भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि हर वर्ष की भांति अन्नकूट महाप्रसादी का भक्तों के लिए भव्य आयोजन 28 अक्टूबर शुक्रवार 5.15 बजे से किया जाएगा। इसमें हजारों की संख्या में भक्तगण सपरिवार सम्मलित होकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेंगे। अन्नकूट प्रसाद के वितरण के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया। जो पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेगे। भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद वितरण की सभी तैयारियाँ लगभग की जा चुकी है। कार्यक्रम के आयोजन में रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, मनोहरसिंह, उगमसिंह, जगदीशसिंह, फेफसिंह, रामेश्वरसिंह, पारससिंह, सुमेरसिंह, करनसिंह बाकलिया राजपुरोहित (निम्बोल) एवं पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह सेवड़ राजपुरोहित, नेमीचन्द लखारा, श्रवणकुमार, पारस प्रजापत, पुखराजसिंह राजपुरोहित, हरिसिंह, बिरबलसिंह, प्रेमसिंह, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, परबत सोलंकी व बहुत से कार्यकर्ता प्रमुखरुप से अपनी सेवाएँ देंगें। आयोजक गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि दिवाली के बाद मनाये जाने वाले अन्नकूट प्रसाद उत्सव कार्यक्रम मे अन्नकूट प्रसाद का सेवन करने से सभी पाप नष्ट हो जाते है एवं परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है, वैसे तो तेलंगाना में बहुत से स्थानों पे अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया जाता है लेकिन ताड़बन्द हनुमान मंदिर मे अन्नकूट प्रसाद का अलग ही महत्व है।

मुनुगोड़े में मतदाता सूची पर रिपोर्ट जमा करे ईसीआई : हाईकोर्ट

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के दो-न्यायाधीशों के पैनल जिसमें मुख्य न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति भास्कर रेड्डी शामिल हैं, ने गुरुवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को मुनुगोड़े में मतदाता सूची सूची आवेदन और अनुमोदन और अस्वीकृति पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पैनल भाजपा तेलंगाना महासचिव जी प्रेमेंद्र रेड्डी द्वारा दायर एक रिट याचिका पर विचार कर रहा था। याचिकाकर्ता ने कहा कि आगामी मुनुगोड़े उपचुनाव के लिए पिछले दो महीनों में नामांकन के लिए असामान्य संख्या में फॉर्म 6 आवेदन किए गए थे। याचिकाकर्ता ने कहा कि प्रामाणिकता की पुष्टि किए बिना ईसीआई द्वारा लगभग 25,000 आवेदनों पर कार्रवाई की जा रही है। सत्ताधारी दल अपनी स्थिति का दुरुपयोग कर अधिकारियों पर संभावित फर्जी मतदाताओं को स्वीकार करने और उन्हें संसाधित करने और उन्हें मुनुगोडे सिटिज़न्स और मतदाताओं के रूप में फर्जी तरीके से मतदान स्थल और वोट हासिल करने के लिए दबाव डाल रहा था।

चुनाव आयोग ने अदालत को बताया कि उनके द्वारा लगभग 20,000 मतदाता सूची संसाधित की गई, जिनमें से लगभग 12,000 को स्वीकार कर लिया गया और 7,000 को खारिज कर दिया गया। इसने यह भी कहा कि नामांकन के अंतिम दिन मतदाता सूची का नामांकन रुक जाएगा, लेकिन याचिकाकर्ता ने 31 जुलाई तक मतदाता सूची को फ्रीज करने की मांग की। चुनाव आयोग ने कहा कि आवेदन पिछले वर्षों के अनुरूप हैं और असामान्य नामांकन की आशंका से इंकार किया है। पैनल ने मामले को स्थगित कर दिया।

CLASSIFIEDS

loss of passport

I, BODDU SAI KRUPA MANOJ S/o B.YADAGIRI R/o Flat No.604, Archana Apts, RBI Colony, Golconda X Roads, Musheerabad, Hyderabad. I Lost my Original Passport No.L4714163 on 22.07.2022. If found Plz Cont: 7207872041.
(Ro.No.6144123)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दुपहिया वाहन व मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की पेट-बशीराबाद पुलिस ने दुपहिया वाहन और मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने 8 दुपहिया वाहन और 15 सेल फोन बरामद किया है। बरामद सामान का मूल्य करीब करीब 6 लाख रुपए बताया जा रहा है। गिरफ्तार व्यक्तियों में कोमपल्ली निवासी साजिद शेख निवासी व कांबले तुकाराम तथा विकाराबाद निवासी डी. मोहिन निवासी शामिल हैं। इस मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी बालानगर जी. संदीप ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के आठ दुपहिया वाहन, 15 मोबाइल फोन बरामद किए गए है। उन्होंने बताया कि डीएसआर कॉम्प्लेक्स, कोमपल्ली निवासी रामिसेट्टी की घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो हो गई थी। रामिसेट्टी ने वाहन चोरी की रिपोर्ट पुलिस स्टेशन में दर्ज करा दी। पुलिस टीम ने मामले की गहराई से छानबीन की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बहुत ही शातिर किस्म के चोर है। वे पेटबशीराबाद थाना क्षेत्र में घूमते थे और मौका पाते ही वाहनों को चुरा लेते थे। खासतौर पर वे घरों और शराब की दुकानों के सामने खड़े वाहनों को अपना निशाना बनाते थे। वे खुद दुपहिया वाहन से क्षेत्र में घूमते थे। इसी तरह आरोपी घरों और छात्रावासों के पास रखी खिड़कियों के माध्यम से सेल फोन चुरा लेते थे। इन आरोपियों की गिरफ्तारी में बी लक्ष्मी नारायण रेड्डी, डी.आई. पुलिस, पेट-बशीराबाद पीएस, जी. प्रशांत, एसएचओ पेट-बशीराबाद पीएस आदि ने अहम भूमिका निभाई। इसी क्रम में एक प्रतिष्ठित शोरूम से भारी संख्या में मोबाइल चोरी करने वाले एक आरोपी को मेड्चल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार टी. वेंकटेश निवासी रावलकोले, मेड्चल ने शोरूम से आईफोन, स्मार्ट फोन, लैपटॉप आदि चोरी किए थे। उसके कब्जे से 15 स्मार्ट फोन, 15 आईफोन आदि 20 लाख के कीमत के बरामद किए गए। आरोपी व्यक्ति ऑटो चालक है। उसने अपने कर्जों को चुकाने और जमकर खर्च करने के लिए चोरी की थी। सीपी साइबराबाद स्टीफन रवींद्र ने आरोपी को गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

हैदराबाद को मिला एआईपीएच 2022 वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवाड्र्स

भारत में सिर्फ हैदराबाद का किया गया है चयन, केटीआर ने दी अरविंद कुमार को बधाई

अरविंद कुमार

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ने दक्षिण कोरिया के जेजू में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूसर्स (एआईपीएच) 2022 वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवाड्र्स 2022 में समग्र 'वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवार्ड 2022' और 'लिविंग ग्रीन फॉर इकोनॉमिक रिकवरी एंड इनक्लूसिव ग्रोथ' श्रेणी में एक और पुरस्कार जीता है। एआईपीएच ने छह श्रेणियों में 'वर्ल्ड ग्रीन सिटीज अवाड्र्स 2022' के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित कीं। छह श्रेणियों में कुल 18 फाइनलिस्टों का चयन किया गया और आज अंतिम श्रेणीवार विजेताओं की घोषणा की गई। 6 श्रेणियों और शॉर्टलिस्ट किए गए देशों लिविंग ग्रीन फॉर बायोडायवर्सिटी - कोलंबिया, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जलवायु परिवर्तन के लिए लिविंग ग्रीन-तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, मेक्सिको, लिविंग ग्रीन फॉर हेल्थ एंड वेलबीइंग-ब्राजील, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, लिविंग ग्रीन फॉर वॉटर-कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, सामाजिक सामंजस्य के लिए लिविंग ग्रीन -अर्जेंटीना, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, आर्थिक सुधार और समावेशी विकास के लिए लिविंग ग्रीन- कनाडा, ईरान, भारत शामिल है। हैदराबाद एकमात्र भारतीय शहर है जिसे चुना गया है और यह हैदराबाद, तेलंगाना और भारत के लिए गर्व की बात है कि हैदराबाद ने न केवल श्रेणी पुरस्कार जीता है बल्कि समग्र 'वर्ल्ड ग्रीन सिटी 2022' पुरस्कार जीता है यानी सभी 6 श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ है। 'लिविंग ग्रीन फॉर इकोनॉमिक रिकवरी एंड इनक्लूसिव ग्रोथ' श्रेणी में, आउटर रिंग रोड की हरियाली को हैदराबाद की प्रविष्टि के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह श्रेणी ऐसे सिस्टम और समाधान बनाने पर केंद्रित है जो सभी शहर के निवासियों को आर्थिक संकट से उबरने और पनपने की अनुमति देते हैं और ओआरआर हरियाली जिसे 'तेलंगाना राज्य के लिए ग्रीन नेकलेस' कहा जाता है, को इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। एमए एंड यूडी मंत्री केटी रामाराव आउटर रिंग रोड के साथ-साथ मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाली सुनिश्चित करने पर जोर देते रहे हैं। के चंद्रशेखर राव, बड़े पैमाने पर हरियाली के प्रयास किए गए हैं।

यह पुरस्कार अपने प्रमुख कार्यक्रम 'तेलंगाना कू हरिथा हराम' के माध्यम से राज्य में हरित आवरण बढ़ाने पर तेलंगाना सरकार के निरंतर प्रयासों और फोकस का प्रमाण है। शहरी विकास मंत्री केटीआर ने एच.एम.डी. के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार तथा उनके टीम सदस्यों को बधाई।

ओवैसी ने यूं ही नहीं उतारा उम्मीदवार

समझिये एआईएमआईएम कैसे कर सकती है बड़ा खेल

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार उपचुनाव में गोपालगंज और मोकामा दोनों सीटों पर मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। गोपालगंज राजद सुप्रीमो लालू यादव का गृह जिला है। एक तरफ जहां बिहार में सियासी उलटफेर के बाद अब भाजपा और जदयू अलग है तो वहीं राजद के पास अब जदयू का भी साथ है। गोपालगंज में मुकाबला रोमांचक होने वाला है। राजद और जदयू के अलावे अब बसपा से साधु यादव की पत्नी मैदान में उतर गयी हैं जबकि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम ने भी अपने प्रत्याशी को मैदान में उतारा है।

गोपालगंज में ओवैसी की एंट्री

बिहार में होने वाले उपचुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गयी है। एआइएमआइएम ने भी अब्दुल सलाम मुखिया को गोपालगंज से प्रत्याशी बनाया है। गोपालगंज में

ओवैसी की एंट्री ने एक हलचल तेज जरुर कर दी है। बात विधानसभा चुनाव 2020 की करें तो एआईएमआईएम ने सीमांचल में अपना जो प्रदर्शन दिखाया था वो बड़े-बड़े सियासी दिग्गजों को हैरान कर गया था।

सीमांचल में दिखा चुके हैं दम

सियासी पंडितों की मानें तो सीमांचल में एआइएमआइएम के प्रदर्शन ने राजद को तब सत्ता से दूर कर दिया था। अब गोपालगंज में ओवैसी की एंट्री हो रही है। तो ये जानना भी बेहद जरुरी है कि आखिर इस सीट पर एआईएमआईएम क्यों निशाना साधे हुई है।

दरअसल, एआईएमआईएम को गोपालगंज में बड़ी उम्मीद दिख रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां के मुस्लिम मतदाता हैं जिनकी संख्या यहां सबसे अधिक है। एक अनुमान के तहत इस सीट पर 65000 के आस-पास मुस्लिम मतदाता हैं और ओवैसी की नजर इसी वोट पर है।

एआईएमआईएम की एंट्री से किसका नुकसान

अगर बात फायदे और नुकसान की करें तो मुस्लिम वोटर को राजद के ही खाते में गिना जाता है। लेकिन जहां ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम मजबूती से अपनी उपस्थिति पेश करती है वहां राजद को बड़ा नुकसान पहले भी हुआ है। बेशक ओवैसी की एंट्री ने आरजेडी की मुश्किल बढ़ाई है।

मुस्लिम वोटरों की संख्या बढ़ी

बताते चलें कि 2011 के परिसीमन के बाद इस क्षेत्र में मुस्लिम वोटरों की संख्या बढ़ी है। पहले जो इलाका हथुआ में आता था अब वो गोपालगंज का हिस्सा बना है। वहीं भाजपा ने इस सीट पर पिछले 4 बार से कब्जा जमाया है। सुभाष सिंह चारो बार यहां से जीत दर्ज करते रहे। भाजपा ने उनकी पत्नी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं बसपा से साधू यादव पिछली बार दूसरे नंबर पर रहे थे।

एआईएमआईएम का दावा

एआईएमआईएम पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने दावा ठोककर कहा है कि गोपालगंज हमारी जमीन है और यहां पर चुनाव को लेकर हमारा संगठन पूरी तरह से जीत हासिल करने के लिए तैयार है।

यूपी डिप्टी सीएम के काफिले में हुआ हादसा

तीन पुलिसकर्मी सहित पांच घायल

सीतापुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ से कार के जरिए लखीमपुर जा रहे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के काफिले में अचानक एंबुलेंस की टक्कर से हादसा हो गया। हादसे में तीन पुलिसकर्मी सहित पांच लोग घायल हो गए जिनको इलाज के लिए भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम लखीमपुर जाने के लिए कार के जरिए लखनऊ से लखीमपुर जा रहे थे इसी दौरान खैराबाद और कोतवाली देहात थाना इलाके में पड़ने वाले नानकारी गांव के पास काफिले में शामिल एक एंबुलेंस को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। तेज रफ्तार होने के कारण कई कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर से पुलिस वाहन डिवाइडर के दूसरी ओर आ गया। डिप्टी सीएम ने काफिले को तुरंत ही रुकवा दिया गया। मौके पर एएसपी राजीव दीक्षित, सीओ सिटी सुशील सिंह व अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

डेंगू का पटना में बढ़ा प्रकोप

अस्पतालों में बेड फुल, दवा गायब, नगर निगम का हवा में दावा

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। डेंगू का प्रकोप राजधानी पटना समेत बिहार के कई जिलों में बढ़ने लगा है। एक महिला डाक्टर समेत सात लोगों की मौत डेंगू से हो गई है। बिहार के सभी बड़े अस्पतालों में डेंगू के मरीजों से बेड फूल हो गए हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही पीएमसीएच से दवा भी खत्म हो गई है। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन से उसका पक्ष लेने के लिए कई बार प्रयास किया गया। लेकिन पीएमसीएच के अधीक्षक ने फोन नहीं उठाया। डेंगू का प्रकोप बढ़ने के साथ ही प्राइवेट अस्पतालों में भी इसके मरीज पहुंचने लगे हैं। यहां पर भी अब धीरे-धीरे बेड फुल होने लगे हैं।

इधर, पीएमसीएच में भर्ती मरीजों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन की तरफ से पैरासिटामॉल तक नहीं दिया जा रहा है। डेंगू के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं की घोर किल्लत है। दवा की खरीदारी बाहर से ही करनी पड़ रही है। पटना के जीएम रोड में थोक दवा व्यापारी का कहना है कि जब से पटना में डेंगू का कहर बढ़ा है, पैरासिटामॉल, एंटीबायोटिक, एंटीइंफेक्शन और मल्टीविटामिन की मांग करीब 60 प्रतिशत तक बढ़ गई है। अब मंडी में दवा कम

पड़ने लगा है, इसलिए हम लोगों ने पटना के बाद पूरे बिहार में डेंगू के भयानक प्रकोप को देखते हुए दवा व्यापारियों ने कंपनियों में बल्क ऑडर दे दिया है। दवा की कमी ने हो इसकी हम लोग पूरी तैयारी कर रहे हैं।

अस्पताल ही बना हॉट स्पॉट

पीएमसीएच में इलाज के लिए आए मरीज के परिजनों ने कहा कि घर से ज्यादा डेंगू के मच्छर अस्पताल में परेशान कर रहे हैं। मरीज तो मच्छरदानी में हैं। लेकिन, हमलोग खुले में मच्छरों के बीच रहने को विवश हैं। मरीज के कई परिजन अभी तक डेंगू के डंक के शिकार हो चुके हैं। अस्पताल प्रबंधन से मच्छर को लेकर कई बार शिकायत हमलोगों ने किया, लेकिन कोई नहीं सुनता है। हर कोई एक दूसरे पर आरोप लगा कर अपना पल्ला झाड़ रहा है। परिजनों ने कहा कि टाटा वार्ड के पहले तल्ले को डेंगू वार्ड बनाया गया है। वार्ड के बीच आंगन में बंद फव्वारा है जिसमें हमेशा पानी जमा रहता है। जहां पर प्रतिदिन डेंगू के हजारों मच्छर जन्म ले रहे हैं। इतना ही नहीं अस्पताल के पीछे गंदगी का अंबार लगा है। ऐसे में यहां पर इलाज करवाने आने वाले मरीज तो ठीक हो जा रहे हैं, लेकिन उनके परिजन भी डेंगू के डंक का शिकार हो जा रहे हैं।

हवा में दावा

पटना नगर निगम की ओर से प्रतिदिन फॉगिंग करने का दावा किया जा रहा है। लेकिन, पटना नगर निगम का यह दावा हवा में ही है। नगर निगम की ओर से कुछ क्षेत्रों में जरुर फॉगिंग किए जा रहे हैं। लेकिन, अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर डेंगू का प्रकोप रहने के बावजूद फॉगिंग नहीं हो रहा है। यही कारण है की डेंगू का प्रकोप रुकने के बदले बढ़ता ही जा रहा है। मंत्री बनने के बाद रात में पीएमसीएच का औचक निरीक्षण करने पहुंचे बिहार के डिप्टी सीएम को अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन खोज रहे हैं। परिजनों का कहना है कि तेजस्वी के मंत्री बनने पर उम्मीद था कुछ पीएमसीएच का भला होगा। लेकिन, वो भी मंगल पांडेय की तरह ही सिर्फ फोटो ही खिचवाने आए थे। जरूरत पड़ने पर नजर नहीं आ रहे।

जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह के करीबी डब्बू सिंह की कंपनी के 20 ठिकानों पर इनकम टैक्स का छापा

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार झारखंड के बड़े बिल्डर डब्बू सिंह के ठिकानों पर आयकर का छापा पड़ा है। जानकारी के मुताबिक डब्बू सिंह के 20 ठिकानों पर आयकर की टीम रेड कर रही है जिनमें होटल भी शामिल हैं।

झारखंड से आई छापामार टीम कार्रवाई कर रही है। डब्बू सिंह जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह के काफी करीबी माने जाते हैं। वह जदयू से जुड़े हुए भी हैं। जानकारी के मुताबिक पटेल नगर, राजीव नगर, एग्जीविशन रोड में स्थित ठिकानों पर आईटी टीम नें रेड डाला है।

डब्बू सिंह एक बड़े ठेकेदार भी हैं। उनके ठिकानों पर शुक्रवार सुबह-सुबह इनकम टैक्स की टीम छापेमारी करने के लिए पहुंची। बताया जा रहा है कि आईटी की टीम ने ठेकेदार के शिवपुरी और बिक्रम में भी छापेमारी कर रही है। पटना और रांची में उनके कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं। बिल्डर का राजनीतिक कनेक्शन भी है। उन पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप है। डब्बू सिंह की पटना में गोविंद कंस्ट्रक्शन कंपनी है। पटना के अलावे गाज़ियाबाद, नोएडा, दिल्ली में भी रेड चल रही है। जदयू के नेता डब्बू सिंह की इस कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी है। वह कंपनी के निदेशक हैं। चर्चा है कि ललन सिंह की मदद से आरोपी डब्बू सिंह को राजनीति में आना चाहते हैं। आयकर की टीम का रेड जारी है। इसके संबंध में टीम में शामिल पदाधिकारी जानकारी देने से परहेज कर रहे हैं।

आरजेडी के कुढ़नी विधायक अनिल साहनी की सदस्यता रद्द

एलटीसी घोटाले मामले में पाए गए थे दोषी

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा से एक बड़ी खबर आ रही है। राजद के कुढ़नी विधायक अनिल साहनी का विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दिया गया है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। इससे राजद को बड़ा झटका लगा है।

आरजेडी विधायक अनिल साहनी की सदस्यता रद्द

बिहार के दो सीटों पर उपचुनाव होने वाला है। इससे पहले राजद के लिए एक बुरी खबर आई है। कुढ़नी विधायक अनिल साहनी का विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दिया गया है। पूर्व राज्यसभा सदस्य और आरजेडी विधायक अनिल साहनी को अवकाश एवं यात्रा भत्ता घोटाला मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दोषी करार दिया था। और तीन साल कैद की सजा सुनाई थी।

इसके बाद से ही ये चर्चा चल रही थी कि अनिल साहनी की सदस्यता जा सकती है।

अनिल साहनी पर आरोप है कि राज्यसभा सांसद रहते उन्होंने बिना कोई यात्रा किए जाली ई-टिकट और फर्जी बोर्डिंग पास के जरिये 23 लाख 71 हजार रुपये की धोखाधड़ी की थी। सीबीआई ने इस मामले में मनी लाउंड्रिंग एक्ट, धोखाधड़ी, सरकारी पद के दुरुपयोग की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। एलटीसी घोटाले के मामले में 31 अक्टूबर 2013 में सीबीआई ने केस दर्ज किया था। जिस पर सुनवाई के बाद 29 अगस्त को कोर्ट ने अनिल सहनी समेत तीनों को एलटीसी घोटाले का दोषी करार दिया था और तीन साल कैद की सजा भी सुनाई थी।

दो सीटों पर होने वाले हैं उपचुनाव

वहीं, बिहार के दो सीटों पर उपचुनाव होने वाला है। मोकामा और गोपालगंज सीट के लिए चुनाव होने वाला है। इसको लेकर चुनाव आयोग ने तिथि भी घोषणा कर दी है। राजद और बीजेपी ने दोनों सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा भी कर दी है। अब एक और सीट कुढ़नी पर उपचुनाव होने के आसार है। ये सीट राजद के खाते में थी।

राममंदिर के पास युवक को गोली मारी

अयोध्या में घूमते समय आए दो बदमाशों ने किया हमला, पैर में लगी दो गोली

अयोध्या, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर से करीब 500 मीटर दूर यलो जोन में गुरुवार देर रात युवक को गोली मार दी गई। रात को खाना खाने के बाद अशर्फी भवन स्थित अपने घर के पास टहल रहे पवन दुबे पर जानलेवा हमला किया गया है। उन पर दो अज्ञात हमलावरों ने दो गालियां मारी। अयोध्या के बेहद सुरक्षित यलो में हुई इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं। अज्ञात हमलावरों के हमले से पवन दुबे घायल हो गए। उनके बाएं पैर में 2 गोली लगी है। उनको आनन-फानन श्रीराम हॉस्पिटल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। मामला थाना कोतवाली अयोध्या के लक्ष्मणघाट क्षेत्र का है। अयोध्या कोतवाल ने श्रीराम हॉस्पिटल पहुंचकर घायल युवक से पूछताछ की। राम मंदिर निर्माण के बाद से अयोध्या के यलो जोन की सुरक्षा बेहद सख्त होने का दावा पुलिस-प्रशासन करता है। घटनास्थल के आसपास कई पुलिस बैरियर हैं। जहां हर पल पुलिस मुस्तैद रहती है। इतने कड़े सुरक्षा घेरे में युवक को गोली मार अपराधियों के फरार होने की घटना ने सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी। अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के नरसिंह मंदिर में स्वामित्व के विवाद में दो माह पहले बमबाजी हो चुकी है।

इस घटना के अपराधियों ने मंदिर पर सुतली बम दाग कर दशहत मचा दी थी, जिसको लेकर पुलिस की फजीहत प्रदेश के आला अफसरों ने की। इस दूसरी वारदात के बाद पुलिस ने अपराधियों की तलाश तेज कर दी है।

पुलिस टीम को घेरकर हमला अंधाधुंध फायरिंग

मुरादाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर का चर्चित बिकरू कांड उत्तराखंड के भरतपुर में दोहराने की कोशिश की गई। बुधवार रात 50 हजार के इनामी जफर का पीछा करते हुए पुलिस टीम भरतपुर स्थित एक मकान में पहुंच गई। यहां खनन माफिया और उसके साथियों ने टीम को घेरकर पीटा। इस दौरान टीम पर फायरिंग भी की गई। जिसमें इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस कर्मी हो गए। जिसमें दो पुलिस कर्मियों को गोली लगने का दावा किया गया है। एसओजी प्रभारी रविंद्र सिंह व मनोज मकान से कूद भागे और वह नदी किनारे स्थित बाग में छिप गए। हालात सामान्य होने के बाद दोनों पुलिसकर्मी नदी पार करने के बाद यूपी बॉर्डर में पहुंचे और उन्होंने लोगों से मोबाइल लेकर पुलिस को सूचना दी। तब ठाकुरद्वारा पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें वाहन में बैठाकर थाने ले गई। उधर, मकान के अंदर शिव कुमार, राहुल सिंह और योगेंद्र को स्थानीय पुलिस ने किसी तरह घायल अवस्था में बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया।

कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया जिस वक्त हमारी टीम भरतपुर के

बाग में छिपकर बचाई जान

एक मकान में घिर गई थी। तब आस पड़ोस के लोगों ने अपने मकानों के दरवाजे और खिड़की बंद कर लिए थे। आरोपी लगातार फायरिंग कर रहे थे। उन्होंने हमारे भी हथियार छीन लिए थे।

कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती सिपाही संगम और सुमित राठी ने घटना बयां की। उन्होंने बताया कि ठाकुरद्वारा में कमालपुरी चौराहे के पास उन्होंने जफर की क्रेटा कार रोकने की कोशिश की। इसी दौरान जफर ने फायरिंग शुरू कर दी। हमारे साथी राहुल सिंह की बाजू में गोली।

इसके बाद जफर उत्तराखंड की ओर भागा और करीब आठ किलोमीटर चलकर एक मकान में घुस गया। हमने उसे पकड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान वहां भीड़ जुट गई और गेट बंद कर हम पर हमला कर दिया। हमारे हथियार भी छीन लिए। इस दौरान हमलावरों ने फायरिंग भी की।

उत्तराखंड के कुंडा थाने की पुलिस बृहस्पतिवार दोपहर कॉसमॉस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने यहां भर्ती पुलिस कर्मियों के बारे में जानकारी जुटाई। डॉक्टर से भी जानकारी की। इसके बाद दो पुलिस कर्मियों से पूछताछ की। बुधवार रात उत्तराखंड के कुंडा थानाक्षेत्र के भरतपुर गांव में पुलिस टीम पर हमला किया गया था। हमले में इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। जबकि गोली लगने से एक महिला की मौत हो गई थी। महिला के पति गुरताज सिंह उर्फ भुल्लर ने कुंडा थाने में 10 से 12 पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। पांच पुलिस कर्मी कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती हैं। जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। इसी मामले में कुंडा थाने के इंस्पेक्टर नीलम कुमार के नेतृत्व में छह पुलिस कर्मी कॉसमॉस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टर से उपचार के बारे में जानकारी की। इसके बाद दो पुलिस कर्मियों से भी पूछताछ की। हालांकि हालत ठीक नहीं होने के कारण पुलिस कर्मी कुछ ज्यादा बता नहीं पाए। सिविल लाइंस थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि कुछ देर रुकने के बाद टीम वापस चली गई।

यूपी के किसानों को मिलेगी सुविधा

पराली से चारा बनाने को किसानों को किराए पर मिलेगा कृषि यंत्र

अलीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ में पराली जलाने से वायु प्रदूषण को रोकने को विकास भवन प्रशासन ने अभी से ही पहल शुरू कर दिया है। पराली जलने से रोकने को जिले 8 ब्लाकों के 27 ग्राम पंचायतों में कृषि यंत्र उपलब्ध कराया गया है। इस यंत्र को किसान किराये पर लेकर पराली से चारा बना सकता है। जिसका उपयोग वह अपने घर के पशुओं को खिलाकर करें या फिर गोशाला को उपलब्ध कराए।

अपर मुख्य सचिव ने जारी आदेश में कहा है कि पराली का उपयोग निराश्रित गोआश्रय स्थल स्थल में गोपंश के चारे के लिए किया जाए। गोशाला में पराली ढुलाई की व्यवस्था वित्त आयोग की धनराशि से की जाए। आदेश के तहत सीडीओ ने फसलों के अवशेष जलाये जाने से उत्पन्न हो रहे प्रदूषण की रोकथाम को लेकर जिले के सभी ग्राम प्रधान व सचिवों को पत्र जारी कर कहा कि वह अपने-अपने इलाकों में निकलने वाले फसलों के अवशेष को फार्म मशीनरी बैंक से कृषि यन्त्र प्राप्त कर प्रबन्ध कराए। इसके लिए किसानों को जागरूक कर प्रेरित करने का कार्य करें। पराली का चारा गोशालाओं में उपलब्ध कराएं।

इसके लिए सभी 10 ब्लाकों के विकास खंड अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी कृषि को जारी किया गया है। जिले में नहीं जलनी चाहिए पराली अलीगढ़। सीडीओ अंकित खंडेलवाल ने कहा कि किसी भी कीमत पर ग्रामीण इलाकों में पराली नहीं जलनी चाहिए। यह ब्लाक और ग्राम पंचायत अधिकारी सुनिश्चित करें। फार्म मशीनरी बैंक में उपलब्ध कृषि यंत्र को किसानों को टोकन मनी के रूप में शल्क लेकर उपलब्ध कराया जाए। सचिवालय में तैनात पंचायत सहायक कृषि यंत्र के उपयोग का विवरण रजिस्टर पर अंकित करें। इसमें लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकनाईशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्राप रेजीडयू योजनान्तर्गत विभिन्न वर्षो में फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना करते हुए इन ग्राम पंचायतों में फसल अवशेष प्रबन्धन के कृषि यन्त्र खरीदें गए थे।

फेसबुक पर प्यार, कोर्ट में की शादी

3 महीने बाद बीवी मायके गई तो पति ने किया ब्लॉक, अब पत्नी ने जौनपुर में कराई एफआईआर

जौनपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। फेसबुक के जरिए प्यार हुआ। लड़की अच्छी लगी तो लड़के ने नंबर लेकर वॉट्सऐप पर चैटिंग भी की। बात आगे बढ़ी तो लड़के ने लड़की को बुलाकर कोर्ट मैरिज की। 3 महीने बाद लड़की के घर में किसी की डेथ हुई तो लड़की मायके जाने लगी। लड़की के मायके जाते ही पति ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। बात बिगड़ने लगी तो पति की तरफ से तलाक की मांग की जाने लगी। पत्नी ने इस मामले में जौनपुर के बदलापुर थाने में पति समेत 6 लोगों पर एफआईआर कराई है।

गाजियाबाद की वर्षा ने जौनपुर के दिलीप से की शादी

वर्षा महेश्वरी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की रहने वाली हैं। वर्षा ने जौनपुर के दिलीप सिंह से कोर्ट मैरिज की है। पंचायत और मंदिर से भी विवाह की रस्मों को संपन्न कराया गया है। दरअसल वर्षा और दिलीप की मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी। वर्षा और दिलीप फेसबुक पर एक दूसरे के दोस्त बने। वहां बातचीत शुरू हुई तो दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। एक दूसरे का नंबर देकर चैटिंग वॉट्सऐप के जरिए शुरू हो गई।

वर्षा ने चार-पांच दिन दिलीप से बात नहीं की तो वो मरने की कसमें खाने लगा।

जौनपुर में की कोर्ट मैरिज

वर्षा ने दिलीप को बताया कि उसकी मां ने उसके लिए कहीं शादी देख रखी है। दिलीप ने वर्षा के अकाउंट में पैसे भेजे और उसे गाजियाबाद से लखनऊ आने के लिए कहा। उसने वर्षा को कुछ दिन अपने बहन के घर रखा। इसके बाद दोस्त के घर भी रखा। फिर जौनपुर आकर उसने वर्षा से कोर्ट में शादी कर ली। शादी के बाद वर्षा और दिलीप जौनपुर में अपने घर रहने लगे।

ब्लॉक कर दिया नंबर

वर्षा बताती हैं कि इसी बीच उनके परिवार में भाई की मृत्यु हो गई। ऐसे में उसे अपने मायके जाना पड़ा। इस दौरान फोन पर पति से कुछ कहासुनी हुई। इसके बाद पति और ससुराल वालों ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। उसने काफी कोशिश की लेकिन बात नहीं बनी। देवर पीयूष ने बताया कि दिलीप अब उससे तलाक चाहता है।

वर्षा का आरोप है कि पुलिस बनकर उसकी मां को फर्जी रूप से फोन किया गया। गालियां भी दी गईं। वर्षा बताती हैं कि इसकी फोन रिकॉर्डिंग उनके पास है। वर्षा ने जौनपुर के बदलापुर थाने में तहरीर दी है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बरेली के सत्कार रेस्टोरेंट में घुसाई कार

वन राज्यमंत्री के भतीजे को दो साथियों समेत किया गिरफ्तार

बरेली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ और कर्मचारियों पर कार चढ़ाने के आरोपी अमित सक्सेना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अमित वन राज्यमंत्री एवं नगर विधायक डॉ. अरुण कुमार का भतीजा है। शासन तक मामला पहुंचने के बाद मुकदमे में जानलेवा हमले की धारा बढ़ाकर पुलिस ने गुरुवार शाम कार्रवाई की। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। अमित के दो साथियों को हिरासत में लिया गया है।

मामला मंगलवार की रात का है। जनकपुरी में सत्कार रेस्टोरेंट पर वन राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार के भतीजे अमित सक्सेना और उसके साथियों ने जमकर हंगामा किया था। रेस्टोरेंट के स्टाफ से मारपीट के दौरान जानलेवा हमला कर कार चढ़ा दी थी। साथ ही आरोप है कि एक लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी थी। घटना की सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गई थी। बुधवार को मामले में रेस्टोरेंट मालिक नरेश कश्यप के बेटे सुशांत कश्यप की तहरीर पर थाना प्रेमनगर में अमित और उसके साथियों के खिलाफ एकराय होकर हमला करने, धमकी देने और रंगदारी मांगने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

पीड़िता को 24 साल बाद मिला न्याय

भाजपा नेता को दहेज हत्या मामले में कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

बरेली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र विक्रम सिंह को दहेज हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। इसके बाद भाजपा ने भी उनको पद मुक्त कर दिया है। कोर्ट ने यह फैसला 24 वर्ष बाद सुनाया है। मृतका के परिजनों ने मिट्टी का तेल छिड़ककर मारने का आरोप लगाया था। मुकदमें की सुनवाई के दौरान आरोपी की मां और भाई की मौत हो गई। इसके साथ ही आरोपी ने दूसरी शादी कर ली। उससे दो बच्चे भी हैं। दरअसल, शहर के सुभाष नगर के गणेश नगर निवासी शैलेंद्र विक्रम सिंह भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष हैं। उनकी पीलीभीत निवासी रामकुमार की बेटी बबीता के साथ वर्ष 1996 में हुई थी। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि 4 जून 1998 को शैलेंद्र विक्रम सिंह ने अपनी मां और ममेरे भाई मनोज पाल के साथ मिलकर बबीता पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। आरोपियों ने घटना की सूचना परिजनों को नहीं दी। इलाज के दौरान 8 दिन बाद बबीता ने दम तोड़ दिया। इस मामले में सरकारी वकील राजेश्वरी गंगवार ने मुकदमें में 10 गवाहों को पेश किया। सुनवाई के दौरान शैलेंद्र की मां पुष्पा रानी और ममेरे भाई मनोज पाल की मौत हो गई। इस मुकदमें के दौरान ही शैलेंद्र ने दूसरी शादी कर ली। उनकी एक पुत्र और एक पुत्री भी हैं। इस मामले में 24 साल तक सुनवाई चली।

मृतका के पिता ने गवाहों को हतोउत्साहित करने के प्रयास के आरोप लगाया। मगर, अपर सेशन जज इफ्तेखार अहमद ख़ां ने शैलेंद्र विक्रम सिंह को जिम्मेदार ठहराया।उनको उम्र कैद की सजा के साथ ही 40 हजार रुपए का जुर्माना भी डाला है। जुर्माने की धनराशि मुकदमें के खर्च के रूप में रामकुमार को दी जाएगी।भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष को उम्रकैद की सजा होने की जानकारी जैसे ही संगठन को मिली। उन्होंने शैलेंद्र विक्रम सिंह को पद मुक्त कर दिया है।

लालू यादव सिंगापुर के अस्पताल में भर्ती

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। किडनी का इलाज कराने सिंगापुर गए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का इलाज शुरू हो चुका है। उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने ट्विटर पर दो तस्वीरें साझा की जिसमें से पहली तस्वीर में लालू प्रसाद यादव भगवान के आगे नतमस्तक नजर आ रहे हैं और दूसरी तस्वीर में लालू यादव अस्पताल के बेड पर नजर आ रहे हैं वहीं उनके साथ उनकी बेटी मौजूद है। गौरतलब है कि लालू यादव किडनी संबंधी इलाज के लिए मंगलवार को सिंगापुर रवाना हो गए। उनके साथ उनकी बड़ी बेटी और राजद सांसद मीसा भारती भी सिंगापुर गई हैं। लालू यादव को शुगर और ब्लड प्रेशर की भी बीमारी है। सिंगापुर पहुंचने के बाद से रोहिणी आचार्य लगातार ट्विटर के माध्यम से लालू यादव की तस्वीरें शेयर कर रही हैं जो इंटरनेट पर वायरल हो रही है। पिछले दिनों रोहिणी आचार्य ने लालू यादव की तस्वीर शेयर की थी जिसमें लालू यादव कुर्ता-पायजामा में नजर आ रहे थे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बुधवार सुबह सिंगापुर पहुंचे। यहां उनकी बेटी रोहिणी आचार्य खुद एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंची थीं। लालू यादव की व्हीलचेयर पर बैठे एयरपोर्ट से बाहर निकले फोटो सामने आई थी। लालू यादव के बाहर आते ही उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने वीडियो बना लिया और इसे ट्विटर पर साझा कर दिया।

12 दिन बाद कब्र से निकाल किया बंदर का पोस्टमार्टम

मारने से पहले बेजुबान को बुरी तरह पीटा था

धनबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद में वन विभाग की कॉलोनी के अंदर पिंजरे में बंद बंदर की हत्या के 12वें दिन इसका पोस्टमार्टम कराया गया। देर से पोस्टमार्टम करने की वजह से बंदर के शरीर का मांस पूरी तरह से गल चुका था।

पशुपालन विभाग के डॉक्टरों की टीम ने जांच में पाया कि बंदर को मारने से पहले उसके एक हाथ को तोड़ दिया गया था, वहीं दूसरा हाथ कंधे के पास से काट कर अलग किया गया था। साढ़े तीन घंटे पोस्टमार्टम 30 सितंबर को सत्यम नगर से एक बंदर को पकड़ कर फोरेस्ट कॉलोनी में पिंजरे के अंदर रखा गया था। एक अक्तूबर किसी ने बंदर की हत्या कर दी। वन विभाग के अधिकारियों ने बिना पोस्टमार्टम के ही इसे फोरेस्ट कॉलोनी के अंदर दफना दिया था। इसके बाद वन विभाग सक्रिय हुआ और 12 दिनों बाद बंदर का पोस्टमार्टम कराया गया। गुरुवार को जिला पशुपालन विभाग की तीन सदस्यीय टीम ने बंदर को जमीन से निकाल कर पोस्टमार्टम किया। टीम में डॉ श्रीनिवास सिंह, डॉ मनौव्वर सिद्दकी, डॉ देवेंद्र कुमार वर्मा शामिल थे। सुबह साढ़े 11 बजे से शुरू हुआ पोस्टमार्टम दोपहर साढ़े तीन बजे तक चला।

मुझे जानबूझकर फंसाया जा रहा जसीम

मामले में सस्पेंड किए गए प्रभारी वनपाल वसीम अंसारी ने कहा कि वह बेगुनाह हैं। उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर को वन क्षेत्र पदाधिकारी के निर्देश पर सत्यम नगर से राणा घोष और बजरंगी की मदद से बंदर का रेस्क्यू कराया गया था। अगले दिन सुबह मुझे खबर मिली कि पिंजरे के अंदर बंदर की मौत हो गई है। मैंने इसकी सूचना वन क्षेत्र पदाधिकारी को फोन से दी।

उन्होंने मुझे बंदर को वहीं दफना देने का आदेश दिया। कुछ दिनों बाद मुझे बदनाम करने की नीयत से बंदर की मौत का जिम्मेदार मुझे बताया गया। जहां पर बंदर को पिंजरे में बंद करके रखा गया था, वह मेरे कार्य क्षेत्र में भी नहीं आता है। उस परिसर का मैं प्रभारी वनरक्षी भी नहीं हूं। मुझे जानबूझकर बंदर की मौत में फंसाते हुए बदनाम किया जा रहा है। विभाग ने बिना नोटिस दिए ही कारवाई कर दी।

हाथ की हड्डी थी टूटी, 12 दिनों में मांस गला

जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ प्रवीण कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों की टीम ने बताया कि बंदर के एक हाथ की हड्डी कोहनी से टूटी हुई थी, जबकि दूसरा हाथ बांह से अलग था। उसे मारने से पहले बेरहमी से पीटा गया था। देर से पोस्टमार्टम होने की वजह से उसका मांस गल गया है। इसका विसरा प्रिजर्व करते हुए फोरेंसिक जांच के लिए रांची भेज दिया गया है।

मुरुघा मठ प्रमुख के खिलाफ कर्मचारी के बच्चों का यौन शोषण करने का आरोप, चार गिरफ्तार

बेंगलुरू, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुरुघा मठ के प्रमुख शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाईस्कूल की दो नाबालिक छात्राओं के यौन शोषण के आरोप में पहले से जेल में बंद शिवमूर्ति शरणारू के खिलाफ अब मठ में कार्यरत कर्मचारी के बच्चों का कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। इस मामले में मैसूर के नजराबाद थाने में मुरुघा मठ के पुजारी समेत सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस का कहना है कि छात्रावास के वार्डन, पुजारी समेत चार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। वहीं अन्य लोग फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

हाईस्कूल की छात्राओं ने की थी शिकायत

इससे पहले शिवमूर्ति शरणारू समेत पांच व्यक्तियों पर हाईस्कूल की दो छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी की शिकायत के आधार पर मठ के छात्रावास के वार्डन समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। नाबालिग लड़कियों ने पहले मैसूर के उक्त एनजीओ से संपर्क किया था और काउंसलिंग के दौरान अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में जानकारी दी थी।

मठ प्रमुख की एक सितंबर को हुई थी गिरफ्तारी

यौन शोषण के आरोप में मुरुघा मठ के मुख्य महंत शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को एक सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर यौन उत्पीड़न के मामले में पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी की शिकायत के आधार पर मठ के छात्रावास के वार्डन समेत

कुल पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जानकारी के मुताबिक, लड़कियों ने मैसूर स्थित एक गैर-सरकारी संगठन 'ओदानदी सेवा संस्थान' से संपर्क किया और काउंसलिंग के दौरान अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में जानकारी दी। गिरफ्तारी के बाद से मठ के मुख्य महंत न्यायिक हिरासत में हैं। हाल ही में उनकी हिरासत 21 अक्तूबर तक बढ़ाई गई है।

लिव-इन पार्टनर ने की ब्यूटीशियन की हत्या

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा, कांच के टुकड़े से किए वार

भोपाल, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। राजधानी के पिपलानी में मूल रूप से सिक्किम की रहने वाली ब्यूटीशियन की हत्या उसके लिव-इन पार्टनर ने की थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। दोनों एक महीने से लिव-इन में थे। आरोपी ने कांच के टुकड़े से वार किए थे। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर ब्यूटीशियन के लिव-इन पार्टनर हर्ष केसरवानी को हिरासत में ले लिया है। ब्यूटीशियन प्रेमा लांबा की हत्या का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकोलीगज जांच में हुआ है। आरोपी ने प्रेमा लांबा पर कांच के टुकड़ों से हमला किया था।

सिक्किम की रहने वाली प्रेमा लांबा एक माह पहले ही पिपलानी के इंद्रपुरी सी सेक्टर स्थित एक फ्लैट में अपने लिव-इन पार्टनर शहडोल निवासी हर्ष केसरवानी के साथ रहने गई थी। दोनों की एक साल पहले ही सोशल मीडिया पर दोस्ती हुई थी। हर्ष भोपाल में तीन साल से बी फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। मूलतः शहडोल के रहने वाले हर्ष के पिता मेडिकल स्टोर चलाते है। पुलिस के मुताबिक प्रेमा लांबा और हर्ष केसरवानी ने रविवार को साथ में शराब पी। इस बीच हर्ष के मोबाइल पर उसकी गर्लफ्रेंड का फोन आया। इसे लेकर प्रेमा और हर्ष के बीच झगड़ा हो गया। हर्ष ने पुलिस को बताया कि प्रेमा ने गुस्से में कमरे में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद वह दूसरे कमरे में जाकर अपनी गर्लफ्रेंड से बात करने लगा। जब बाहर आया तो कांच बिखरा पड़ा था और प्रेमा लहूलुहान हालत में पड़ी हुई थी। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला प्रेमा के सीने और गर्दन पर वार किया गया था। इस मामले में पुलिस को हर्ष पर संदेह था, जिसकी पुष्टि मेडिकोलीगल जांच में हुई।

दैनिक पंचांग

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **- 07-03** दिनरात तक
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष ,शनिवार, **15 Oct**
नक्षत्र -मृगशिरा **-23 -21** - तक,उपरान्त आर्द्रा
योग - वरियान. **-14 - 23** - तक उप- परिघ
करण- गर **- 17 - 55** - तक,उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - स्कन्द षष्ठी व्रत

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कन्या	में	कन्या...	04-18	बजे
चंद्र-	वृष	में	तुला-	06-23	बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	08-34	बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	10-47	बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	12-53	बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	14-44	बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	16-22	बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	17-58	बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	19-42	बजे
			मिथुन.	21-43	बजे
			कर्क...	23-55	बजे
			सिंह...	02-08	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल **09:06** से **10:34** तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र **Hyd,Sec**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:12 - 07:38	अशुभ	लाभ	17:53 - 19:25	शुभ
शुभ	07:38 - 09:06	शुभ	उत्पात	19:25 - 20:58	अशुभ
रोग	09:06 - 10:34	अशुभ	शुभ	20:58 - 22:30	शुभ
उत्पात	10:34 - 12:02	अशुभ	अमृत	22:30 - 00:02	शुभ
चंचल	12:02 - 13:30	शुभ	चंचल	00:02 - 01:34	शुभ
लाभ	13:30 - 14:58	शुभ	रोग	01:34 - 03:06	अशुभ
अमृत	14:58 - 16:25	शुभ	काल	03:06 - 04:38	अशुभ
काल	16:25 - 17:51	अशुभ	लाभ	04:38 - 06:12	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं ।प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है ।आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा ।आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आज आपको ईमानदारी से काम लेना है।आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो। आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आप आज रियल एस्टेट से जुड़ा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं ।सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा ।आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें ।आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है ।बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें ।वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं।आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें ।आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है ।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा। आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा ।आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे। बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें ।आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग हैं तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें ।आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए ।यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें ।आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे ।आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता ।आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें। अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें। दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं ।आप काफी उर्जान्वित महसूस हो रहे हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

'वे हिंदुओं को हटाना चाहते हैं'

भाजपा ने बंगाल हिंसा पर तृणमूल पर किया हमला

कोलकाता, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। मोमिनापुर हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कोलकाता के कुछ क्षेत्रों से हिंदुओं को हटाना चाहती है। अधिकारी ने कहा कि टीएमसी मोमिनपुर, इकबालपुर और खिदिरपुर से हिंदुओं को हटाना चाहती है। यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की वोट बैंक की राजनीति है। एएनआई से सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हिंदू वोट बैंक भाजपा की ओर जा रहे हैं और सीएम ममता सांप्रदायिक प्रचार कर और अल्पसंख्यकों को धमका कर उनका वोट ले रही हैं।

इससे पहले, अधिकारी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राज्यपाल ला गणेशन को पत्र लिखकर क्षेत्र में केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की मांग की थी। पत्र में विपक्ष के नेता ने

कहा कि लक्ष्मी पूजा की पूर्व संध्या पर कोलकाता के खिदिरपुर मोमिनपुर इलाके में हिंदू समुदाय पर हमले हुए हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा में गुंडों और असामाजिक तत्वों ने हिंदुओं कई दुकानों और बाइकों में तोड़फोड़ की।

अधिकारी ने लिखा कि जून में हावड़ा जिले के उलुबेरिया इलाके में हुई हिंसा और इस हमले में समानता है। उस समय हिंसा पूरे बंगाल में फैल गई थी। खासकर नादिया और मुर्शिदाबाद जिलों में। इस बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल पुलिस को मोमिनपुर घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का निर्देश दिया। जांच के बाद, एआईटी को अदालत में अपनी रिपोर्ट जमा करनी होगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी कोलकाता पुलिस आयुक्त को कदम उठाने का निर्देश दिया ताकि आगे कोई हिंसा न हो। रविवार को मिलाद-उन-नबी उत्सव के लिए क्षेत्र में लगाए गए धार्मिक झंडे के कथित रूप से फटने के बाद मोमिनपुर नें तनाव बढ़ गया और जल्द ही कई वाहनों व दुकानों में तोड़फोड़ के साथ हिंसक हो गया। रिपोर्टों में कहा गया कि बाद में रात के समय लोगों के एक समूह ने हिंसा के विरोध में इकबालपुर पुलिस स्टेशन को घेर लिया और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की। घेराव में कुछ पुलिस वाले भी जख्मी हुए। इसके बाद से इस इलाके में दो दिनों के लिए धारा 144 लागू कर दी थी।

चुनाव से पहले फिर आ रहा राम रहीम

डेरा मुखी की 40 दिन की पैरोल मंजूर यूपी के बागपत आश्रम में रहेगा

हिसार, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। हरियाणा में आदमपुर विधानसभा उपचुनाव और पंचायत चुनाव से पहले डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम जेल से बाहर आएगा। राम रहीम की 40 दिन की पैरोल मंजूर हो गई है। पैरोल के दौरान वह यूपी के बागपत आश्रम में रहेगा। इसके अलावा राजस्थान के आश्रम का भी विकल्प खुला है। हालांकि राम रहीम सिरसा आश्रम आना चाहता था लेकिन सरकार इसके लिए राजी नहीं हुई।

इससे पहले राम रहीम को फरवरी 2022 और जून 2022 में पैरोल मिली थी। अब तक राम रहीम को 51 दिन की छुट्टी मिल चुकी है। पहले वह गुरुग्राम के आश्रम में रहा। इसके बाद वह यूपी के बागपत में 30 दिन रहा। इस दौरान उसने अपने सत्संग के वीडियो भी जारी किए थे।

हरियाणा चुनाव को लेकर पॉलिटिकल विंग हुई एक्टिव

हरियाणा में आदमपुर चुनाव होने वाले हैं। इसके लिए नामांकन शुरू हो चुका है। सिरसा आदमपुर के करीब ही है। जहां राम रहीम के खासे श्रद्धालु रहते हैं। पंचायत चुनाव के लिए भी घोषणा हो चुकी है। पहले चरण में 9 जिलों में पंचायत चुनाव कराए जा रहे हैं। राम रहीम के बाहर आने को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। राम रहीम की पैरोल की अवधि के दौरान ही डेरे की पॉलिटिकल विंग समर्थन की रणनीति बनाएगी। जिसके बारे में आगे श्रद्धालुओं को सूचित किया जाएगा।

पंजाब चुनाव से पहले 21 दिन की मिली थी फरलो

डेरा प्रमुख पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भी जेल से बाहर आया था। उस वक्त डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 21 दिन की फरलो दी गई थी। यह फरलो इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि डेरा सच्चा सौदा का मालवा की 35 से ज्यादा सीटों पर सीधा प्रभाव है। इसको लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा पर निशाने भी साधे थे।

सुनारिया जेल में बंद है राम रहीम

2017 से साधवी यौन शोषण मामले में डेरा प्रमुख सजा काट रहा है। उसे पत्रकार छत्रपति और रणजीत हत्याकांड में भी उसे सजा हो चुकी है। राम रहीम को इसी साल पंजाब चुनाव से ठीक पहले 7 फरवरी को 21 दिन की फरलो मिली थी। इसी दौरान पूरी पटकथा लिखी गई थी। इसके बाद 27 जून को राम रहीम 30 दिन की पैरोल मिली थी और वह यूपी के बागपत आश्रम में रुका था।

शादी के लिए कनाडा छोड़कर भारत आई थी लड़की

अब पति मांग रहा तलाक; एससी ने किया इनकार

नई दिल्ली, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर पत्नी शादी को बरकरार रखना चाहती है तो वह पति की याचिका पर विवाह को रद्द करने के लिए अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा। पीठ ने कहा, भारत में शादी कोई आकस्मिक घटना नहीं है। हम आज शादी और कल तलाक जैसे पश्चिमी परिपाटी तक नहीं पहुंचे हैं। आप दोनों शिक्षित हैं। आपक इस पश्चिमी दर्शन को अपना सकते हैं। लेकिन अगर एक पक्ष शादी को बरकरार रखने के लिए तैयार है तो विवाह को रद्द करने यानी तलाक देने के लिए 142 का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। पति की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने शादी को रद्द करने से इनकार कर दिया। जस्टिस संजय के कौल और अभय एस ओका की बेंच ने कहा कि शादी सिर्फ 40 दिनों तक चली है। युवा जोड़े को अपने मतभेदों को दूर करने का गंभीर प्रयास करना चाहिए। पति संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा था और एक एनजीओ चलाता था। वहीं, पत्नी कनाडा की स्थायी निवासी है।

पति ने बार-बार पीठ से शादी को रद्द करने की गुहार लगाई। पत्नी ने कहा कि उसने फेसबुक पर दोस्ती और दोनों परिवारों की बातचीत के बाद शादी करने के लिए कनाडा से सब कुछ छोड़कर आ गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अनुच्छेद 142 के तहत शक्तियों का उपयोग केवल तभी किया जा सकता है जब दोनों पक्ष शादी को बरकरार नहीं रखना चाहते हैं। दोनों पक्षों को अदालत के समक्ष इस बात के लिए सहमत होना पड़ता है कि उनका विवाह टूट गया है और वे साथ नहीं रहना चाहते हैं। पति ने कहा कि पिछले 18 महीने से पत्नी के साथ उसके रिश्ते अच्छे नहीं हैं। किसी भी पक्ष की ओर से शादी को बचाने के लिए कुछ भी रचनात्मक नहीं किया गया है। पीठ ने महिला के पति को याद दिलाया कि महिला कनाडा से अपनी नौकरी छोड़कर उससे शादी करने के लिए आई थी।

न्यायमूर्ति कौल ने कहा, यह एक आवेश में लिया गया निर्णय प्रतीत होता है। शादी के सिर्फ 40 दिन एक-दूसरे को समझने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। एक सफल शादी के लिए प्रत्येक को समायोजन करना होगा। पीठ ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस जे वजीफदार को मध्यस्थ नियुक्त किया और उन्हें मैरिज काउंसलर की सहायता लेने की स्वतंत्रता दी। इसने मध्यस्थ से तीन महीने में रिपोर्ट मांगी है।

भूत-प्रेत के चक्कर में बाप ने बेटी को 7 दिन तक रखा भूखा-प्यासा, हुई मौत

अहमदाबाद, 14 अक्टूवर (एजेंसियां)। गुजरात में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है। यहां एक पिता का क्रूर चेहरा सामने आया है। घटना गिर सोमनाथ जिले की है। यहां 14 वर्ष की एक लड़की को उसके पिता और चाचा ने भूखा रखा और प्रताड़ित किया क्योंकि उन्हें लग रहा था कि उस पर 'बुरी शक्ति का साया' है, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

एसपी ने घटना की दी जानकारी

जिला पुलिस अधीक्षक मनोहरसिंह जडेजा ने मीडिया को बताया कि दिल दहला देने वाली यह घटना तलाला तालुक के धावा गांव में हुई। अधिकारी ने बताया कि लड़की की पहचान धैर्या अकबरी के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि उसे उसके पिता भावेश अकबरी के खेत में एक से सात अक्टूबर तक रखा गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया, ''भावेश अकबरी और उसके बड़े भाई दिलीप ने लड़की को प्रताड़ित किया क्योंकि उन्हें लगता था कि उस पर किसी बुरी शक्ति का साया है। उसे 7 दिन तक खाना नहीं दिया गया।''

तीन महीने पहले सूरत से गांव आई थी लड़की

बता दें कि सूरत के रहने वाले अकबरी ने धैर्या को तीन महीने पहले धावा गांव भेजा क्योंकि उसे लगा था कि लड़की पर किसी 'दुष्टात्मा' का साया है जिससे उसका व्यवहार बदल गया है। पुलिस में दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि एक अक्टूबर को उसे खेत में ले जाया गया, जहां उसे प्रताड़ित किया गया, भूखा रखा गया और काला जादू का उपाय किया गया। इसमें कहा गया है कि 7 अक्टूबर को लड़की की मौत हो गयी। अकबरी और उसके भाई ने इसके बाद लड़की का अंतिम संस्कार कर दिया।

मामा ने पुलिस से की थी गुम होने की शिकायत

लड़की के मामा ने पुलिस से संपर्क कर उसके लापता होने की सूचना दी जिसके बाद इस अपराध का पता लगा। अधिकारी ने बताया कि दोनों भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 15 अक्टूबर, 2022

डॉ. अब्दुल कलाम की सादगी और उनके आदर्श

योगेश कुमार गोयल

देश के महान वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) सच्चे अर्थों में ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। छात्रों और युवा पीढ़ी को दिए गए उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी देश की आने वाली कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइल मैन डॉ. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल थी। डॉ. कलाम देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डा. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे डॉ. कलाम छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अक्सर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किए गए महान कार्यों को देखते हुए ही सन् 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डॉ. कलाम के जन्मदिवस 15 अक्तूबर को ही प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। समय-समय पर युवाओं को दिए गए उनके प्रेरक संदेशों की बात करें तो वे कहा करते थे कि अगर आप सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो। वे कहते थे कि अगर आप फेल होते हैं तो निराश मत होइए, क्योंकि फेल होने का अर्थ है 'फर्स्ट अटैम्प्ट इन लर्निंग' और अगर आपमें सफल होने का मजबूत संकल्प है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है। डॉ. कलाम कहते थे कि आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते लेकिन अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी। वे हमेशा कहा करते थे कि महान सपने देखने वाले महान लोगों के सपने हमेशा पूरे होते हैं। उनका कहना था कि इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए कठिनाइयां बहुत जरूरी हैं। सपने देखना जरूरी है लेकिन केवल सपने देखकर ही उसे हासिल नहीं किया जा सकता बल्कि सबसे जरूरी है कि जिंदगी में स्वयं के लिए कोई लक्ष्य तय करें। कलाम साहब कहते थे कि इस देश के सबसे तेज दिमाग

स्कूलों की आखिरी बेंचों पर मिलते हैं। हम सबके पास एक जैसी प्रतिभा नहीं है लेकिन अपनी प्रतिभाओं को विकसित करने के अवसर सभी के पास समान हैं। सादगी की प्रतिमूर्ति डॉ. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं। डॉ. कलाम राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी आम लोगों से मिलते रहे। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डॉ. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा। जिस समय डॉ. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डॉ. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई। उनके मन में दूसरे जीवों के प्रति भी किस कदर करुणा और दयाभाव विद्यमान था, इसका अंदाजा इस घटनाक्रम से सहज ही लग जाता है। जब 1982 में वे डीआरडीओ के चेयरमैन बने तो उनकी सुरक्षा के लिए डीआरडीओ की सेफ्टी वाल्स पर कांच के टुकड़े लगाने का प्रस्ताव लाया गया लेकिन कलाम साहब ने यह कहते हुए उसके लिए साफ इनकार कर दिया था कि दीवारों पर कांच के टुकड़े लगाने से पक्षी नहीं बैठ पाएंगे और ऐसा करने की प्रक्रिया में पक्षी घायल भी हो सकते हैं। इस कारण उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कलाम अपने बचपन के दोस्तों को नहीं भूलते थे। 2002 में राष्ट्रपति बनने के बाद जब एक बार वे तिरुअनंतपुरम के राजभवन में मेहमान थे, तब उन्होंने अपने स्टाफ को वहां के एक मोची और ढाबे वाले को खाने पर बुलाने का निर्देश दिया। सभी उनके इस निर्देश को सुनकर हैरान थे। बाद में पता चला कि ये दोनों कलाम साहब के बचपन के दोस्त। दरअसल कलाम साहब ने अपने जीवन का बहुत लंबा समय केरल में ही बिताया था और उसी दौरान उनके घर के पास रहने वाले उस मोची तथा ढाबे वाले से उनकी दोस्ती हो गई थी। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे तिरुअनंतपुरम पहुंचे, तब भी वे अपने इन दोस्तों को नहीं भूले और उन्हें राजभवन बुलाकर उन्हीं के साथ खाना खाकर उन्हें इतना मान-सम्मान दिया। डॉ. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजन पाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डॉ. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, 'फनी गाय हाउ आर यू', जिस पर सृजन पाल ने जवाब दिया 'सर ऑल इज वेल'। उसके बाद डॉ. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले 'आज हम कुछ नया सीखेंगे' और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े। पूरे सभागार में सन्नाटा पसर गया और इस प्रकार इस महान विभूति ने दुनिया से सदा के लिए विदा ले ली।

खुदरा महंगाई दर फिर बढ़ी

देश में खुदरा महंगाई दर सितंबर में लगातार दूसरे महीने बढ़कर 7.41 फीसदी पर पहुंच गई, जो पिछले पांच महीने में सबसे ज्यादा है। ऊपर से औद्योगिक उत्पादन में 0.8 फीसद का संकुचन दर्ज हुआ। ये दोनों आंकड़े अगस्त महीने के हैं। महंगाई पर पिछली तीन तिमाहियों से काबू पाना लगातार कठिन बना हुआ है। रिजर्व बैंक की महंगाई को घटा कर छह फीसद तक लाने का लाख प्रयास कर रही है लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिल पा रही है। इससे रिजर्व बैंक की परेशानी और बढ़ने वाली है। पिछले महीने खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी की बड़ी वजह खाने की कीमतों में आई तेजी है, जो 22 महीने के शिखर पर जा पहुंची। देश के कई हिस्सों में बारिश की वजह से सप्लाई में बाधा आई तो अनाज और सब्जियों के दाम में तेजी आ गई। हालांकि यह अस्थायी दिक्कत है। लेकिन चिंता की बात है कि खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.6 फीसद पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों के रोजमर्रा की जिंदगी पर बुरा असर पड़ रहा है। पिछले दिनों रिजर्व बैंक ने दावा किया कि अगले दो सालों में महंगाई की दर चार फीसद पर स्थिर रहेगी, मगर उसका यह दावा धूमिल ही नजर आ रहा है। महंगाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन समेत तमाम रेटिंग एजेंसियां अपना अनुमान बदल चुकी हैं। विश्व व्यापार संगठन का कहना है कि पूरी दुनिया महंगाई की मार अगले दो सालों तक झेलेगी। मंदी का दौर तो अगले चार सालों तक चलेगा। सबसे अधिक चिंता का विषय है कि औद्योगिक उत्पादन नहीं बढ़ रहा है। जीडीपी में सबसे अधिक महत्व औद्योगिक क्षेत्र के योगदान का माना जाता है, जब वही शिथिल पड़ चुका है तो पूरी अर्थव्यवस्था की हालत खस्ता ही मानी जाएगी। पिछले दिनों वित्तमंत्री ने उद्योग क्षेत्र में निवेश न बढ़ाने को लेकर चिंता जताते हुए एलान किया था कि उद्योग जगत अपनी समस्याएं बताए, सरकार सहूलियतें देने का प्रयास करेगी। यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि पहले ही उद्योग जगत को काफी रियायतें दी जा चुकी हैं, कोरोनाकाल के बाद राहत पैकेज की घोषणा भी की गई थी, मगर उद्योग जगत गति पकड़ने से पहले ही हांफने लगता है। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगर चालू महीने में औद्योगिक उत्पादन की दर पांच फीसद तक नहीं पहुंची तो जीडीपी पर बुरा असर पड़ेगा। सितंबर और अक्टूबर महीने त्योहारों के हैं, जिनमें बाजार में ग्राहकी रहती है, इसलिए अनुमान है कि उद्योग जगत को कुछ बल मिलेगा। फिर भी बुनियादी कमजोरियों को दूर करने की जरूरत बनी रहेगी। औद्योगिक उत्पादन गिरने का सीधा कारण है कि बाजार में खरीदार कम हैं। खुदरा महंगाई की दर रोकने के लिए रिजर्व बैंक रेपो दरों में लगातार बढ़ोतरी कर रहा है। फिर इसमें पैंतीस आधार अंक तक बढ़ोतरी के अनुमान लगाए जा रहे हैं। जाहिर है इससे औद्योगिक उत्पादन पर असर पड़ेगा। फिर निर्यात की दर भी तेजी से नीचे जा रही है। जब पूरी दुनिया में मंदी का दौर है, तो भारतीय वस्तुओं की खपत भी बाहरी बाजारों में घटी है। सबसे बड़ी दिक्कत लोगों का रोजगार खत्म हो जाना, कमाई घटना भी है। बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां जाने की वजह से क्रयशक्ति भी कमजोर हुई है। इसलिए लोग बड़े खर्चे से हाथ खींच रहे हैं। जब तक बाजार में मांग नहीं बढ़ेगी तब तक औद्योगिक उत्पादन की बेहतर आस निरर्थक ही मानी जाएगी। इस बार असमान बरसात की वजह से कृषि उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ने का अनुमान है। ऐसे में खाने-पीने की चीजों की कीमतों में संतुलन बना पाना भी चुनौतीपूर्ण होगा।

लालू-नीतीश पाटेंगे चाचा-भतीजे के बीच की दूरी

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी के भीष्म पितामह मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद उनके शुभचिंतकों को समाजवादी पार्टी के अस्तित्व को लेकर चिंता सताने लगी है। कहीं पार्टी में स्थितियां बेहद खराब ना हो जाए इसको लेकर सबसे ज्यादा परेशान मुलायम सिंह यादव के समधी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव नजर आ रहे हैं। उनको समाजवादी पार्टी की असलियत पता है। वह जानते हैं कि अखिलेश के लिए तब तक राह आसान नहीं जब तक उन पर सिर पर किसी अनुभवी व्यक्ति का हाथ नहीं होगा। कहने को तो अखिलेश के साथ उनके चाचा प्रोफेसर रामगोपाल यादव खड़े हुए हैं लेकिन राजनीति के जानकार कहते हैं प्रोफेसर साहब के पास ऐसी राजनैतिक काबिलियत नहीं है जिसके बल पर कार्यकर्ताओं और संगठन को मजबूती प्रदान कर सकें। अनुभव के मामले में मुलायम सिंह के कुनबे में शिवपाल यादव की बराबरी कोई नहीं कर सकता है। शिवपाल ने कई चुनाव समाजवादी पार्टी को जिताए हैं। नेताजी की मृत्यु के बाद अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव के बीच कैसे संबंध रहेंगे। इस बात को लेकर राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा है। दोनों अगर एक नहीं हुए तो संभावना इस बात की भी है मुलायम की राजनीतिक विरासत को लेकर चाचा भतीजे के बीच तलवारें खिंच जाएं। बहरहाल, इस चर्चा ने तब और जोर पकड़ा जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'नेताजी' को श्रद्धांजलि देने सैफई पहुंचे। यहां उन्होंने अखिलेश यादव और महागठबंधन से जुड़ी बात पर अपनी राय रखी। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या अब नीतीश कुमार महागठबंधन को यूपी में ताकतवर बनाने के लिए अखिलेश और उनके चाचा यादव एक मंच पर ला पाएंगे? अगर वे और लालू यादव कोशिश करेंगे तो क्या दोनों चाचा भतीजे अपने अहम को पीछे छोड़कर साथ आ सकेंगे? 'चाचा भतीजे के अलग राह पकड़ने से दोनों को ही नुकसान हुआ है। हालात ऐसे बंद रहे है कि साथ आने में ही दोनों की भलाई है। भागलपुर से नीतीश कुमार और लालू यादव करेंगे तो इसमें सफलता भी मिल सकती है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब सैफई पहुंचे तो उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से अलग से मुलाकात की और वे काफी देर तक सपा प्रमुख के साथ बातचीत करते हुए भी नजर आए। इसके बाद बिहार के सीएम जब बाहर निकले तो उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव को एक साथ लाने पर सवाल किया गया। तब मुख्यमंत्री ने कहा, ?ये बिलकुल अगल और डिफरेंट चीज है। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें हमें प्रमोट करने की जरूरत है।? दरअसल, नीतीश कुमार का ये बयान ऐसे वक्त में आया है, जब माना जा रहा है कि अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव की राहें अलग-अलग हो चुकी है। दरअसल, बिहार के सीएम नीतीश कुमार पिछले दिनों बीजेपी से अलग होकर आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बना चुके हैं। वे अब पूरी तरह इस बात पर फोकस कर रहे हैं कि महागठबंधन एकजुट हो और मजबूती के साथ बीजेपी का सामना करे। ऐसे में यूपी सबसे अहम हो जाता है, जहां सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें हैं। अब यहां समाजवादी पार्टी को एकजुट करना नीतीश के लिए सबसे बड़ी परीक्षा हो सकती है। वे समाजवादी पार्टी को एकजुट करके चुनाव में कलेक्टिवली बीजेपी को टक्कर देना चाहते हैं। ऐसे में चाचा शिवपाल यादव जो अखिलेश से अलग होकर अपनी खुद की पार्टी 'प्रसपा' बना चुके हैं। उन्हें और अखिलेश को चुनाव में एकसाथ आने के लिए नीतीश कुमार कोशिश कर सकते हैं। भले ही शिवपाल अपने भतीजे के खिलाफ कितना भी विरोध में बोलते हों। अपनी अलग पार्टी भी बना ली, लेकिन जिस तरह से पिछले यूपी विधानसभा में दोनों साथ आए, उसके बाद इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि वे फिर लोकसभा में एक बैनर के तले आ जाएं। नेताजी के ना रहने के बाद उनके परिवार के सदस्यों को याद दिलाया जा रहा है मुलायम ने अपने जीते जी यादव कुनबे में कभी भी 'मनभेद' नहीं होने दिया। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भले ही मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव सपा छोड़कर बीजेपी में चली गई हों। लेकिन उन्होंने 'नेताजी' के पांव छूकर पहले आशीर्वाद लिया था। वहीं अखिलेश यादव ने भी अपर्णा यादव के बीजेपी में जाने पर कोई कटाक्ष की बात नहीं कही। अखिलेश यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव ने भी भले ही एकदूसरे पर राजनीतिक हमला बोला हो, लेकिन हमेशा इतनी गुंजाइश रखी कि कभी भी दोनों फिर एकसाथ चुनाव लड़ सकते हैं। यह पीछे यूपी विधानसभा चुनाव में सभी ने देखा। मुलायम सिंह यादव के निधन पर भी दोनों ही नेता साथ दिखे हैं। अखिलेश से अलग यदि बात चाचा शिवपाल सिंह की की जाए तो उन्हें ये मालूम है कि वे कभी भी अकेले दम पर चुनाव जीतकर सत्ता नहीं पा सकते हैं। भले ही अपना अहम संतुष्ट करने के लिए अपने 'अहम'के कारण उन्होंने अलग राजनीतिक पार्टी बना ली। ये सच है कि मुलायम सिंह के कहने पर वे साथ में चुनाव लड़े। लेकिन अब 'नेताजी' नहीं है ऐसे में सक्रिय राजनीति में होने के चलते वे खुद अब नहीं चाहेंगे कि अपने विरोधी से इतना दूर चले जाएं कि वे कभी सपा के साथ ही न आ पाए। वहीं अखिलेश भी नहीं चाहेंगे कि पिताजी के जाने के बाद अब चाचा के खिलाफ ज्यादा राजनीतिक निशाने साधें। क्योंकि पिता मुलायम सिंह का साया अखिलेश के ऊपर से उठ गया है। यदि महागठबंधन की बात आती है तो 'चाचा भतीजा' साथ आकर चुनाव लड़ लें तो कोई बड़ा आश्चर्य नहीं होगा। लालू यादव इस समय इलाज के लिए विदेश गए हुए हैं। विदेश से लौट के आने के बाद वह भी इस कोशिश में लग सकते हैं कि चाचा भतीजे एक हो जाए। दिल्ली की सत्ता से मोदी को उखाड़ फेंकने के लिए चाचा भतीजे का साथ आना बहुत जरूरी माना जा रहा है।

भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत

सलिल सरोज

संगीत, नृत्य और नाटक की भारतीय परंपरा हमारी सभ्यता के मूल में है। किसी भी सभ्यता का सार और गुणवत्ता उसके लोगों के सांस्कृतिक और कलात्मक हितों से आंकी जाती है। भारतीय सभ्यता अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और ललित कलाओं में समृद्ध परंपरा के साथ सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त है। हमें, इस परंपरा के उत्तराधिकारी के रूप में, न केवल इस पर गर्व करना चाहिए, बल्कि इसे संरक्षित करने और इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमारे देश में एक समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत है, जो हमारी सभ्यता की आंतरिक शक्ति और लचीलापन का संकेत है। भारत में शायद ही कोई क्षेत्र या घाटी या पहाड़ या समुद्र-तट या मैदान हो जो हमारे विशिष्ट लोक नृत्यों और संगीत की ध्वनि से नहीं सन्निहित हो। इन नृत्यों के विषय सरल हैं और हमारे आम लोगों के जीवन में निहित हैं। दूसरी ओर, हमारे शास्त्रीय नृत्यों का धर्म और आस्था से बहुत गहरा संबंध था। वे कई शताब्दियों के दौरान विकसित हुए हैं और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को निरंतरता दी है जिसने लगातार नई परिस्थितियों के अनुकूल होने और नए प्रभावों को आत्मसात करने में जीवंतता दिखाई है। हालांकि, हमने हमेशा अपने शास्त्रीय कला रूपों को लोगों के करीब लाने की आवश्यकता महसूस की है ताकि वे हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत की बेहतर समझ प्राप्त कर सकें। कहा जाता है कि संगीत आत्मा का पोषण है। यह मनुष्य पर सबसे सभ्य प्रभावों में से एक है। यह मनुष्य में दिव्यता को सामने लाता है और वास्तव में ईश्वर का मार्ग है। संगीत का भी एक एकीकृत प्रभाव होता है क्योंकि यह कोई सीमा नहीं जानता। मनुष्य की हर भावना संगीत में अभिव्यक्ति पाती है - चाहे वह आनंद हो, दुःख हो या वीरता। हालाँकि, संगीत का एक व्यावहारिक पक्ष भी है। और इस संदर्भ में हमारे दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने एक बार क्या कहा था: संगीत का असली उद्देश्य न केवल इंद्रियों को सुख देना, या मन को निर्देश देना है, बल्कि अपने पूरे अस्तित्व को परिवर्तित करना और इसे इस दुनिया के आकर्षण और मोह से ऊपर दुख से ऊपर उठाना है। संगीत की दुनिया में, आप सुंदरता के मंदिर निर्माण करते हैं और जब आप उसकी पूजा करते हैं, तो आप व्यावहारिक कार्य करने के लिए बेहतर प्रेरित होकर वापस आ जाते हैं। यही संगीत का असली उद्देश्य है। भारतीय संगीत काफी समृद्ध और विविध है और इसका विकास और विकास का अटूट इतिहास रहा है। हमारा संगीत विभिन्न आंतरिक और बाहरी प्रभावों के अधीन रहा है और इसके परिणामस्वरूप, युगों में कई बदलाव हुए हैं। प्राचीन भारत में, संगीत जीवन के भक्ति और कर्मकांड के साथ अटूट रूप से जुड़ा हुआ था और इसलिए, मंदिर के साथ घनिष्ठ संबंध था। इसकी भक्ति और भावनात्मक अपील के कारण ही आम लोग संगीत को महत्व देते थे। हमारे संतों और संतों के संगीत ने हमें समाज में संतुलन और व्यक्ति में धार्मिकता को बनाए रखने में भी मदद की है। संगीत भी भक्ति का सबसे बड़ा वाहन रहा है और ऋषि-मुनि संगीत के माध्यम से देवत्व तक पहुंचे हैं। ललित कलाओं को बढ़ावा देने वाला समाज आधार या अश्लील नहीं हो सकता। ललित कलाओं को बढ़ावा देकर ही हम वास्तविक जीवन को समृद्ध बना सकते हैं; कला के सच्चे प्रतिपादक के साथ कुछ भी संकीर्ण या स्वार्थी नहीं हो सकता। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ललित कलाओं की प्रशंसा और आनंद से अलग होने पर जीवन बेदाग और सभी सुंदरता, आकर्षण और अनुग्रह से रहित हो जाएगा। कला को केवल मनोरंजन नहीं करना चाहिए, बल्कि लोगों को सूचित करना, शिक्षित करना और प्रेरित करना चाहिए। कलाकारों का यह कर्तव्य है कि वे लोगों को एक साथ लाएं और उनके जीवन को उच्च सामाजिक उद्देश्यों से भरें। भारतीय कला और संस्कृति न केवल अपनी समृद्धि और विविधता के कारण, बल्कि अन्य संस्कृतियों के साथ इसके संपर्क के कारण भी फली-फूली और फली-फूली है। विभिन्न संस्कृतियों के बीच, स्थानीय और सार्वभौमिक के बीच और अतीत और वर्तमान के बीच एक संश्लेषण रहा है।

नए जमाने के नए वचन

रेखा शाह

सामने शादी के मंडप में चल रही शादी की रस्मों से मेरा उतना ही लेना देना था। जितना दूल्हे के दोस्तों का शादी की रस्म रिवाज से होता है या अनचाही फिल्म देखने को मजबूर एक दर्शक की मनस्थिति होती है जो बस देख रहा है लेकिन उससे कुछ लेना देना नहीं है। लेकिन हां किसी के पूछने पर यही बताता है कि वह फिल्म को इंजॉय कर रहा है सो मैं भी यही बता रहा हूं कि मैं शादी के हर रस्म को इंजॉय कर रहा हूं। पर सच पूछिए तो मेरे शरीर का हर तंत्र खाने के रह रह कर उड़कर आ रहे खुशबू की तरफ लगा हुआ है।अब तक खाने के स्टालों के तरफ दसियो चक्कर जाकर लगा आया हूं। बाद में जाकर कुछ मिले और कुछ खत्म हो जाए उस सिचुएशन का सामना नहीं करना चाहता .. आखिर लिफाफा भी वजनदार दिया है हम भारतीयों की मेंटालिटी होती है हर चीज को पाई पाई वसूल करना.. । मेरा फर्ज है कि मैं शिष्टाचार दिखाऊं। पर मैं भी क्या करूं आजकल लोग खाने के स्टालों पर शादी ब्याह में ऐसे टूटते हैं कि जैसे भीख बाटने किसी मोटे सेठ असामी को देखते ही भिखमंगे दौड़ते हैं। वही आजकल शादी ब्याह में लोगों का भी हाल रहता है ठेला- ठेली ,धक्कम -धक्की इस धक्का-मुक्की में खाना मुंह में कम और कपड़े ज्यादा खाते हैं ।पहले का सिस्टम ठीक था पातपंगत में बिठाकर राजा महाराजा के जैसे पूछ पूछ कर जिमाया जाता था। पर अब तो भिखारियों की हालत है। बर्तन लेकर दौड़ो और टूट पड़ो। हां तो बता रहा था.. सामने शादी चल रही है.. वह क्या है खाने पीने की बात आने पर बहुत कुछ भूल जाते हैं। सामने चल रही शादी में वर वधु को सातों वचन दिलाए जा रहे थे.. वैसे आजकल के जमाने में सात वचन में से दो चार वचन भी निभाया जाए तो दांपत्य सुखी नहीं अत्यंत सुखी रहता है..। और तभी पंडित जी ने सात वचन दिलाने के बाद स्पष्ट शब्दों में घोषणा किए -?जजमान नए जमाने की शादी और नए जमाने को देखते हुए शादी के वचनों में दो वचनों की और एंट्री हुई है .. आठवां वचन है आप दोनों एक दूसरे को वचन दें कि सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर एक दूसरे की पोस्ट का सम्मान करेंगे और एक दूसरे को कभी ब्लॉक नहीं करेंगे.. अंतिम और नौवा वचन है आप दोनों एक दूसरे को सारे सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड शेयर करें तभी शादी संपूर्ण मानी जाएगी यह वचन अत्यंत ही महत्वपूर्ण है.. और शादीशुदा दांपत्य जीवन निर्बाध रूप से बिना कष्ट -भव -बाधा के चलती रहे इसके लिए इसके लिए अत्यंत ही आवश्यक है। पंडित जी के वचन सुनकर दोनों दूल्हा-दुल्हन परेशान.. आखिर भरे मंडप में ईंकार भी करें तो कैसे करें दूल्हा दुल्हन दोनों ने मरे -मराऐ मन से एक दूसरे को वचन दिया तथा पासवर्ड शेयर कर दिया.. लेकिन उनके हाव भाव देखकर.. उनकी बेबसी का साफ साफ अंदाजा लगाया जा सकता था। और इधर मैं ऊपर वाले का शुक्रिया अदा कर रहा था अच्छा हुआ आज के जमाने में मैंने शादी नहीं की एक शादी के लिए इतना बड़ा त्याग कौन करने जाए.. बीवी को पासवर्ड देना मतलब आ बैल मुझे मार. या अपना सिर खुद ओखली में मुसलो के नीचे लाना। चलो भाई मैं तो बच गया।

म.प्र. ने जलाई हिंदी की मशाल

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु के क्रमशः मुख्यमंत्री, मंत्री और नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की है कि उनके प्रदेशों पर हिंदी न थोपी जाए। ऐसा उन्होंने इसलिए किया है कि संसद की राजभाषा समिति ने केंद्र सरकार की भर्ती-परीक्षाओं में हिंदी अनिवार्य करने और आईआईटी तथा आईआईएम शिक्षा संस्थाओं में भी हिंदी की पढ़ाई को अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। एक तरफ दक्षिण भारत से हिंदी विरोध की यह आवाज उठ रही है और दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने भारत के भाषाई अंधकार में हिंदी की मशाल जला दी है। उन्होंने एक गजब का ऐतिहासिक कार्य करके दिखा दिया है। उन्होंने और उनके स्वास्थ्य शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के प्रयत्नों से एमबीबीएस के पहले वर्ष की किताबों के हिंदी संस्करण का भोपाल में 16 अक्तूबर को गृहमंत्री अमित शाह विमोचन करेंगे। गृहमंत्री के तौर पर राजभाषा को बढ़ाने के लिए अमित शाह के उत्साह को मैं तहे-दिल से दाद देता हूं। अब 56-57 साल पहले जब मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का पीएच.डी. थीसिस हिंदी में लिखने की मांग की थी तो देश में इतना हंगामा मचा था कि संसद की कार्रवाई कई बार भंग हो गई थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सहित सभी शीर्ष विरोधी नेताओं ने मेरा समर्थन किया और उच्च शोध के लिए हिंदी ही नहीं, समस्त भारतीय भाषाओं के द्वार खुल गए लेकिन आज तक भारत में मेडिकल, वैज्ञानिक और तकनीकी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी ही बना हुआ है। कोई सरकार इस गुलामी से भारत को मुक्त नहीं कर सकी। यह काम मेरे आग्रह पर शिवराज चौहान और विश्वास सारंग ने करके दिखा दिया। म.प्र. के उन मेरे मित्र डॉक्टर बंधुओं का भी हार्दिक अभिनंदन, जिन्होंने एमबीबीएस की हिंदी पुस्तकें तैयार करने में दिन-रात एक कर दिए। मुझे विश्वास है कि देश के अन्य प्रदेशों की सरकारें अपनी-अपनी भाषाओं में इन अछूते विषयों पर ग्रंथ प्रकाशित करने की प्रेरणा भोपाल से ग्रहण करेंगी। केंद्र सरकार के लिए यह एक चुनौती है। वह हिंदी तथा अन्य भाषाओं में ऐसे ग्रंथ प्रकाशित करने का व्रत क्यों नहीं ले लेती? म.प्र. की चौहान सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों, ग्रामीणों और पिछड़ों के बच्चों की प्रगति मार्ग खोल दिया है। जहां तक अ-हिंदीभाषी प्रांतों का प्रश्न है, उन पर हिंदी थोपने की कोई कोशिश नहीं होनी चाहिए।

कार्तिकेय स्वामी का महीना है कार्तिक

8 नवंबर तक रहेगा कार्तिक; गणेश जी, विष्णु-लक्ष्मी, धनवंतरि गोवर्धन पर्वत के साथ ही कार्तिकेय स्वामी की पूजा जरूर करें

हिन्दी पंचांग का आठवां महीना कार्तिक तीज-त्योहार के लिहाज से बहुत खास है। इस महीने में पुष्य नक्षत्र, धन तेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ पूजा, देवउठनी एकादशी जैसे बड़े तीज-त्योहार रहते हैं। ये माह 8 नवंबर तक रहेगा। कार्तिक मास में गणेश जी, विष्णु-लक्ष्मी, धनवंतरि, गोवर्धन पर्वत, छठ माता, सूर्य देव के साथ ही कार्तिकेय स्वामी की भी पूजा जरूर करनी चाहिए।

'कार्तिक मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। इन दिनों में नदी स्नान की परंपरा है। काफी लोग नदी में दीपदान भी करते हैं। कार्तिक महीने का नाम कार्तिकेय स्वामी के नाम पर पड़ा है।'

ऐसे पड़ा हिन्दी पंचांग के आठवें महीने का नाम कार्तिक

पौराणिक कथा के मुताबिक तारकासुर नाम का एक असुर था। उसने तपस्या से वरदान प्राप्त कर लिया था कि उसका वध शिव जी के पुत्र द्वारा ही होगा।

दरअसल उस समय देवी सती ने अपने पिता दक्ष के यहां हवन कुंड में कूदकर देह त्याग दी थी और शिव जी सती के वियोग में थे। तारकासुर ने इस बात का लाभ उठाकर ऐसा वर ब्रह्मा जी से मांगा था।

वर पाकर तारकासुर ने देवताओं को, ऋषि-मुनियों और सभी इंसानों को परेशान करना शुरू कर दिया था। उस समय भगवान विष्णु और अन्य देवताओं ने शिव जी से फिर से विवाह करने की प्रार्थना की थी।

उस दिनों ने देवी पार्वती शिव जी को पति रूप में पाने के लिए तप कर रही थीं। शिव जी देवी पार्वती के कठोर तप से प्रसन्न हुए और उनसे विवाह किया।

शिव-पार्वती के विवाह के बाद कार्तिकेय स्वामी का जन्म हुआ। बाद में कार्तिकेय स्वामी ने जन्म के कुछ समय बाद ही तारकासुर का वध कर दिया था। उस समय हिन्दी पंचांग का आठवां माह चल रहा था। तारकासुर का वध करने के बाद शिव-पार्वती कार्तिकेय स्वामी से बहुत प्रसन्न थे। शिव जी ने प्रसन्न होकर आठवें माह को कार्तिक नाम दिया था। कार्तिक माह में कार्तिकेय स्वामी की पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। माह में किए गए पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है।

कार्तिक माह में रोज करें ये शुभ काम

रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं।

घर के मंदिर में इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। जप करते हुए ध्यान करें।

कार्तिक मास में जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, कपड़े, ऊनी कपड़े का दान करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल करें। गायों के लिए धन का दान करें।

महाबली हनुमानजी के थे 5 भाई, क्या हैं उनके नाम

महावीर हनुमान अजर-अमर बताए गए हैं। पुराणों में उनके ब्रह्मचारी होने का उल्लेख है, वह अविवाहित हैं। क्या आप हनुमानजी के परिवार के बारे में जानते हैं? उनके कितने भाई हैं, उनके भाइयों के नाम क्या हैं।।आदि बातें। आप शायद नहीं जानते होंगे।

इसलिए आज यहां जानिए। वाल्मीकि रामायण में हनुमानजी जन्म के विषय में व उनके माता-पिता के बारे में पूरा उल्लेख है। वहीं हनुमानजी के भाइयों के बारे में 'ब्रह्मांडपुराण' में बताया गया है।

हनुमानजी के पिता केसरी सुमेरू पर्वत पर रहते थे। हनुमानजी की मां अंजना थीं, जिनके गर्भ से वह वायुदेवता की कृपा से पैदा हुए थे। श्रीरामानंद सागर कृत धारावाहिक 'रामायण' में भी आपने देखा होगा कि जब वानरराज सुग्रीव और श्रीराम की मित्रता होती है और उसके बाद समस्त वानरसेना रावण के खिलाफ लंका की ओर कूच करती है तो हनुमानजी के पिता केसरी कहते हैं कि मैं अपने सभी पुत्रों को भगवान श्रीराम की सेवा में लगाता हूं और स्वयं भी उपस्थित रहूंगा।

इससे तात्पर्य है कि हनुमानजी के अलावा उनके भाइयों ने भी लंका के युद्ध में भाग लिया था। हनुमानजी के भाई और उनके नाम ब्रह्मांडपुराण के अनुसार, हनुमान के 5 भाई थे, जिनके नाम हैं- मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान और धृतिमान।

हनुमानजी के ये पांचों भाई विवाहित थे और सभी संतान से युक्त थे। हनुमानजी इन सबमें बड़े थे। हनुमानजी को रुद्रावतार भी कहा जाता है, लोक-मान्यताएं हैं कि वह भगवान शिव

का ही एक रूप हैं। जब भगवान ब्रह्मा ने देवतागणों से कहा था, 'वे पृथ्वी पर ऐसी संतानें प्रकट करें, जो श्रीराम अवतार के लिए रावण से युद्ध करने में सहायक हों', जिसके उपरांत देवराज इंद्र के अंश से बालि, सूर्य के अंश से सुग्रीव और वायु के अंश से हनुमान जन्मे। 'ब्रह्मांडपुराण' में लिखा है कि वानराज केसरी ने कुंजर की पुत्री अंजना से विवाह किया था। उन्होंने ही हनुमान को जन्मा था।

सफलता ही नहीं असफलता भी देती है बड़ी सीख

धैर्य से मिलती है मनचाही सफलता

सफलता कभी भी एक दिन में हासिल नहीं की जा सकती। उसका रास्ता निश्चित तौर पर लंबा होता है, लेकिन एक धैर्यवान व्यक्ति पक्के इरादे के साथ एक न एक दिन सफलता के शिखर पर अवश्य पहुंचता है। इसलिए हमेशा याद रखें जीवन में कभी-कभी धैर्य का खोना ही आपकी असफलता का कारण बनता है।

कामयाबी के लिए जरूरी समय की पाबंदी

समय का पाबंद व्यक्ति दूसरों के मुकाबले जीवन में अधिक उन्नति करता है। समय मनुष्य के लिए सबसे कीमती चीज माना गया है

और इसका सदुपयोग करने वाल व्यक्ति समाज में हमेशा सफल और सम्मान पाने वाला होता है।

नाकामी में भी मिलता है जीवन का बड़ा अनुभव

कोई भी काम करने अक्सर दो ही परिणाम होते हैं – सफलता अथवा असफलता। यह कोई जरूरी नहीं है कि असफल व्यक्ति कुछ हासिल नहीं करता है, बल्कि सच तो यह है कि वो सबसे महत्वपूर्ण चीज को प्राप्त करता है, वो है जीवन से जुड़ा कीमती अनुभव, जो कभी भी किसी किताब से नहीं प्राप्त होता है।

असफलता से हासिल होता है ज्ञान

असफलता से प्राप्त ज्ञान की जगह कोई नहीं ले सकता। महान अमेरिकी आविष्कारक थॉमस एडीसन ने बल्ब अविष्कार के दौरान दस हजार से भी ज्यादा असफल प्रयासों का सामना किया। हर नाकामी में वो कुछ सीखते थे और आख़िर में सफल हो गए।

आत्म-विकास का अनूठा अवसर

असफलता आप को पल भर के लिए निराश तो कर सकती है, लेकिन साथ ही आप को अगले प्रयास के लिए ज्यादा बेहतर तरीके से तैयार करती है। जिससे आपके भीतर आत्मविश्वास और आत्म-विकास दोनो चीजें होती हैं।

सेहत के लिए खास कार्तिक मास

पूरे साल निरोगी रहने के लिए कार्तिक में तुलसी खाने की परंपरा, इसी महीने में प्रकट हुए थे धन्वंतरि

कार्तिक मास सेहत के लिए बहुत ही खास माना गया है। इस महीने में शरद ऋतु शुरू होती है। दो बदलते मौसम के बीच का समय होने से इन दिनों सेहत संबंधी परेशानी भी होने लगती है। इसलिए कार्तिक मास में पूरा डेली रूटीन बदलने की बात ग्रंथों में कही गई है। इनमें खाने-पीने और सोने से जुड़े जरूरी नियम कहे गए है। जिनको अपनाने से सेहत अच्छी रहती है और उम्र भी बढ़ती है।

कार्तिक में प्रकट हुए थे औषधियों के देवता

अश्विन महीने की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा पर देवताओं के वैद्य अश्विनी कुमारों और अमृत देने वाले चंद्रमा की पूजा होती है। ताकि कार्तिक महीने में सेहत संबंधी परेशानी न हो। इसके 12 दिन बाद औषधियों के जनक यानी धन्वंतरि की पूजा का दिन होता है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत का कलश और औषधियां लेकर प्रकट हुए थे। इनकी पूजा से आरोग्य और लंबी उम्र मिलती है।

आयुर्वेद के नजरिये से कार्तिक मास

बनारस के वैद्य डॉ. प्रशांत मिश्र कहते हैं कि कार्तिक महीने में सूर्योदय से पहले उठकर खाली पेट पानी के साथ तुलसी के कुछ पत्ते निगल लिए जाएं तो पूरे साल बीमारियों से बच सकते हैं। इन दिनों पित्त बहुत बढ़ता है। इसलिए कार्तिक महीने के दौरान बैंगन, मठ्ठा, करेला, फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए। इनके अलावा जमीकंद यानी मूली, गाजर, गराडू, शकरकंद और अन्य तरह के कंद मूल खाना सेहत के लिए अच्छा रहता है।

सेहत से जुड़ा धार्मिक महत्व

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी बताते हैं कि कार्तिक महीने में भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करने से बीमारियां दूर रहती हैं। उम्र भी बढ़ती है। इस पवित्र महीने में सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ या पवित्र नदियों के पानी में नहाना चाहिए।

ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से तीर्थ स्नान का पुण्य मिल जाता है। इस तरह नहाने से बीमारियां तो दूर होती हैं, जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप भी खत्म हो जाते हैं।

दिवाली की सफाई के दौरान घर से बाहर न करें ये चीजें

ज्योतिष न्यूज़ डेस्कः हिंदू धर्म में कई सारे पर्व त्योहारों को मनाया जाता है और सबका महत्व अलग अलग होता है इन्हीं पर्वों में दिवाली भी एक पर्व है जो इस धर्म का प्रमुख त्योहार माना जाता है इस साल दिवाली का त्योहार 24 अक्टूबर को देशभर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। ऐसे में दिवाली आने में अब कुछ ही दिन बचें हुए है और लोग दिवाली से पहले अपने घर की साफ सफाई करते हैं मान्यता है कि माता लक्ष्मी का वास उसी घर में होता है जहां पर साफ सफाई का ध्यान रखा जाता है ऐसे में अधिकतर लोग दिवाली से पहले घर की अच्छी तरह से सफाई

करते हैं और घर की बेकार चीजों को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। लेकिन कुछ ऐसी चीजें भी है जिन्हें खराब समझकर घर से बाहर नहीं करना चाहिए ऐसा करने से धन की देवी मां लक्ष्मी नाराज़ हो कर घर से चली जाती है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा उन्हीं चीजों के बारे में बता रहे हैं तो आइए जानते हैं।

दिवाली की सफाई में घर से बाहर न करें ये चीज़े–

दिवाली की साफ सफाई करते वक्त पुराने सिक्के अगर आपको मिल जाए तो इन्हें घर से बाहर नहीं करना चाहिए इनके घर में होने से माता लक्ष्मी का वास बना रहता है दिवाली पर देवी लक्ष्मी की पूजा में आप इन सिक्कों की भी पूजा कर सकते हैं ऐसे में इन्हें आप संभालकर जरूर रखें। वही सफाई के दौरान पूजा के सामान में पुराना शंख या कौड़ी मिल जाए तो इन्हें संभालकर किसी पवित्र स्थान पर रख देना चाहिए भूलकर भी इन्हें घर से बाहर न करें। ऐसा करने से घर की लक्ष्मी चली जाती है। मोर पंख को भी बहुत शुभ माना गया है ऐसे में सफाई के दौरान मोर पंख अगर मिल जाए तो इसे फेंकने की बजाय आप संभालकर रख दें। इससे घर में बरकत होती है। वही घर की पुरानी या बेकार झाड़ू को कभी भी गुरुवार या शुक्रवार के दिन घर से बाहर नहीं करना चाहिए इन दिनों को झाड़ू बाहर करना अच्छा नहीं माना जाता है। दिवाली की सफाई में अगर लाल वस्त्र आपको मिल जाए तो इसे भी बाहर नहीं करना चाहिए ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है बल्कि इस वस्त्र को आप घर में संभाल कर रख दें। यह धन वृद्धि कराता है।

ऋतिक रोशन अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद को प्यार से देखते आए नजर, तो यूजर्स ने उड़ाया दोनों का मजाक

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और सबा आजाद अपनी रिलेशनशिप की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। अब हाल ही में ऋतिक ने सोशल मीडिया पर सबा के साथ पहली फोटो शेयर की है। ये फोटो उनके लंदन वेकेशन की है। इसमें ऋतिक सेल्फी ले रहे हैं, वहीं सबा बेंच पर बैठी हुई नजर आ रही हैं।

ऋतिक ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'गर्ल ऑन ए बेंच। समर 2022, लंदन। वैन गॉग का शानदार एक्सपीरियंस।' इस कैप्शन के साथ उन्होंने हार्ट इमोजी भी बनाया है। ऋतिक के इस पोस्ट पर सबा ने रिएक्ट करते हुए लिखा, 'गर्मी की एक लेजी दोपहर में सबसे अच्छे एग के साथ सबसे अच्छा दिन।'

अब इस पोस्ट को देखने के बाद यूजर्स इस फोटो पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ये लड़की कौन है?' दूसरे ने तंज कसते हुए लिखा, 'इसलिए आपकी मूवी नहीं चलती।' तीसरे ने लिखा, 'भूखी लग रही है कोई थाली रख दे दो।' वहीं कई लोग दोनों की जोड़ी पर भी सवाल उठा रहे हैं।

ऋतिक और सबा के लिंक-अप की खबरें तब सामने आई थीं, जब दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया था। इसके बाद सबा की ऋतिक की फैमिली के साथ लंच की फोटोज भी सामने आई थीं। इसके अलावा दोनों को अक्सर कई मौकों पर साथ देखा जाता है। वहीं सबा और ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन की भी अच्छी खासी बॉन्डिंग है।

ऋतिक से पहले सबा का नाम एक्टर इमाद शाह से जुड़ चुका है। इमाद, नसीरुद्दीन शाह के बेटे हैं, जिनके साथ सबा सालों पहले लिव-इन में रहती थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो फिल्मों और गानों के अलावा सबा के पास कई कमर्शियल एड हैं। सबा कैडबरी, पोंड्स, मैगी, टाटा स्काय, गूगल, किट-कैट, वोडाफोन, सनसिल्क, नैस्कैफे, एयरटेल के एड में नजर आ चुकी हैं। वहीं ऋतिक हाल ही में 'विक्रम वेधा' में नजर आए थे। इस समय वो 'फाइटर' की शूटिंग में बिजी हैं।

पूजा हेगड़े ने सलमान खान के किसी का भाई किसी की जान के सेट पर बर्थडे सेलिब्रेट

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आज (13 अक्टूबर) अपना 32वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस मौके पर उन्होंने अपना बर्थडे 'किसी का भाई किसी की जान' के सेट पर सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का एक वीडियो समाने आया है, जिसमें वो सलमान खान और चिरंजीवी के साथ केक काटते दिखाई दे रही हैं। आपको बता दें ये फिल्म 20 दिसंबर 2022 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में सलमान और पूजा के अलावा शहनाज गिल भी एक खास भूमिका में दिखायी देंगी।

शादी की खबरों पर रकुल प्रीत का रिएक्शन

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी एक दूसरे को काफी समय से डेट कर रहे हैं। ऐसे में इन दिनों खबरें आ रही हैं कि रकुल के भाई अमनप्रीत ने कंफर्म किया है कि अगले साल तक शादी के बंधन में बंधने वाला है। हालांकि, अब शादी की इन खबरों पर एक्ट्रेस रकुल प्रीत का रिएक्शन सामने आया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर भाई को टैग करते हुए बेहद मजाकिया अंदाज में अपनी शादी की खबरों पर बात की है।

शादी की इन खबरों के बीच सोशल मीडिया पर भाई अमन को टैग करते हुए रकुल ने कहा- 'अमन आपने शादी की कंफर्मेशन दे दी और मुझे बताया भी नहीं। यह अजीब है कि कैसे मुझे अपनी लाइफ खबर नहीं है।' शादी पर रकुल का ये रिएक्शन काफी सुर्खियों में है।

सोशल मीडिया पर नोरा हुईं ट्रोलिंग का शिकार

नोरा ने की चौंकाने वाली बात : कहा- हॉलीवुड एक्टर ब्रैड पिट ने मुझे किया था डीएम, लोगों ने कहा- क्या वो आपको जानते भी हैं

नोरा फतेही ने हाल ही में एक चौंकाने वाली बात कही। नोरा ने एक रिसेंट इंटरव्यू में बताया कि उनके इंस्टाग्राम पर एक बार हॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर ब्रैड पिट का मैसेज आ गया था। हालांकि सोशल मीडिया पर लोगों का नोरा की इस बात का विश्वास करना मुश्किल हो रहा है।

लोगों का कहना है कि जब ब्रैड पिट का इंस्टाग्राम पर अकाउंट ही नहीं है तो वो नोरा को मैसेज कैसे कर सकते हैं। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का ये भी कहना है कि अगर नोरा के पास ब्रैड पिट का मैसेज आ रहा है तो वो सुकेश जैसे फ्रॉड के साथ क्यों हैंगआउट कर रही हैं।

नोरा से हाल ही में एक इंटरव्यू में पूछा गया कि ऐसा कौन सा फेमस शख्स है जिसने उनको अचानक से कभी मैसेज कर दिया हो तो नोरा ने सबको चौंकाते हुए ब्रैड पिट का नाम लिया। नोरा ने कहा कि शायद इस बात का किसी को विश्वास न हो लेकिन वो शख्स ब्रैड पिट थे जिन्होंने मुझे एक बार डीएम किया था। वैसे नोरा का ये बात कहना ही था कि लोगों ने उनके मजे लेने शुरू कर दिए। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा - ₹मुझे नहीं पता कि ब्रैड पिट

आपके डीएम में कैसे आ गए जब वो इंस्टाग्राम यूज ही नहीं करते हैं।₹ एक दूसरे यूजर ने लिखा - ₹ब्रैड पिट को तो पता भी नहीं होगा कि तुम कौन हो।₹ एक यूजर ने नोरा पर तंज कसते हुए लिखा -₹जब ब्रैड पिट तुम्हें मैसेज कर रहा है तो तुम सुकेश जैसे आदमी के साथ क्यों हैंगआउट कर रही हो?

फिल्मों में आइटम नंबर करने के लिए जानी जाती है नोरा

नोरा को हाल फिलहाल में फिल्ममेकर करण जौहर और एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के साथ डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 में जज के तौर पर देखा गया था। उन्होंने 2013 में आई फिल्म रोरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन में एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो स्ट्रीट डांसर जैसी कई फिल्मों में देखी गईं।

नोरा मुख्य रूप से फिल्मों में आइटम नंबर करने के लिए जानी जाती है। इन सब के अलावा उन्हें बिग बॉस 9 में भी देखा गया था।

लैक्मे फैशन वीक 2022 में इंडो वेस्टर्न ड्रेस में मलाइका अरोड़ा

हाल ही में लैक्मे फैशन वीक का आयोजन मुंबई में किया गया, जिसमें कई सेलिब्रिटीज ने रैम्प वॉक में अपना जलवा बिखेरा। इसी बीच मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो इवेंट में रैंप वॉक करती हुई नजर आईं। इस दौरान 48 साल की मलाइका ब्लू प्रिंटेड इंडो वेस्टर्न ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। हाई हील्स, मिनिमल मेकअप, गोल्डन हूप्स के साथ मलाइका ने अपने इस शानदार लुक को कम्पलीट किया है। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स मलाइका के इस शानदार लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

जिंदगी मीठी यादों का एल्बम लॉन्च

जिंदगी मीठी यादों का एल्बम औपचारिक रूप से लॉन्च किया। प्रमुख संगीत निर्देशक कुलदीप सिंह और जसविंदर सिंह द्वारा लॉन्च किया गया उर्दू ग़ज़ल एल्बम।

प्रसिद्ध ग़ज़ल और गायक जसविंदर सिंह ने आज बंजारा हिल्स के एक रेस्तरां में हैदराबाद के युवा ग़ज़ल लेखक शकील अहमद शायर द्वारा लिखी गई उर्दू ग़ज़लों की ज़िंदगी मीठी यादों का एल्बम औपचारिक रूप से लॉन्च किया। इस अवसर पर आयोजित एक विशेष मीडिया सम्मेलन में लेखक शकील अहमद और गायक जसविंदर सिंह ने भाग लिया।

पहले लेखक शकील अहमद ने कहा कि वह बहुत छोटी उम्र से ही कविताएं लिखते थे और स्कूल खत्म करने के बाद हमारे शिक्षक डॉ. मजर जवाद अख्तर साहब से उर्दू शब्द सीखता था, मैं उर्दू मीडियम स्कूल नहीं था लेकिन उर्दू भाषा की मिठास ने मुझे इतना प्रभावित किया

आज रिलीज हुई 'जिंदगी' की तीन गजलें हैं.

बीक रहीहाई मुंह भी अभी जिंदगी के नाम से,

सैम खड़े रहजाता है दिन दल जाये के साथ,

दिल ऐ बे खबर बख़बर, बख़बर लग रहा है .. इन्हें बॉलीवुड संगीत निर्देशक कुलदीप सिंह ने संगीतबद्ध किया था और उनके बेटे जसविंदर सिंह ने गाया था। शकील ने कहा कि वह जीवन भर उनके ऋणी रहेंगे।

जसविंदर सिंह ने कहा कि उन्हें हैदराबाद बहुत पसंद है, यहां कलाकारों का बहुत सम्मान किया जाता है, और उन्होंने अतीत में कई बार संगीत कार्यक्रम किए हैं। उन्होंने बहुत अच्छा लिखा है कि

₹जिंदगी₹ ग़ज़लें शकील अहमद और उनके पिता के साथ आपकी दोस्ती के कारण गाई गईं। भविष्य में एक महान कवि बनेंगे।कुलदीप ने उत्कृष्ट स्वर दिए हैं और कल शाम गचीबोवली में संध्या सम्मेलन में वह शकील द्वारा लिखित गज़लों के साथ फिल्मी गीत गाएंगे, सभी को आनंद लेना चाहिए।

डबल एक्सएल के लिए सोनाक्षी ने 17 तो हुमा ने 22 किलो वजन बढाया

इंडस्ट्री में 10 साल पूरे कर चुकीं एक्ट्रेस हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा की पहली मुद्दे वाली कॉमेडी फिल्म डबल XL जल्द रिलीज होने वाली है। इसे 'हेलमेट' फेम सतराम रमानी ने डायरेक्ट किया है। वहां उन्होंने कंडोम के मुद्दे के ईद गिर्द कहानी बुनी थी। अब इस फिल्म के जरिए उन्होंने वजनी महिलाओं की बॉडी शेमिंग के मसले पर सटीरिकल टेक लिया है। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान हुमा और सोनाक्षी ने बताया कि डायरेक्टर को इस फिल्म का आइडिया ही उनके वजन के चलते आया। उन्होंने एक्सेप्ट किया कि वो रियल लाइफ में बॉडी शेमिंग झेल चुकी हैं। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि इसकी वजह से एक समय उनका आत्मविश्वास भी हिल गया था।

सोनाक्षी को कुछ समय पहले एक वजनी प्रोड्युसर ने वजन तक कम करने को कहा था इस बारे में बात करते हुए वो कहती हैं, 'मैं वो फिल्म साइन कर चुकी थी। फिल्म के फ्लोर पर जाने से ठीक दस दिन पहले मुझसे उस प्रोड्यूसर ने कहा कि अगर आप वेट लूज नहीं करोगे, तो हम आप को रिप्लेस कर देंगे। वो भी तब, जबकि वो प्रोड्युसर मेरे पुराने जानने वाले थे। इसके साथ ही वो खुद बहुत ओवरवेट थे। मैं उनके उस रवैये और गट्स को देखकर सरप्राइज्ड हो गई थी कि उन्होंने ऐसा कह कैसे दिया। इन सबके बाद मैंने वो फिल्म की। लेकिन मैंने उनसे ये जरूर कहा कि ये तो आपने अनएथिकल करवाया।'

पहली बार डायरेक्टर ने मुझसे कहा कि मोटी हो जाओ- हुमा

हुमा ने भी प्रोड्युसर के इस रवैये को इंडस्ट्री की कड़वी हकीकत बताते हुए कहा, 'अक्सर हर फिल्म पर एक्ट्रेसेस से कहा जाता है कि आप थोड़ी और पतली हो जाओ। 'डबल XL' मेरे करियर की पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें डायरेक्टर ने कहा थोड़ा और मोटी हो जाओ।'

सोनाक्षी कहती हैं, 'मैंने तकरीबन 15 से 17 किलो वेट गेन किया था।' हुमा ने उस पर कहा, 'सोनाक्षी ने जितना भी वेट गेन किया, मैंने उनसे 5 किलो वेट ज्यादा गेन किया। ये अजीब तो है कि खूबसूरती का पैमाना महिलाओं के वजन बन जाता है। मेरी दूसरी फिल्म के रिव्यु में किसी ने ये लाइन लिखी थी कि हुमा कुरैशी किरदार में प्यारी तो लगी हैं, मगर मेनस्ट्रीम हीरोइन बनने के लिहाज से वो पांच किलो मोटी हैं। वो लाइन मुझे बहुत ज्यादा चुभ गई थी। तब तो मैं नई थी, मगर वजन ही पैमाना होता तो मैं या सोनाक्षी इंडस्ट्री में दस सालों का सफर तय नहीं कर पाते।'

हालांकि खुद बॉलीवुड में वजनदार एक्ट्रेसेस या बिना सिक्स पैक एब्स वाले एक्टर्स को लेकर कितनी एक्सेप्टेंस है, उस पर फिल्म के हीरो जहीर इकबाल जवाब देते हुए कहते हैं, 'ये तो अच्छी बात है न कि साउथ में बल्की वजन वाले हीरो एक्सेप्टेड हैं। वहीं बॉलीवुड में भी काफी लोग हैं, जिनके सिक्स पैक नहीं हैं। वो दौर अब कम हो चुका है। एक्शन जोनर की फिल्में न हों तो शायद ही कहा जाता है कि सिक्स पैक तो चाहिए ही। मुझे भी इस फिल्म के लिए डायरेक्टर ने नहीं कहा कि सिक्स पैक तो चाहिए ही।'

रॉ एजेंट के रोल में परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा और हार्डी संधू की फिल्म कोड नेम तिरंगा रिलीज हो चुकी है। ये कहानी है एक रॉ एजेंट दुर्गा यानी परिणीति चोपड़ा की है। फिल्म में दुर्गा अफगानिस्तान के मिशन में जाती है और इस मिशन को पूरा करने के लिए वो डॉक्टर मिर्जा अली (हार्डी संधू) से निकाह करती है। इस फिल्म में शरद केलकर विलेन के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म का डायरेक्शन रिभु दासगुप्ता ने किया है। एक्टिंग तो सबकी अच्छी है लेकिन इतने दमदार एक्टर्स को जिस तरह के डायलॉग और कहानी दी गई वो कमाल नहीं दिखा पाती।

अपने अतंरगी ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं उर्फी जावेद

बर्थडे पर विशेष

उर्फी जावेद अपने अतंरगी ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. उर्फी अपने फैशन सेंस के साथ-साथ बेबाक अंदाज को लेकर भी इंटरनेट पर खूब लाइमलाइट बटोरती हैं. बिग बॉस ओटीटी फेम एक्ट्रेस उर्फी एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं, और इस बार उनका रिलेशनशिप स्टेट्स कारण बना है. उर्फी जावेद की एक सिंगर के साथ तस्वीर वायरल हो रही है. जिसके बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि एक्ट्रेस सिंगल के मिंगल हो गई हैं. उर्फी जावेद ने वेलेंटाइन्स डे पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था, जिसपर सिंगर कुंवर ने कमेंट किया था. एक्ट्रेस के वेलेंटाइन्स डे पोस्ट पर कुंवर ने लिखा था, 'हैप्पी वी डे उर्फी जी.' उर्फी के पोस्ट पर कुंवर का ऐसा रिएक्शन एक्ट्रेस के फैंस को कंफ्यूज कर रहा है.

लखनऊ की रहने वाली हैं उर्फी

एक्ट्रेस उर्फी जावेद मूल रूप से उत्तर प्रदेश लखनऊ की रहने वाली हैं. 15 अक्टूबर 1997 में जन्मीं उर्फी अब 25 साल की हैं. जिन्होंने पहले मास कम्यूनिकेशन में पढ़ाई भी की है. वो मीडिया में जाना चाहती थीं ले कि न ले कि न उन्हें एक्टिंग का शौक था. लिहाजा काफी कम उम्र में ही उर्फी मुंबई आ गई. 2016 में उन्हें बड़े भैया की दुल्हनिया में अवनि पंत नाम का किरदार निभाने का मौका मिला. इसके बाद इसी साल उन्हें चंद्र नंदिनी सीरियल मिला जिसमें वो छाया के किरदार में नजर आईं. इसके अलावा मेरी दुर्गा उनका जाना माना शो है. जिससे वो पॉपुलर हुईं. इसके अलावा उर्फी बेपनाह, ये रिश्ता क्या कहलाता है और कसौटी जिंदगी की जैसे सीरियल का भी हिस्सा रहीं. 2020 में वो इतनी पॉपुलर हुईं कि 2021 में उन्हें बिग बॉस ओटीटी में आने का न्योता मिला.

बिग बॉस ओटीटी से मिली असल पहचान

जब तक उर्फी जावेद सीरियल्स में नजर आ रही थीं तब तक उनकी पहचान सीमित थीं क्योंकि यूथ इस सीरियल्स से दूर रहता है लेकिन जब वो बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में दिखीं तो यूथ में वो छा गईं. खासतौर से उनके ड्रेसिंग सेंस और स्टाइल के चर्चे होने लगे और आज वो स्टाइलिंग दीवा बन चुकी हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर वो अपने स्टाइल को लेकर ही सुर्खियां बटोरती रहती हैं.

के

निजी जिंदगी में लड़ी परिवार से जंग

उर्फी जावेद ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो अपनी जिंदगी में क्या कुछ झेल चुकी हैं. एक गलतफहमी की वजह से उनके परिवार से उनके रिश्ते कुछ ठीक नहीं रहे. 2 साल तक मानसिक उत्पीड़न झेलने के बाद उर्फी ने खुद को संभाला और अपनी जिंदगी पर ध्यान दिया. आज मुंबई की चकाचौंध की दुनिया में उर्फी छोटा ही सही एक सितारा जरूर बन चुकी हैं जो कभी ना कभी तेज चमक सकता है.

महिला टी-20 एशिया कप के फाइनल में भारत और श्रीलंका पहली बार भिड़ेंगे आज

यह महिला एशिया कप का आठवां संस्करण है और टीम इंडिया सभी आठों संस्करण के फाइनल में पहुंची है। 2004 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट को 2008 तक वनडे फॉर्मेट में खेला गया। वहीं, 2012 से अब तक इसे टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। महिला एशिया कप टी20 के फाइनल में भारत और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला आज यानी शनिवार को दोपहर एक बजे से बांग्लादेश के सिलहट स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले सेमीफाइनल में भारत ने थाईलैंड को 74 रन से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया। इस तरह भारत और पाकिस्तान के बीच खिताबी मुकाबले का सपना अधूरा रह गया। अब भारत और पाकिस्तान की टीम महिला एशिया कप के फाइनल में पांचवीं बार आमने-सामने होगी।

यह महिला एशिया कप का आठवां संस्करण है और टीम इंडिया सभी आठों संस्करण के फाइनल में पहुंची है। 2004 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट को 2008 तक वनडे फॉर्मेट में खेला गया। वहीं, 2012 से अब तक इसे टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। 2004 में महिला एशिया कप का पहला संस्करण श्रीलंका में खेला गया था। तब भारत ने टॉप पर रहकर टूर्नामेंट 5-0 से जीता था। फिर 2005 महिला एशिया कप से यह नॉकआउट राउंड के हिसाब से खेला जाने लगा। तब यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला गया था।

वनडे फॉर्मेट के हर फाइनल में भारत-श्रीलंका आमने-सामने

2005 के फाइनल में भारत-श्रीलंका की टीमें एकबार फिर आमने-सामने आईं। इसे भी टीम इंडिया ने 97 रन से मैच जीत लिया। 2006 में भारत मेजबान देश था। एक बार फिर भारत और श्रीलंका की टीमों की भिड़ंत हुई और इस बार भी नतीजा बिलकुल वैसा ही रहा जैसा कि पिछले दो संस्करणों में था। भारत ने श्रीलंका को फाइनल में आठ विकेट से हरा दिया। 2008 में यह टूर्नामेंट श्रीलंका में खेला गया और भारत-श्रीलंका की टीमें फाइनल में पहुंची। यानी शुरुआती चार संस्करणों में वनडे फॉर्मेट में हुए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत और श्रीलंका की टीमें ही आमने-सामने थीं।

दो बार भारत-पाकिस्तान की टीम आमने-सामने आई

2008 के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 177 रन से हरा दिया। 2012 से यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाने लगा। चीन पहली बार इस टूर्नामेंट का मेजबान बना। फाइनल में भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने थीं। टीम इंडिया ने पाकिस्तान को खिताबी मुकाबले में 18 रन से हरा दिया। 2016 में थाईलैंड में खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को शिकस्त दी। फाइनल मैच भारत ने 17 रन से जीता। 2018 में मलेशिया इस टूर्नामेंट का मेजबान बना।

टी20 फॉर्मेट में पहली बार दोनों टीमें फाइनल में आमने-सामने

फाइनल में भारत के सामने बांग्लादेश की टीम थी। इस बार नतीजा भारत के पक्ष में नहीं गया। बांग्लादेश ने रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर जीत हासिल की थी। बांग्लादेश ने भारत को तीन विकेट से हराया था। भारत के इतर बांग्लादेश यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बनी थी। अब भारत के सामने एक बार फिर श्रीलंका है और उम्मीद की जा रही है मुकबला दिलचस्प होगा। महिला एशिया कप के टी20 फॉर्मेट के फाइनल में पहली बार यह दोनों टीमें आमने-सामने हैं।

भारत का श्रीलंका पर पलड़ा भारी

भारत और श्रीलंका के टी20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमें 22 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इसमें से भारत ने 17 मैचों में जीत हासिल की है। वहीं, श्रीलंका ने चार मैच जीते हैं। एक मुकाबला बेनतीजा रहा। महिला एशिया कप में दोनों टीमें तीन बार आमने-सामने आई हैं। तीन मैच भारत ने ही जीते हैं। ऐसे में ऑन पेपर भारत का ही पलड़ा भारी है। भारत और श्रीलंका दो ही ऐसी टीमें हैं जो 2004 से लेकर अब तक महिला एशिया कप खेल रही हैं।

भारत ने 2004 में किया था डेब्यू

2004 में इन्हीं दोनों टीमों (भारत-श्रीलंका) ने हिस्सा लिया था और पांच मैचों की सीरीज खेली गई थी, जिसमें भारत ने 5-0 से जीत हासिल की थी। पाकिस्तान की टीम 2005 में, बांग्लादेश की टीम 2008 में, चीन, हॉन्गकॉन्ग, नेपाल और थाईलैंड की टीम 2012 में इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनी। वहीं, मलेशिया ने 2018 में हिस्सा लिया और यूएई की टीम 2022 में पहली बार इस टूर्नामेंट से जुड़ी है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के किस खिलाडी के पास सबसे ज्यादा अनुभव?

ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्तूबर से आठवें टी20 वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है। 29 दिन में कुल 45 मुकाबले खेले जाएंगे। टीम इंडिया 15 साल बाद इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए उतरेगी। वह 2007 के बाद से टी20 वर्ल्ड कप में चैंपियन नहीं बनी है। 2014 महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम फाइनल में पहुंची थी, लेकिन उसे श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस पर टीम की कमान रोहित शर्मा के हाथों में है। रोहित शर्मा सभी सात वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया गई टीम इंडिया के 14 खिलाड़ियों में से पांच के पास टी20 वर्ल्ड कप खेलने का अनुभव नहीं है। 15वें खिलाड़ी के तौर पर जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं हुई है। रोहित के बाद अनुभव के मामले में विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन हैं। दोनों ने चार-चार बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। आइए जानते हैं टीम इंडिया के किस खिलाड़ी के पास टी20 वर्ल्ड कप खेलने का कितना अनुभव है...

रोहित शर्माः भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अब तक सभी टी20 वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं। रोहित ने 2007, 2009, 2010, 2012, 2014, 2016 और 2021 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है। उन्होंने 139 टी20 मैचों में 31.5 की औसत और 140.0 की स्ट्राइक रेट से 3681 रन बनाए हैं।

विराट कोहलीः पूर्व कप्तान विराट कोहली चार बार टी20 वर्ल्ड कप में उतरे हैं। वह पहली बार 2012 में खेले थे। 2021 में उन्होंने कप्तानी की थी, लेकिन टीम इंडिया सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी थी। कोहली ने 2012, 2014, 2016 और 2021 में हिस्सा लिया है।

रविचंद्रन अश्विनः अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन चार बार टी20 वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं। उन्होंने पहली बार 2012 में हिस्सा लिया था। उसके बाद 2014, 2016 और 2021 में खेले थे। अश्विन ने टी20 में पिछले साल लंबे समय के बाद वापसी की थी। वह इस बार ऑस्ट्रेलिया में अपनी फिरकी का जादू दिखाना चाहेंगे।

दिनेश कार्तिकः अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक 2007 में पहले टी20 वर्ल्ड कप में टीम के सदस्य थे। उसके बाद 2009 और 2010 में उन्हें टीम में रखा गया था। कार्तिक 12 सालों के बाद एक बार फिर से टी20 वर्ल्ड कप में उतरेंगे।

भुवनेश्वर कुमारः तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप में उतरेंगे। इससे पहले वह 2014 और 2021 में टीम के सदस्य थे। भुवनेश्वर पिछले कुछ समय से फॉर्म में नहीं हैं, तो उनके ऊपर दबाव होगा।

हार्दिक पांड्याः ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या 2016 और 2021 में वर्ल्ड कप टीम के सदस्य थे। पिछली बार उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टी20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने फिर शानदार वापसी की। अब वह ऑस्ट्रेलिया में जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं।

केएल राहुलः टीम इंडिया के उपकप्तान केएल राहुल दूसरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। वह पिछली बार 2021 में खेले थे। उन्होंने 62 टी20 मैचों में 40.1 की औसत और 140.3 की स्ट्राइक रेट से 2127 रन बनाए हैं।

सूर्यकुमार यादवः शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव इस बार टीम के ट्रंप कार्ड होंगे। उन्होंने पिछली बार 2021 में पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला था। तब उनका प्रदर्शन यादगार नहीं रहा था। वह इस बार टी20 वर्ल्ड कप में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

ऋषभ पंतः सूर्यकुमार यादव की तरह ही विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पिछली बार 2021 में पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला था। उनके लिए वह टूर्नामेंट भूलने वाला रहा था। पंत ने टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के मैदानों पर जबरदस्त प्रदर्शन किया है। वह टी20 में वह दोहराना चाहेंगे।

भारतीय टीम में शामिल पांच खिलाड़ी पहली बार टी20 वर्ल्ड कप में उतरेंगे। इनमें अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल भी शामिल हैं। चहल के अलावा बल्लेबाज दीपक हुड्डा, बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल, तेज गेंदबाज हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह भी पहली बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे।

क्या है इम्पैक्ट प्लेयर का नियम? भारत में पहली बार इस्तेमाल, आईपीएल में भी होगा लागू!

सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत हो चुकी है। ग्रुप-बी में दिल्ली और मणिपुर के बीच मैच में पहली बार 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का इस्तेमाल हुआ। इस नियम ने मैच का रुख ही पलट कर रख दिया। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले युवा खिलाड़ी ऋतिक शौकीन इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले पहले खिलाड़ी बने। आइए जानते हैं क्या है इम्पैक्ट प्लेयर का नियम और कैसे इसका इस्तेमाल किया जाता है...

कौन से मैच से आया नियम?

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप-बी में मंगलवार को दिल्ली और मणिपुर के बीच मैच खेला गया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 167 रन बनाए। टीम के लिए हितेन दलाल ने 27 गेंदों में 47 रन की तूफानी पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद दिल्ली ने फील्डिंग के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल करते हुए हितेन की जगह ऋतिक शौकीन को टीम में शामिल किया।

ऋतिक शौकीन ने पलटा मैच

शौकीन ने इसके बाद गजब की गेंदबाजी की और तीन ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने अपनी गेंदबाजी से मैच पलट दिया और दिल्ली की जीत में मदद की। इस तरह शौकीन इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। दिल्ली ने 71 रन से जीत हासिल की। मणिपुर की टीम 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 96 रन ही बना सकी। सिर्फ दिल्ली ने ही नहीं अन्य टीमों ने भी सैयद मुश्ताक में इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल किया। तमिलनाडु ने टी नटराजन की जगह हरि निशांत, कर्नाटक ने देवदत्त पडिक्कल की जगह श्रेयस गोपाल को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतारा।

क्या है इम्पैक्ट प्लेयर का नियम?

दरअसल, बीसीसीआई ने इसी साल से इम्पैक्ट प्लेयर का नियम घरेलू क्रिकेट में शुरू किया है। अगर इस पर अच्छी प्रतिक्रिया मिलती है तो इस नियम को आईपीएल 2023 में भी लागू किया जा सकता है। इस नियम के अनुसार, हर टीम को अपनी प्लेइंग-11 के साथ चार-चार सब्सिट्यूट खिलाड़ियों के नाम भी बताने होंगे। कोई भी टीम 14 ओवर्स तक इन चार खिलाड़ियों में से किसी एक को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर किसी खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकती है।

जो भी खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम से बाहर जाएगा, वह फिर दोबारा मैदान में नहीं दिख सकेगा। बाकी बचे मैच में इम्पैक्ट प्लेयर ही दिखेगा और मैच खेलेगा। कोई भी टीम किसी भी खिलाड़ी को तय ओवरों के अंदर रिप्लेस कर सकती है। चाहे वह खिलाड़ी बैटिंग किया हो या नहीं किया हो, गेंदबाजी किया हो या नहीं किया हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अगर किसी वजह से ओवरों में कटौती की जाती है और इसे 10 से कम कर दिया जाता है, तो इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल नहीं होगा।

334 दिन में कितनी बदली गईं टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम

16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में 8वां टी20 वर्ल्ड कप शुरू होगा। 2021 में UAE में हुए टी20 वर्ल्ड कप के बाद सिर्फ 11 महीने के भीतर ये दूसरा वर्ल्ड कप होगा। इन 11 महीनों में टीमों ने नए-नए प्रयोग करते हुए कुछ बदलाव किए हैं। भारत ने इस साल छह नए खिलाड़ियों को अपने दल में जगह दी है। सबसे कम बदलाव डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया में देखने को मिले हैं, जिसने सिर्फ एक नए खिलाड़ी टिम डेविड को टीम में जगह दी है। कंगारू टीम में ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन के आने की भी चर्चा है, जिस पर फैसला करने की आखिरी तारीख 15 अक्टूबर है।

भारतः चोटिल बुमराह-जडेजा बाहर, कार्तिक की वापसी

बाहर- 7, नए खिलाड़ी- 6

पिछले वर्ल्ड कप से लगभग आधी भारतीय टीम इस बार बदली नजर आएगी। चोटिल जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा टीम में नहीं हैं। पिछले वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा रहे शमी भी अभी रिजर्व में हैं। उनके अलावा राहुल चाहर, इशान किशन, शार्दूल ठाकुर और वरुण चक्रवर्ती को टीम से बाहर कर दिया गया है। इनकी जगह अर्शदीप सिंह, यजुवेंद्र चहल, दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल और हर्षल पटेल टीम का हिस्सा होंगे। 2010 का टी20 वर्ल्ड कप खेलने वाले दिनेश कार्तिक की भी टीम में वापसी हुई है। टीम की कमान विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा का हाथों में होगी।

पाकिस्तानः सरफराज, शोएब की जगह युवाओं को मौका

बाहरः 6, नए खिलाड़ीः 6

पाकिस्तान ने अपने वर्ल्ड कप दल में पिछली बार से 6 बड़े बदलाव किए हैं। टीम ने सरफराज अहमद, शोएब मलिक जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर कर खुशदिल शाह और उस्मान कादिर जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया है। मोहम्मद हफीज संन्यास ले चुके हैं। उनकी जगह इफ्तिखार अहमद टीम में हैं। फखर जमान को भी चोट के कारण रिजर्व में डाल दिया गया है और उनकी जगह शान मसूद आए हैं। हसन अली को ड्रॉप करके मोहम्मद हसनैन टीम में आए हैं। नसीम शाह भी टीम में नया चेहरा हैं।

10 मिनट में बिकीं 90 हजार टिकटें

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2022 टी20 विश्व कप के शुरू होने पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को होने वाले महामुकाबले की सारी टिकटें बिक चुकी है. 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट की अब तक 6 लाख से भी ज्यादा टिकटें बिक चुकी हैं. बता दें कि 16 अक्टूबर से टूर्नामेंट के प्रारंभिक चरण के मैच होंगे जबकि 22 अक्टूबर से बड़ी टीमों के मुकाबले शुरू होंगे. इस चरण का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड और गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 अक्टूबर को खेला जाएगा. सिडनी में होने वाले पहले मैच के भी लगभग सारे टिकट बिक चुके हैं. लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को हेने वाले मैच की दीवानगी इतनी ज्यादा है कि महज 10 मिनट से अंदर मैच के कुल 90,000 टिकट बिक गए हैं. मेलबर्न में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाला ये मैच हाउसफुल हो चुका है. इस पर आईसीसी टी20 विश्व कप प्रमुख मिशेल एनराइट ने कहा, "हमें खुशी है कि इस रविवार को जिलॉन्ग में होने वाले इवेंट के शुरुआती मैच और एक सप्ताह बाद सुपर 12 चरण को देखने के लिए बड़ी भीड़ तैयार है.अक्टूबर में क्रिकेट के लिए भरा स्टेडियम देखना शानदार होगा." 27 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश और भारत बनाम ग्रुप ए उपविजेता वाले डबर हेडर मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाएंगे. इस मैच के भी सभी वर्तमान टिकट बिक चुके हैं.

शाहीन अफरीदी के खिलाफ कैसा हो प्लान? गौतम गंभीर ने टीम इंडिया को दी यह सलाह

भारत और पाकिस्तान के बीच आगामी टी20 में महामुकाला 23 अक्टूबर को खेला जाएगा। मुकाबले से पहले दोनों देशों के पूर्व खिलाड़ी और क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी राय दे रहे हैं। भारत के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर का मानना है कि टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करनी चाहिए। उनके खिलाफ लगातार हमले करके ही रन बनाए जा सकते हैं। गंभीर का कहना है कि शाहीन के खिलाफ विकेट बचाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। शाहीन अफरीदी घुटने की चोट के कारण एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में कहर बरपाया था और पाकिस्तान को पहली बार किसी वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ जीत दिलाई थी। एक कार्यक्रम में गौतम गंभीर ने कहा, 'शाहीन के सामने विकेट बचाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। उसके खिलाफ रन बनाने के बारे में सोचो। अगर आप विकेट बचाने के लिए खेलेंगे तो बैकलिफ्ट, फुटवर्क छोटा हो जाएगा। टी20 क्रिकेट में इस सोच के साथ नहीं खेला जा सकता। मुझे यह पता है कि वह एक मुझे पता है कि वह खतरनाक गेंदबाज है, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को उसके खिलाफ रन बनाने ही होंगे।"गंभीर का मानना है कि टीम इंडिया का शीर्ष क्रम इस बार शाहीन का सामना कर लेगा। पिछली बार रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली उन्हीं की गेंद पर आउट हुए थे। गंभीर ने कहा, "भारत के पास शीर्ष तीन या चार बेहतरीन बल्लेबाज हैं, जो अफरीदी के सामने रन बना सकते हैं।" भारतीय टीम की नजर 2007 के बाद पहली बार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 15 साल का सूखा खत्म करने उतरेगी।

टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में टॉप 5 में नहीं है कोई भारतीय बॉलर

टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले टॉप 5 गेंदबाजों की बात करें तो यहां पाकिस्तान और श्रीलंका का बोलबाला है. लेकिन पहले स्थान पर बांग्लादेश का स्टार खिलाड़ी मौजूद है.

शाकिब अल हसन, बांग्लादेश

बांग्लादेश का यह स्टार ऑलराउंडर अपनी टीम का कप्तान भी है. वह पहले टी20 वर्ल्ड से अब तक खेल रहे हैं और उन्होंने 31 मैच खेलकर 41 विकेट अपने नाम किए हैं. वह टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. इस बार वह इस आंकड़े को 50 पार ले जा सकते हैं.

नंबर 10 पर हैं आर. अश्विन

शाहिद अफरीदी, पाकिस्तान

पाकिस्तान के लिए 2007 से 2016 तक टी20 विश्व कप मैचों में खेले. इस दौरान उन्होंने 34 मैच खेलकर 39 विकेट झटके. इस श्रेणी में वन नंबर 2 गेंदबाज हैं.

लसिथ मलिंका, श्रीलंका

श्रीलंका के इस स्टार तेज गेंदबाज ने 2007 से 2014 तक टी20 वर्ल्ड कप खेला. इस दौरान उन्होंने 31 मैच खेलकर 38 विकेट अपने नाम किए. वह तीसरे नंबर पर हैं. और इस फेहरिस्त के टॉप 5 में एकमात्र तेज गेंदबाज हैं.

सईद अजमल, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर सईद अजमल ने भी 2009 से 2014 तक ही वर्ल्ड कप मैचों में शिरकत की. उनके नाम 36 विकेट हैं. वह चौथे नंबर पर मौजूद हैं.

अजंता मेंडिस, श्रीलंका

अजंता मेंडिस ने 2009 से 2014 तक टी20 वर्ल्ड कप मैचों में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने 21 मैच खेलकर 35 विकेट अपने नाम किए. वह 5वें नंबर पर हैं.

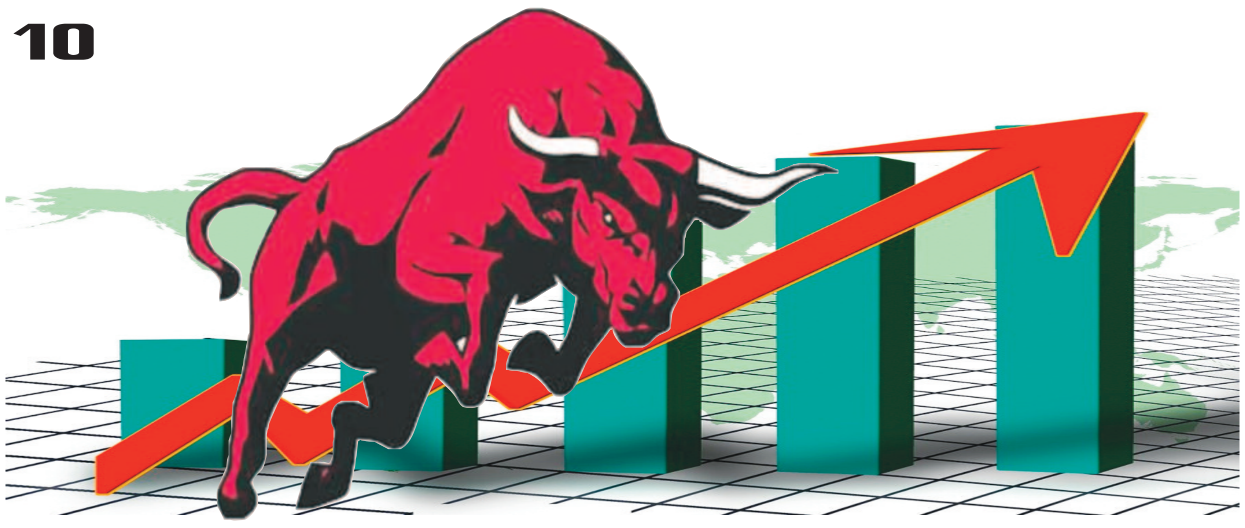

आठ एनबीएफसी अब नहीं करेंगी कारोबार, आरबीआई की ओर से पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की आठ गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां अब कारोबार नहीं करेंगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चार एनबीएफसी के पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द कर दिए हैं। वहीं, अन्य एनबीएफसी ने अपने प्रमाणपत्र सरेंडर कर दिए हैं। ऐसे में यह तय हो गया है कि अब आठ एनबीएफसी देश में अपना कारोबार नहीं कर सकेंगी।

भारतीय रिजर्व बैंक को जिन चार एनबीएफसी ने अपना प्रमाणपत्र सरेंडर कर दिया है उनमें अश्विनी इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आरएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, एमिटी फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड और मैट्रिक्स मर्चेंडाइज लिमिटेड जैसे एनबीएफसी शामिल हैं। उपरोक्त कंपनियों के अलावे आरबीआई ने चार कंपनियों का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। जिन कंपनियों का लाइसेंस रद्द किया गया है कि उनमें एसआरएम प्रॉपर्ट्रीज एंड फाइनेंस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, नॉर्थ ईस्ट रीजन फिनसर्विसेज लिमिटेड और ओपल फाइनेंस लिमिटेड शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि उपरोक्त गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 के तहत किसी भी तरह का कोई कारोबार नहीं करेंगी। इनका एनबीएफसी लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि देश में ऐसे प्लेटफॉर्म जो अवैध रूप से संचालित किए किए जा रहे हैं उन पर कार्रवाई की जा रही है। आरबीआई उन खातों की भी निगरानी करेगा जिनका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जा सकता है।

लगातार 18वें महीने डबल डिजिट में थोक महंगाई

सितंबर में डब्ल्यूपीआई 12.41% से घटकर 10.70% पर आई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सितंबर महीने में थोक महंगाई दर में गिरावट देखने को मिली है। होलसेल प्राइस-बेस्ड इन्फ्लेशन 10.70% पर आ गई है। इससे पहले अगस्त में ये 12.41% और जुलाई में 13.93% पर थी। पिछले साल सितंबर 2021 में डब्ल्यूपीआई 10.66% रही थी। हालांकि, ये लगातार 18वां महीना है, जब महंगाई डबल डिजिट में बनी हुई है। फ्यूल और पावर इंडेक्स, जिसमें एलपीजी, पेट्रोलियम और डीजल जैसे आइटम शामिल हैं, इनकी महंगाई 33.67% से घटकर 32.61% हो गई है।

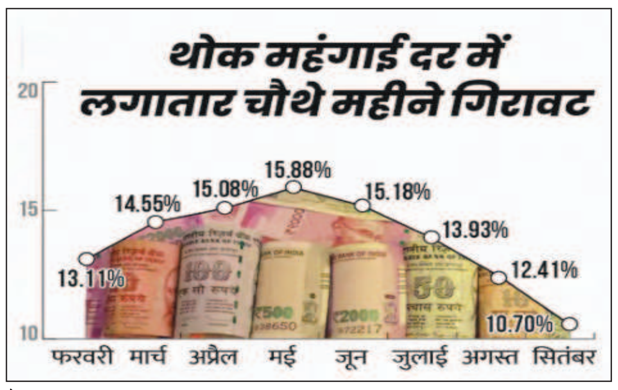

डब्ल्यूपीआई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहना चिंता का विषय है। ये ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर को प्रभावित करती है। यदि थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक उच्च रहता है, तो प्रड्यूसर इसे कंज्यूमर्स को पास कर देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कर सकती है, क्योंकि उसे भी सैलरी देना होता है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

रिटेल मंहगाई 7% से बढ़कर 7.41% पर पहुंची

सितंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 7.41% हो गई, जो अगस्त में 7% थी। वहीं एक साल पहले, यानी सितंबर 2021 में ये 4.35% थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े बुधवार को जारी किए गए थे।

खाने-पीने का सामान खास तौर पर सब्जियों और दालों की कीमतों के बढ़ने की वजह से महंगाई बढ़ी है। सितंबर महीने में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर अगस्त के 7.62% से बढ़कर 8.6% पर आ गई, जबकि सब्जियों की महंगाई अगस्त के 13.23% से बढ़कर 18.05% पर पहुंच गई है।

महंगाई कैसे मापी जाती है?

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं।

दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग-अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02% और फ्यूल एंड पावर 14.23% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07%, कपड़े की 6.53% और फ्यूल सहित अन्य आइटम की भी भागीदारी होती है।

महंगाई बढ़ी, सरकारी गोदामों में चावल-गेहूं का स्टॉक घटा

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी गोदामों में गेहूं और चावल का स्टॉक गिरकर पांच साल के निचले स्तर पर आ गया है। वहीं खुदरा अनाज की कीमत सितंबर महीने में 105 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों के अनुसार 1 अक्टूबर को सार्वजनिक गोदामों में गेहूं और चावल का स्टॉक कुल 511.4 लाख टन था। जबकि पिछले साल यह 816 लाख टन था। 2017 के बाद से अब तक गेंहू और चावल का स्टॉक सबसे निचले स्तर पर है।

1 अक्टूबर को गेहूं का स्टॉक (227.5 लाख टन) न केवल छह साल के निचले स्तर पर था, बल्कि बफर स्टॉक (205.2 लाख टन) से थोड़ा सा अधिक था था। हालांकि चावल का स्टॉक आवश्यक स्तर से लगभग 2.8 गुना अधिक था। चार साल पहले की तुलना में एफसीआई के गोदामों में कम अनाज उपलब्ध है।

सोना-चांदी के भाव में गिरावट जारी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट जारी है। आज यानी शुक्रवार को सर्राफा बाजारों में सोना 106 रुपये सस्ता होकर 50763 रुपये पर आ गया है। वहीं, चांदी आज 376 रुपये प्रति किलो सस्ती हुई है। आपके शहर में हो सकता है कि इस रेट से 500 से 2000 रुपये तक महंगा या सस्ता बिक रहा हो। क्योंकि, आईबीजेए द्वारा जारी यह औसत रेट है। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 24 कैरेट सोने का भाव 50763 रुपये पर खुला। वहीं, चांदी 56710 रुपये के रेट से। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5491 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये से 19298 रुपये प्रति किलो सस्ती है। 24 कैरेट सोने का आज 3 फीसद जीएसटी समेत भाव 52285 रुपये प्रति 10 ग्राम है। 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 52076 रुपये पर पहुंच गई है। आज यह 50560 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 46499 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 फीसद जीएसटी के साथ इस सोने की कीमत 47893 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38072 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 39214 रुपये हो गई है। 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 296966 रुपये प्रति 10 ग्राम है।

करवा चौथ : देशभर में बिका 3000 करोड़ से ज्यादा का सोना

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले साल की तुलना में कीमतें बढ़ने के बावजूद इस साल करवा चौथ पर देशभर में 3,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का सोना बिका है। पिछले साल करवा चौथ के दिन करीब 2,200 करोड़ रुपये का सोना बिका था। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं देश के छोटे ज्वेलर्स के बड़े संगठन ऑल इंडिया ज्वेलर्स एवं गोल्डस्मिथ फेडरेशन ने बृहस्पतिवार को कहा, कोरोना महामारी की वजह से 2020 और 2021 में करवा चौथ पर देशभर के सराफा बाजारों में सुस्ती रही थी। लेकिन, इस बार कोरोना से जुड़ीं पाबंदियां हटने और त्योहारी सीजन में लोगों के ज्यादा खर्च करने की धारणा से सराफा बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। सोने व चांदी के आभूषणों की जमकर खरीदारी हुई।

केंद्रीय मंत्री ने किया आश्वस्त

अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा भारत

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और वहनीयता (अफोर्डेबिलिटी) सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार एक जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) की ओर से तेल उत्पादन में प्रति दिन 20 लाख बैरल की कटौती के फैसले के बारे में पूछे जाने पर यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण करेगा। पुरी ने यहां जीईओ इंडिया 2022 सम्मेलन में कहा, 'यह (उत्पादन में कटौती) उनका संप्रभु अधिकार है, जो वे करना चाहें, लेकिन यह बताना भी मेरा काम है कि ऐसे सभी कार्यों के (इरादतन या गैरइरादतन) परिणाम होते हैं। भारत पूरे भरोसे के साथ स्थिति से पार पाने में सक्षम होगा।' उन्होंने कहा, 'हम पेट्रोलियम उत्पादों की किसी भी तरह की कमी नहीं आने देंगे। सरकार ऊर्जा सुरक्षा और वहनीयता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।' पुरी ने कहा कि अनुमानों के मुताबिक देश में ईंधन की खपत बढ़ेगी क्योंकि अगले 20 साल में 25 फीसदी वैश्विक मांगों की पूर्ति भारत से की जाएगी। इसलिए प्रधानमंत्री ने अन्वेषण और उत्पादन क्षेत्र को खोलने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा, 'हम उन स्रोतों में विविधता लाए हैं जहां से हम ऊर्जा प्राप्त करते हैं और इसमें आगे भी विविधता लाएंगे।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले छह महीनों के आयात के आंकड़ों पर नजर डालें तो सऊदी अरब नंबर एक आपूर्तिकर्ता था और फिर इराक दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया लेकिन भारत को अपना निर्णय लेने की आजादी है।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए दिवाली तक संभव नहीं

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता के लिए जारी बातचीत का कोई नतीजा दिवाली तक तय डेडलाइन तक नहीं आ पाएगा अब यह तय है। ब्रिटेन की ट्रेड सेक्रेटरी (वाणिज्य मंत्री) केमी बेडेनोच ने यह साफ कर दिया है कि दिवाली की डेडलाइन तक एफटीए को अंतिम रूप देना अब मुश्किल है। एक स्कॉच व्हिस्की डिस्टिलरी की यात्रा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग (डीआईटी) में एफटीए वार्ता के प्रभारी कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत के साथ जिस सौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है वह उद्योग जगत के लिए बड़ी जीत होगी क्योंकि इसके तहत स्टीप टैरिफ का 150 प्रतिशत तक घटाया जाना तय है।

कैट का दावा-इस दिवाली दिल खोलकर खर्च करेंगे भारतीय

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल दिवाली का त्योहार व्यापारियों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है. अनुमान है कि त्योहारी खरीद व अन्य सेवाओं के जरिये बाजार में लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये आएंगे. कोरोना महामारी की वजह से पिछले दो साल का त्योहारी सीजन सुस्त रहा था. कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शुक्रवार को दावा किया कि धन के इस प्रवाह से व्यापारिक समुदाय को वित्तीय संकट से मुक्ति मिलेगी. इस सीजन की त्योहारी खरीद नवरात्रि के साथ 26 सितंबर से शुरू हो चुकी है और 5 नवंबर तुलसी विवाह के दिन तक चलेगी. कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि 8 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने डीए में 4% बढ़ोतरी कर दी, जबकि 12 अक्टूबर को रेल कर्मचारियों के लिए 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस की घोषणा भी की जा चुकी है. इससे बाजार में नकदी प्रवाह बढ़ने की उम्मीद है.

5G की एक्सपर्टीज शेयर करने को तैयार भारत

वित्त मंत्री बोलीं-हमारा 5G इंपोर्टेड नहीं, अन्य देशों को भी प्रोवाइड कर सकते हैं

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत अपनी 5G टेक्नोलॉजी की एक्सपर्टीज देश दुनिया के अन्य देशों के साथ शेयर करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा की 5G के लिए कुछ क्रिटिकल पार्ट साउथ कोरिया जैसे देशों से जरूर लिए हैं, लेकिन टेक्नोलॉजी पूरी तरह स्वेदेशी है। ये इंपोर्टेड नहीं है। ये हमारा अपना प्रोडक्ट है।

5G पर भारत की उपलब्धि पर गर्व

सीतारमण ने कहा कि 5G सर्विसेज को हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनिंदा शहरों में लॉन्च किया था। 2024 के अंत तक देश के अधिकांश लोग इस टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। 5G पर भारत की उपलब्धि पर हमें बेहद गर्व है।

वॉशिंगटन डीसी में हैं सीतारमण

वित्त मंत्री ने ये बयान जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान दिया। वित्त मंत्री इस वक्त वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंट की मीटिंग में शामिल होने के लिए वॉशिंगटन डीसी में हैं।

एयरटेल की 8, जियो की 4 शहरों में सर्विस

भारत में फिलहाल एयरटेल 8 शहरों और रिलायंस जियो 4 शहरों में 5G सर्विस दे रही हैं। 8 शहरों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरू, हैदराबाद, सिलीगुड़ी, नागपुर और वाराणसी है। जियो ने जिन 4 शहरों में बीटा ट्रायल शुरू किए हैं उनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और वाराणसी है।

तेजी में बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।ग्लोबल मार्केट के पॉजिटिव संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बाजार तेजी में बंद हुआ। सेंसेक्स 684 अंकों की तेजी के साथ 57,919 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 171 अंक बढ़कर 17,185 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में तेजी रही। वहीं सिर्फ 10 शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स निगेटिव हैं, जबकि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स पॉजिटिव हैं। वहीं गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में शानदार तेजी देखने को मिली थी। डाओ जोंस 827 अंक चढ़कर 30,039 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि वहीं नैस्डैक 232 अंकों की बढ़त के साथ 10649 के स्तर पर बंद हुआ।

पुतिन के 'गैस केंद्र' प्रस्ताव का अध्ययन करेंगे तुर्किये, रूस

अंकारा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्किये और रूस ने अपने ऊर्जा विभागों को तुर्किये को यूरोप के लिए गैस केंद्र में बदलने के प्रस्ताव पर तकनीकी अध्ययन शुरू करने का निर्देश दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तुर्किये को काला सागर के नीचे से जा रही तुर्क स्ट्रीम गैस पाइपलाइन के जरिये और अधिक गैस निर्यात करने का विचार रखा है। बता दें कि बाल्टिक सागर की नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन के जरिये जर्मनी को गैस की आपूर्ति बाधित होने के बीच यह विचार रखा गया है।

तुर्किये के राष् ट्रपति रेसेप तैयन एर्दोगन ने कहा कि रूस और तुर्किये का ऊर्जा प्राधिकरण गैस वितरण केंद्र के लिए सर्वोत्तम स्थान को नामित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा यूनान और बुल्गारिया की सीमा से लगे तुर्किये का थ्रेस क्षेत्र इसके लिए सबसे अच्छा स्थान लग रहा है।एर्दोगन ने कहा, ''हमने पुतिन के साथ अपने ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय और रूस पक्ष की संबंधित संस्था को एक साथ काम करने का निर्देश दिया है।

स्विट्जरलैंड जा रहे ग्रेटर नोएडा के बिजनेसमैन को आबू धाबी एयरपोर्ट पर रोका

ग्रेटर नोएडा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पत्नी के साथ स्विट्जरलैंड घूमने जा रहे ग्रेटर नोएडा के एक बिजनेसमैन के साथ अजीबोगरीब घटना हुई है। पति-पत्नी को आबू धाबी एयरपोर्ट पर वहां की पुलिस ने रोक लिया। पत्नी को वापस भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। बिजनेसमैन को आबू धाबी पुलिस ने हिरासत में ले रखा है। वहां की पुलिस का कहना है कि एक अपराधी से उनकी शक्ल मिलती है। जिसकी तलाश आबू धाबी पुलिस कर रही है।

अब परिवार ने गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार, विदेश मंत्रालय और आबू धाबी में भारतीय दूतावास से मदद मांगी है। ग्रेटर नोएडा में हबीबपुर गांव के रहने वाले अतुल शर्मा ने बताया कि उनका भाई प्रवीण कुमार और भाभी उषा शर्मा सीमेंट व स्टील का कारोबार करते हैं। अंबुजा सीमेंट कंपनी ने दोनों पति-पत्नी को स्विट्जरलैंड के टूर पर भेजा था। यह दोनों थॉमस कुक टूअर्स लिमिटेड के जरिए 11 अक्टूबर को दिल्ली से स्विट्जरलैंड के लिए रवाना हुए। एतिहाद एयरवेज के हवाई जहाज से प्रवीण और उषा शर्मा को स्विट्जरलैंड जाना था। यह फ्लाइट बीच में आबू धाबी एयरपोर्ट पर रुकी। दरअसल, इन लोगों को आबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से स्विट्जरलैंड के लिए दूसरी फ्लाइट पकड़नी थी। तभी आबू धाबी पुलिस ने प्रवीण शर्मा को रोक लिया। उनसे कहा गया कि आपकी शक्ल एक अपराधी से मिलती है। प्रवीण की पत्नी उषा शर्मा को अबू धाबी से भारत के लिए डिपोर्ट कर दिया गया है।

अतुल शर्मा का कहना है कि उनके भाई प्रवीण का किसी अपराधी से कोई लेना-देना नहीं है। प्रवीण के खिलाफ कहीं कोई आपराधिक मुकदमा भी नहीं चल रहा है। वह सीधा साधा और सामान्य कारोबारी है। अबू धाबी पुलिस को गलतफहमी हुई है। उनके भाई को गलत ढंग से बंधक बनाकर रखा गया है। डीएम सुहास एलवाई ने बताया कि अबू धाबी पुलिस को कोई गलतफहमी हुई है। यह गलत पहचान का मामला है। प्रवीण शर्मा का किसी आपराधिक घटना से कोई सरोकार नहीं है। उनके पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य तमाम दस्तावेजों की जांच यहां करवा ली गई है। अब यह सारी जानकारी आबू धाबी में भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय को भेजी गई है। मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही प्रवीण शर्मा को आबू धाबी से भारत वापस भेज दिया जाएगा। दूसरी ओर प्रवीण शर्मा के परिजन इस घटना को लेकर बेहद परेशान हैं। दरअसल कई दिनों से परिवार के सदस्यों का प्रवीण शर्मा से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। वह आबू धाबी में किस हालत में हैं, किसी को कोई जानकारी नहीं है।

ई-कचरे का डंपिंग ग्राउंड न बन जाए भारत

उठाने होंगे बड़े कदम, दिल्ली की हालत सबसे खराब

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोबाइल, लैपटॉप, पीसी, टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर, मिक्सर, ग्राइंडर समेत न जाने कितनी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज हमारी जिंदगी को आसान बनाती हैं। हॉस्पिटल में मेडिकल जांच से लेकर ट्रेन की रफ्तार और हवाई जहाज की उड़ान इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से ही संभव हो पाती है। जैसे-जैसे हमारी जिंदगी में इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल सेवाओं पर निर्भरता बढ़ रही है। वैसे वैसे उसी अनुपात में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं अब कचरे की शक्ल भी ले रही हैं। यूनाइटेड नेशंस द्वारा जारी ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर 2020 रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में लगभग 5.36 करोड़ मीट्रिक टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा सामने आया था। रिपोर्ट के मुताबिक इस दशक के अंत तक यह 7.4 करोड़ मीट्रिक टन हो जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक 2019-20 में देश में 10 लाख 14 हजार 961.2 टन इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट पैदा हुआ। देश की राजधानी दिल्ली की ही बात करें, तो यहां हर साल दो लाख टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा पैदा होता है। यह देश में निकलने वाले कुल ई-वेस्ट का लगभग 10 फीसदी है।

2019 में एशिया में 2.49 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हुआ

2019 में अकेले एशिया में सबसे ज्यादा 2.49 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हुआ। पर्यावरण के लिए चनौती बन रहे इस संकट के समाधान के लिए हर साल 14 अक्टूबर

को इंटरनेशनल ई-वेस्ट डे मनाया जाता है। इस दिन इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट से निपटने के उपायों पर दुनिया भर के पर्यावरणविद् व वैज्ञानिक चर्चा करते हैं। भारत जिस तेजी से तकनीक आधारित डिजिटल इकोनॉमी की ओर कदम बढ़ा रहा है, उसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट भी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने है। ई-वेस्ट प्रबंधन नियम 2016 के तहत इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (ईईई) नोटिफाई किए गए हैं। ये उपकरण एक समय के बाद ई-वेस्ट में तब्दील हो जाते हैं। वेस्ट इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट फोरम द्वारा 2018 में इसकी शुरुआत की गई।

ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करना होगा

भारत समेत 32 देश इसके सदस्य हैं। इसमें 46 देशों के प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी ऑर्गेनाइजेशन को जगह दी गई हैं, इसका उद्देश्य दुनिया भर में ई-वेस्ट प्रबंधन की विशेषज्ञता साझा करना है। इस संस्था ने ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए उच्च गुणवत्ता के मानक विकसित किए हैं। यह स्टैंडर्ड ई-वेस्ट कलेक्शन, स्टोरेज, ट्रांसपोर्टेशन, उसके री-यूज, रीसाइक्लिंग से जुड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा रह चुकी हैं डॉ हरवीन कौर ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट प्रबंधन के लिए सस्टेनेबल इलेक्ट्रॉनिक्स रीसाइक्लिंग इंटरनेशनल (सेरी) ने आर-2 मानक तैयार किए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के सस्टेनेबल साइकिल कार्यक्रम के तहत ई-वेस्ट प्रबंधन को लेकर गाइडलाइन तैयार की हैं। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ई-वेस्ट का वर्गीकरण किया गया है। ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए मानक भी तैयार किए गए हैं। इस साल ई-वेस्ट डे को 'रिसाइकिल इट ऑल, नो मैटर हाउ स्माल थीम' दी गई है। यानी ई वेस्ट का आकार छोटा हो बड़ा, उसकी रिसाइकलिंग को प्रोत्साहित करना होगा। पिछले कुछ दशकों में जिस तरह पर्यावरण को लेकर दुनिया भर में संजीदगी बढ़ी है, उसे देखते हुए भारत जलवायु संकट के समाधान की पहल के केंद्र में है।

ई-वेस्ट प्रबंधन ईएसजी और पर्यावरणीय पहल का हिस्सा बने

पर्यावरण व ऊर्जा मामलों के जानकार और लेखक अरविंद मिश्रा अमर उजाला से चर्चा में कहते हैं कि देश में ई-वेस्ट प्रबंधन पर कई मोर्चे पर काम करना होगा। सबसे पहले संसाधनों के उचित उपयोग के लिए लोगों को संवेदनशील बनाना होगा। इससे लोग इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के बेतहाशा उपयोग से बचेंगे (रिड्यूस), इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के दोबारा इस्तेमाल के लिए (रीयूज) प्रोत्साहित होंगे। इसका तीसरा चरण रिसाइकिलिंग के रूप में सामने आता है।

इसके लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र को इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। दुनिया भर में कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए ईएसजी (एनवायरमेंट, सोशल एंड कॉर्पोरेट गवर्नेंस) रिपोर्टिंग अनिवार्य किया जा रहा है। ऐसे में ई-वेस्ट प्रबंधन को ईएसजी और पर्यावरणीय पहल का हिस्सा बने।

प्रदर्शनकारी छात्राओं को मानसिक रोगी बताकर भर्ती करा रहा ईरान

हिजाब विरोधी आंदोलन दबाने में पुलिस फेल, अब रेवल्यूशनरी गार्ड्स तैनात किए

महसा अमिनी

तेहरान, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान में लगभग एक महीने से चल रहा हिजाब विरोधी प्रदर्शन 30 शहरों में फैल चुका है। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद विरोध प्रदर्शनों पर रोक नहीं लग पा रही है। इस बीच ईरान के शिक्षा मंत्री का कहना है कि हिजाब का विरोधी करने वाली स्कूल और कॉलेज की छात्राओं की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा- ये सभी छात्राएं दिमागी रोग से ग्रसित हैं। इन छात्राओं को मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती कराया जा रहा है। जिससे इन छात्राओं में पनप रहे असामाजिक व्यवहार को दुरुस्त किया जा सके।

200 से ज्यादा लोग मारे गए

ईरानी पुलिस ने गुरुवार रात एक बार फिर कुर्दिस्तान में हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग और लाठी चार्ज किया। कुर्दिस्तान के 10 शहरों में उग्र प्रदर्शनों का दौर जारी है। पुलिस फायरिंग में अब तक 210 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दो हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कुर्दिस्तान के करनमशाह शहर में प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुई हैं। इस संघर्ष में दो पुलिस वालों के भी मारे जाने की जानकारी मिली है।

रेवोल्यूशनरी गार्ड्स तैनात किए गए

ईरान में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों को कुचलने में पुलिस पस्त हो चुकी है। राष्ट्रपति इब्राहीम रहीसी की सरकार की विफलता को देखते हुए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खमेनेई ने अब आंदोलन को कुचलने के लिए रेवोल्यूशनरी गाड्र्स (सेना की एक ब्रांच) को तैनात किया है। सबसे ज्यादा रेवोल्यूशनरी गाड्र्स कुर्दिस्तान में तैनात किए गए हैं।

प्रदर्शन के 4 कारण

16 सितंबर को जब ईरान में आंदोलन तेज हुआ तो पुलिस के पास ही हालात से निपटने की जिम्मेदारी थी, लेकिन इसके बाद पुलिस को हटा कर खमेनेई के विश्वासपात्र रेवोल्यूशनरी गाड्र्स को लगाया गया है। सरकार इनसे आंदोलन को दबाना चाहती है।

कैसे भड़की हिंसा

ईरान पुलिस ने 13 सितंबर को महसा अमिनी नाम की युवती को हिजाब नहीं पहनने के लिए गिरफ्तार किया था। तीन दिन बाद, यानी 16 सितंबर को उसकी मौत हो गई थी। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमिनी गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही कोमा में चली गई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट्स में कहा गया कि अमिनी की मौत सिर पर चोट लगने से हुई। पुलिस ने दावा किया कि अमिनी की मौत हार्टअटैक की वजह से हुई।

1979 से पहले शाह पहलवी के शासन में महिलाओं के कपड़ों के मामले में ईरान काफी आजाद ख्याल था।

8 जनवरी 1936 को रजा शाह ने कश्फ-ए-हिजाब लागू किया। यानी अगर कोई महिला हिजाब पहनेगी तो पुलिस उसे उतार देगी।

हिजाब पहनने की अनिवार्यता 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद लागू हुई

1941 में शाह रजा के बेटे मोहम्मद रजा ने शासन संभाला और कश्फ-ए-हिजाब पर रोक लगा दी। उन्होंने महिलाओं को अपनी पसंद की ड्रेस पहनने की अनुमति दी।

1963 में मोहम्मद रजा शाह ने महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया और संसद के लिए महिलाएं भी चुनी जानें लगीं।

1967 में ईरान के पर्सनल लॉ में भी सुधार किया गया जिसमें महिलाओं को बराबरी के हक मिले।

लड़कियों की शादी की उम्र 13 से बढ़ाकर 18 साल कर दी गई। साथ ही अबॉर्शन को कानूनी अधिकार बनाया गया।

पढ़ाई में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। 1970 के दशक तक ईरान की यूनिवर्सिटी में लड़कियों की हिस्सेदारी 30% थी।

1979 में शाह रजा पहलवी को देश छोड़कर जाना पड़ा और ईरान इस्लामिक रिपब्लिक हो गया।

शियाओं के धार्मिक नेता आयोतोल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी को ईरान का सुप्रीम लीडर बना दिया गया। यहीं से ईरान दुनिया में शिया इस्लाम का गढ़ बन गया। खोमेनी ने महिलाओं के अधिकार काफी कम कर दिए।

रिहाई की भीख मांग रहा सिख परिवार

हत्या का आरोपी, कोर्ट ने एक भी नहीं सुनी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में सिख परिवार की क्रूरता से हत्या करने वाला आरोपी इस वक्त अपनी रिहाई की भीख मांग रहा है। उसने कोर्ट में सुनवाई के दौरान खुद को निर्दोष बताया और जेल से छूटने की गुहार लगाई। हालांकि उसकी दलीलों का कोर्ट पर कोई असर नहीं हुआ और जमानत नहीं होने के कारण उसे फिलहाल जेल में ही रखा गया है। मामले में अगली सुनवाई नवंबर महीने में हो सकती है। आठ महीने की मासूम बच्ची और उसके माता पिता की क्रूरता से हत्या करने वाला 48 वर्षीय जीसस सालगाडो इस वक्त जेल की सलाखों के पीछे है।

उस पर सिख परिवार की हत्या का मुकदमा चल रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स है कि बीते गुरुवार को उसने कोर्ट में सुनवाई के दौरान खुद को निर्दोष कहा और जेल से रिहाई की मांग की। हालांकि कोर्ट में उसकी एक न चली और जमानत याचिका खारिज कर दी गई। फिलहाल वह जेल में ही है।

उम्र भर की सजा संभव

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट है कि अगर कोर्ट में वह दोषी करार हो जाता है तो ऐसी स्थिति में काफी संभावना है कि वह उम्र भर जेल की सजा पाए। केएफएसएन टीवी की रिपोर्ट की मानें तो मामले में अगली सुनवाई नवंबर महीने में होगी। गौरतलब है कि बीते तीन अक्टूबर को सालगाडो ने कथित तौर पर बंदूक की नोंक पर सिख परिवार का अपहरण किया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी। इससे पहले भी सालगाडो पर किनैपिंग और लूट के मामले दर्ज हैं। सालगाडो का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है।

बवाल के बीच कुर्दिश नेता अब्दुल लतीफ राशिद चुने गए राष्ट्रपति

बगदाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। इराक को नया राष्ट्रपति मिल गया है. लंबे गतिरोध के बीच राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुए. इराकी संसद ने कुर्दिश नेता अब्दुल लतीफ राशिद को राष्ट्रपति चुना है. बता दें कि राष्ट्रपति चुनाव के बीच ही राजधानी बगदाद के ग्रीन जोन पर कम से कम 7 मिसाइल हमले हुए, जिसमें कई लोग घायल हो गए. यहां चुनावों को लेकर लंबे समय से गतिरोध चल रहा था. लेकिन अब अब्दुल लतीफ राशिद के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद हिंसा कम होने की उम्मीद है.

उपद्रव होगा शांत?

इराक लंबे समय से अस्थिरता झेल रहा है. साल 2003 से ही युद्ध की विभीषिका झेल रहे इराक के अलग-अलग हिस्सों में लगातार आतंकी वारदातें होती रही हैं. कई बार प्रदर्शनकारियों ने संसद तक में बवाल काटा है. इस बीच, राष्ट्रपति चुनाव को लेकर पिछले एक साथ से गतिरोध चल रहा था. अलग-अलग धड़ों के नेता और उनके समर्थक बगदाद में उपद्रव कर रहे थे. ईरान समर्थित बड़े नेता ने राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा कर दी थी,

अलग-अलग जातीय समूह करता है नेतृत्व

बता दें कि इराक में अलग राजनीतिक व्यवस्था के तहत अलग-अलग जातीय समूह के नेताओं को गद्दी मिलती है. यहां राष्ट्रपति किसी दूसरे समुदाय का होता है, तो प्रधानमंत्री दूसरे समुदाय का. संविधान के मुताबिक, इराक में सर्वोच्च पद राष्ट्रपति का होता है. इस पद पर ईरान समर्थित शिया समहू की नजर थी.

आप विधायक शीतल अंगुराल को मिली धमकी

जालंधर (पंजाब), 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जालंधर वेस्ट से आप विधायक शीतल अंगुराल को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। ये धमकी वारिस पंजाब दे संगठन के चीफ अमृतपाल सिंह के खिलाफ दिए बयान को लेकर आई है। थाना डिवीजन नंबर-5 में विधायक की स्टेटमेंट पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच डीसीपी (सिटी) जगमोहन सिंह की सुपरविजन में चल रही है। वेस्ट हलके के विधायक अंगुराल ने बयान में कहा कि उनके मोबाइल पर फोन आया था।

पाकिस्तान की फिर हुई बेइज्जती

अमेरिका में वित्त मंत्री के सामने लगे चोर-चोर के नारे

वाशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में भले ही सत्ता बदल गई हो, लेकिन वैश्विक पटल पर उसका किरदार वैसा ही है। पहले भी पाकिस्तान को कई बार सार्वजनिक मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ा है, यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। खबर है कि अब अमेरिका में पाकिस्तान के वित्त मंत्री को भारी विरोध का सामना करना पड़ा है। लोगों ने उनके सामने चोर-चोर के नारे लगाए।

जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सालाना बैठक में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान लोगों ने खुलेआम उन्हें चोर व झूठा कहा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि पाकिस्तानी मंत्री को एक शख्स कह रहा है, तुम झूठे हो, चोर हो। इसके बाद उनके साथ चल रहा एक अधिकारी गुस्से में लाल हो जाता है।

वह लोगों को जवाब देने के लिए आगे बढ़ता है और गुस्से में कहता है, अपना मुंह बंद रखो। चिल्लाओ मत। इस दौरान दोनों में तीखी बहस भी हो जाती है। इससे पहले पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब को भी ऐसे ही विरोध का सामना करना पड़ा था। बात सितंबर महीने की है।

नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच बढ़ रही तकरार

बॉर्डर के पास उड़ रहे लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया लंबे समय से मिसाइल टेस्ट करता आ रहा है. एक तरफ किम जोंग की धमकियां और दूसरी तरफ मिसाइल परीक्षणों ने जमीन पर तनाव को कभी कम होने नहीं दिया. अब एक बार फिर उत्तर कोरिया में चल रही गतिविधियों ने दक्षिण कोरिया को चिंता में डाल दिया है. हालात ऐसे बन गए हैं कि दक्षिण कोरिया को बॉर्डर पर एफ-35 फाइटर जैट तैनात करने पड़ गए हैं.

नॉर्थ-साउथ कोरिया के बीच बढ़ता तनाव बताया जा रहा है कि सबसे पहले नॉर्थ कोरिया की तरफ से सुबह को एक लंबी दूरी वाली क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया गया था. उसके बाद साउथ कोरिया की सीमा के पास उससे वॉर प्लेन भी उड़ान भरते दिख गए. जब वो लड़ाकू विमान बॉर्डर के काफी करीब आ गए, साउथ कोरिया ने अपनी सुरक्षा को देखते हुए F-35 फाइटर जैट तैनात कर दिए. अभी के लिए दोनों देशों की तरफ से कोई हमला नहीं किया गया है, ऐसी स्थिति बनती भी नहीं दिख रही है. लेकिन लगातार हो रहे मिसाइल परीक्षणों ने दक्षिण कोरिया को अलर्ट कर दिया है. बड़ी बात ये है कि कुछ दिन पहले ही उत्तर कोरिया ने जापान के ऊपर से मिसाइल दागी थी. दावा जरूर किया गया कि पड़ोसी देश को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया, लेकिन जमीन पर स्थिति तनावपूर्ण बन गई. लगातार अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया की तरफ से चेतावनी दी जा रही है,

पिता नवाज शरीफ के कहने पर मरियम ने तुरंत छोड़ा पाक, लंदन रवाना

इस्लामाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज लाहौर हाई कोर्ट के एक आदेश के तहत पासपोर्ट लौटाए जाने के 24 घंटे से भी कम समय बाद 5 अक्टूबर को लंदन के लिए रवाना हो गई जहां पार्टी सुप्रीमो और पिता नवाज शरीफ रहते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिद्वंद्वी पीटीआई के लॉन्ग मार्च की तैयारियों और इसकी संभावित सफलता के बारे में सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट में चिंता व्यक्त करने के बाद उनके पाकिस्तान तुरंत छोड़ने का फैसला लिया गया।

..तो इसलिए मरियम ने लंदन में ली शरण

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इसलिए, मरियम ने अपने बाकी भाई-बहनों की तरह, लंदन में अपने पिता के साथ शरण ली। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा राजधानी इस्लामाबाद की ओर बढ़ने की आशंकाओं से प्रेरित था। पीएमएल-एन के नेतृत्व वाले गठबंधन का राजनीतिक रसूख कम हो रहा है प्रांतों में पीटीआई का प्रभाव बढ़ रहा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह के किसी भी संभावित राजनीतिक तूफान से बचने के लिए, सरकारी एजेंसियों ने नवाज शरीफ को बताया कि इस बात की काफी संभावना है कि खान अपने लंबे मार्च में सफल होंगे।

एक साथ पाकिस्तान लौटेंगे मरियम और नवाज शरीफ

पार्टी सूत्रों ने कहा कि पीटीआई के संभावित लॉन्ग मार्च की सफलता के मामले में मरियम नवाज को देश में रहने के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और शेयर किया कि पाकिस्तान में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब पीटीआई के इस्लामाबाद पर लंबे मार्च का असर कम हो जाएगा। पिता-बेटी की जोड़ी तीन साल बाद पिछले हफ्ते फिर से मिल गई क्योंकि वह नवाज शरीफ के साथ एक महीना बिताने के लिए यूके पहुंचीं, जो नवंबर 2019 से लंदन में हैं। इस यात्रा के दौरान उनको एक चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना होगा और अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह और नवाज शरीफ एक साथ पाकिस्तान लौटेंगे।

पहले से ही लंदन में हैं मरियम के तीन भाई-बहन

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मरियम को पार्टी के पुनर्गठन का काम सौंपा गया था और 16 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों के लिए प्रचार करने के लिए पंजाब के जिलों में जाने की उम्मीद थी, जिससे वो असहज थी।

मरियम लंदन में शरण लेने के लिए शरीफ परिवार की अगली संतान हैं क्योंकि उनके तीन भाई-बहन पहले से ही वहां हैं। सूत्रों ने कहा कि मरियम की उपस्थिति के साथ, नवाज शरीफ विदेश में अपने पूरे परिवार को सुरक्षित करने में कामयाब रहे हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शहबाज पाकिस्तान में हैं। सूत्रों ने कहा कि लॉन्ग मार्च की सफलता और संघीय सरकार के पतन की स्थिति में, प्रधानमंत्री और उनके बेटे सहित पाकिस्तान में पार्टी के नेताओं को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

अगले दो दिनों में खराब होगी हवा की सेहत, प्रदूषण का स्तर बढ़ने से कम हो सकती है दृश्यता

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम की बदली चाल के साथ अगले दो दिनों में दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता और खराब होने वाली है। बीते 24 घंटे में ही हवा की सेहत औसत श्रेणी में रही है। वायु मानक एजेंसियों का पूर्वानुमान है कि अगले 48 घंटे में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंचने की आशंका है। लिहाजा हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से दृश्यता में भी कमी आ सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, गुरुवार को दिल्ली का एक्यूआई 130 रहा। वहीं, 160 एक्यूआई के साथ ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे खराब दर्ज की गई है।

सीधी में दहेज प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने तीन बच्चों संग खाया जहर

जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे मासूम

सीधी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीधी में दहेज प्रताड़ना से तंग आकर एक मां ने अपने 3 बच्चों के साथ जहर खाकर जान देने की कोशिश की। हालांकि इस घटना के बाद मां की हालत तो ठीक है लेकिन उसके बच्चे जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। महिला के 2 बच्चों को इलाज के लिए रीवा के गांधी स्मृति चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। जहां गहन चिकित्सा इकाई में उनका इलाज चल रहा है। तीन बच्चे और शादी को करीब पांच साल का वक्त बीत जाने के बाद भी जब पति व ससुराल वालों के ताने और प्रताड़ना खत्म नहीं हुई तो महिला ने अपने तीनों बच्चों के साथ जहर खाकर खुदकुशी करने की कोशिश की। मां सहित सभी बच्चों की हालत बिगड़ते देख परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि पीड़िता ने महिला थाने में आवेदन देकर प्रताड़ना के खिलाफ शिकायत की थी लेकिन तब पुलिस ने इसपर ध्यान नहीं दिया और समझौता करा दिया था।

अब जब महिला ने बच्चों के साथ जहर खाकर खुदकुशी करने की कोशिश की है तो पुलिस ने महिला के पति व ससुरालवालों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना जिले के तरका (झरिया) गांव की है जहां रहने वाली निर्मला नाम की महिला की शादी 10 जून 2017 को लीलामणि नाम के शख्स के साथ हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद ही सास, ननद व पति लीलामणि द्वारा उसे दहेज में 60 हजार रुपए और बाइक नहीं लाने पर प्रताड़ित किया जाता था। लगातार प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने 21 जुलाई को महिला थाना में शिकायती आवेदन दिया, जहां पुलिस ने दोनों पक्षों में आपसी सुलह कराई थी। लेकिन कुछ दिन बाद उसे फिर प्रताड़ित किया जाने लगा। महिला थाना में दिए शिकायती आवेदन के अनुसार ससुराल वाले लगातार उसे प्रताड़ित कर उसके साथ अक्सर मारपीट करते थे। साथ ही दूसरी शादी कर लेने की धमकी देते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया था। महिला का नंदोई रामकृपाल जायसवाल निवासी बहरी भी इन लोगों के साथ मिलकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट करता था और दूसरी शादी करा देने की धमकी देता था। रोजाना होने वाली इसी प्रताड़ना से तंग आकर निर्मला ने तीनों बच्चों एक वर्षीय शुभम दो वर्षीय समन और चार वर्षीय सत्यम के जहर खा लिया। लेकिन इसकी भनक घरवालों को लग गई और सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दो बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए रीवा के गांधी स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

भाजपा नेता से चेयरमैन बनाने के नाम पर 40 लाख की धोखाधड़ी

रोहतक (हरियाणा), 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी से भाजपा के पूर्व सांसद व यूपी सरकार में पूर्व मंत्री रहे हरिनारायाण राजभर सहित तीन के खिलाफ 40 लाख की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि पूर्व सांसद ने अपने साथियों शरद जैन और राहुल नागर के माध्यम से भाजपा के रोहतक से ओबीसी सैल के जिला उपाध्यक्ष विकास बलियाना को एमएसएमई निर्यात संवर्धन परिषद हरियाणा का चेयरमैन बनाने का झांसा देकर पैसे लिए।

फर्जी डीआईजी बनकर पुलिस भर्ती के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

बरामद की ओएफएस स्टीकर लगी वर्दी

भुवनेश्वर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। फर्जी डीआईजी बनकर पुलिस भर्ती के नाम पर युवाओं को ठगने वाले एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पुलिस की वर्दी, एक मोबाइल फोन, एक नकली सोने की चैन, एक अंगूठी के साथ-साथ 12 हजार रुपये की नकद बरामद हुए है। आईपीएस अधिकारी बताकर ठगने वाले आरोपी ने पुलिस की वर्दी पर ओएफएस लिखा था जिससे वह संदेह के घेरे में आया। जिसके बाद पुलिस ने धर दबोचा तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने पकड़े गए फर्जी डीआईजी का नाम सुजीत पढ़ियारी बताया है। सुजीत जाजपुर जिले के सुजानपुर

इलाके का रहने वाला है। यह बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देता था। उसने फर्जी डीआईजी बनकर कटक, भुवनेश्वर समेत आदि जिले के युवाओं का पुलिस में भर्ती कराने का झांसा दिया और उनसे लाखों रुपयों की ठगी की। पकड़ा गया सुजीत पिछले कुछ समय से केंद्रझार जिले में एक्टिव था। वह केंद्रझार में युवाओं को ठगी का शिकार बना रहा था। उसी दौरान एक शख्स को उसपर शक हो गया और उसने मामले की शिकायत घटगांव पुलिस थाने में दर्ज कराई। सूचना के आधार पर घाटगांव पुलिस ने केंद्रझार की एक लॉज में छापेरी की। यहां से सुजीत को गिरफ्तार कर लिया।

इस तरह करता था ठगी

'मैं पुलिस डीआईजी हूं. मुझे पैसा दो पुलिस में भर्ती करा दूंगा.' कुछ तरह ओडिशा में लोगों को ठगा जा रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अभी तक नौकरी के नाम दर्जनों युवाओं को ठग चुका है। इसने कटक, भुवनेश्वर, जाजपुर, केंदुझार आदि जिलों में अपना नेटवर्क फैलाया हुआ था। अभी पुलिस ठगी के शिकार हुए अन्य की तलाश कर रही है।

पंजाब बॉर्डर पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, बीएसएफ ने फायरिंग कर मार गिराया

गुरदासपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपने हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आए दिन किसी न किसी तरह की उल्टी-सीधी हरकत करता रहता है। पंजाब के गुरदासपुर इंडो-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। घटना की सूचना लगभग 4 130 बजे दी गई है। ड्रोन पाकिस्तान से भारत की खेप ले जा रहा था। डीआईजी बीएसएफ मौके पर पहुंच गए है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी शुरू हो गई है। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी है।

इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू

अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने पंजाब के गुरदासपुर सेक्टर में तड़के 4,35 बजे इंटरनेशनल बॉर्डर पर पाकिस्तान की तरफ से भारत में घुसे एक ड्रोन को मार गिराया। पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

घुसपैठ की कोशिश

मिली जानकारी के मुताबिक, पंजाब के गुरदासपुर सेक्टर में तड़के 4,35 बजे इंटरनेशनल बॉर्डर पर पाकिस्तान की तरफ से एक ड्रोन आता दिखाई दिया। जिसे देखते ही बीएसएफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मार गिराया है। ड्रोन ने पंजाब सेक्टर के अजनाला इलाके में घुसपैठ की कोशिश की। बीएसएफ 73 बीएन ने अलग-अलग हथियारों से 3 लाइट राउंड और 17 राउंड गोलियां चलाईं। जिसके बाद ड्रोन पेड़ में फंसा और गिर गया। बीएसएफ पंजाब के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

10 दिन पहले भी की थी कोशिश

इससे पहले भी गुरदासुपर जिले के डेरा बाबा नानक सेक्टर में 5 बार पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की। सोमवार रात 10,22 बजे से 2,52 बजे के बीच ड्रोन पांच बार भारतीय एरिया में आया। ड्रोन की आवाज सुनकर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों ने इलू बम का इस्तेमाल किया और 33 राउंड फायरिंग की जिसके बाद ड्रोन लौट गया। एक ही रात में 5 बार हुई घुसपैठ के दौरान बीएसएफ जवानों ने ड्रोन की आवाज की तरफ 33 राउंड फायर किए गए और रोशनी के लिए 11 इलू बम इस्तेमाल किए। इसके बाद पूरे इलाके में सर्च शुरू कर दी गई।

देवदासी यानी देवता से शादी कराकर यौन शोषण

प्रेग्नेंट होने पर भीख मांगने के लिए छोड़ देते हैं, क्या है मंदिरों की देवदासी प्रथा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 80,000 देवदासियां हैं

बेंगलूरु, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवदासी यानी देवों की वे कथित दासियां जिन्हें धर्म के नाम पर सेक्स स्लेव बनाकर रखते हैं। उम्र ढलते ही भीख मांगने के लिए छोड़ दिया जाता है। चौंकिए मत। ये प्रथा राजा-महाराजाओं के समय की बात नहीं, आज का भी सच है।

देवदासियों का गढ़ यानी बेंगलुरु से तकरीबन 400 किलोमीटर दूर स्थित उत्तरी कर्नाटक का जिला कोप्पल। पूर्णिमा की रात और चांद की रोशनी से नहाया हुलगेम्मा देवी का मंदिर भक्तों से खचाखच भरा है। हुदो, हुदो...श्लोक चारों ओर हवा में तैर रहे हैं। इस श्लोक का उच्चारण करने वाली हर तीसरी महिला के गले में सफेद और लाल मोतियों की माला यानी मणिमाला है। हाथों में हरे रंग की चूड़ियां और चांदी के पतले कंगन हैं।

वे दीये जला रही हैं। उनके हाथ में बांस की एक टोकरी है। जिसे यहां के लोग पडलगी कहते हैं। इसमें हल्दी-कुमकुम, अनाज, सब्जी, धूप, अगरबत्ती, सुपारी, पान पत्ता, केला और दक्षिणा रखी है। वे देवी मां को पडलगी में रखे सामान अर्पित कर रही हैं। मंदिर में मौजूद बाकी लोगों से इनकी पहचान अलग है। वहां मौजूद एक शख्स से पूछने पर पता चलता है कि ये महिलाएं देवदासी हैं।

इन्हें पूर्णिमा की रात का खास इंतजार होता है। अपनी देवी को खुश करने के लिए वे इस मंदिर में आती हैं।

मंदिर में इधर-उधर नजर दौड़ाई। 22 साल की बसम्मा मंदिर में अराधना कर रही हैं। पूछने पर कहती हैं- तीन साल पहले देवदासी बनी हूं। माता-पिता ने बुढ़ापे के सहारे की वजह से देवदासी बना दिया। तब से यहीं भीख मांगकर गुजर-बसर कर रही हूं।

यहां से तकरीबन 15 किलोमीटर चलने पर मिलता है विजयनगर जिले का उक्करकेरी गांव। इसे देवदासियों का गढ़ कहते हैं। संकरी गलियों के बीच पांव पसारने की जगह जितनी झोपड़ी, जहां वह अपने पांच बच्चों के साथ रहती हैं। नहाना, खाना और सोना सब कुछ उसी झोपड़ी में। जमीन में छोटा सा गड्ढा खोदकर चटनी पीसने का जुगाड़ कर रखा है।

लक्ष्मी की बेटी जया कहती हैं, 'एक बार जोर से बारिश आ जाए, तो झोपड़ी में पानी घुस आता है। क्या खाएं, कहां रहें समझ नहीं आता। आप ही बताइए हम मर जाएं क्या? आंखों में आंसू भरे जया कहती हैं, 'हमारा तो ये हाल है कि अपने पिता का नाम भी नहीं पता है। जिन्हें अगर पता भी है, वो डर के मारे नाम नहीं लेगा, क्योंकि वो पिता या तो कोई पंडित है या गांव का मुखिया या फिर कोई दबंग। जिसने किसी सामान की तरह मां को भोगा और जब मन भर गया तो छोड़ दिया।'

यहां से आगे बढ़ी, तो हल्के हरे रंग की साड़ी में घर के बाहर बैठी मिलीं उल्लीम्मा। उम्र तकरीबन 50 साल। कहती हैं- हम 6 बहनें थीं। दो को माता-पिता ने देवदासी बना दिया और चार की शादी कर दी थी। मेरा पुरोहित तीन साल तक साथ रहा। उससे मुझे दो बच्चे हुए। उसके बाद उसने मुझे छोड़ दिया।

मैंने गुजारा कैसे किया है, मैं ही जानती हूं। जंगल से 50-50 किलो लकड़ी लेकर आती थी। उनके बंडल बनाती और शहर जाकर बेचती। एक दिन के ज्यादा से ज्यादा दस रुपए ही मिलते थे। कई बार तो बच्चे भूखे ही रह जाते थे। भीख मांगकर गुजारा करना पड़ा। देवदासी होने की वजह से जो कष्ट मुझे मिला वो किसी औरत को न मिले। इस धरती का सबसे बड़ा श्राप देवदासी होना है।

कर्नाटक राज्य देवदासी महिडेयारा विमोचना संघ की स्टेट वाइस प्रेसिडेंट के. नागरतना बताती हैं कि दक्षिण भारत में सैकड़ों स्थानीय देवियां हैं, जिनके नाम पर लड़कियों को देवदासी बनाया जाता है। उनमें तीन देवियां मुख्य हैं। हुलगीम्मा, येलम्मा और होसुरम्मा। ये तीनों बहनें हैं।

देवदासियों के लिए कोई तय उम्र नहीं है। पांच साल की लड़की भी देवदासी बन सकती है और दस साल की भी। देवदासी बनने वाली लड़कियां दलित परिवार की ही होती हैं। इन्हें सदा सुहागिन समझा जाता है। पार्वती की बहनें और शिव की दूसरी पत्नी भी कहा जाता है। शादी-ब्याह में सबसे पहले पांच देवदासियों को खाना खिलाया जाता है। आज भी उचिंगिम्मा के मंदिर में हर साल त्योहार होता है, जहां देवदासियों के बदन पर सिर्फ नीम के पत्ते बांधे जाते हैं और इन्हें देवी के रथ के साथ चलना होता है।

दलित हकुगढ़ समिति शोषण मुक्ति संघ के ताल्लुका प्रधान सत्यमूर्ति बताते हैं ये परंपरा सालों से चली आ रही है। यहां के मियाजखेरी गांव में तो एक वक्त ऐसा था कि जो भी लड़की पैदा होती, उसे देवदासी बनना ही होता था।

आखिर दक्षिण भारत में ही क्यों है देवदासी परंपरा

डॉ. अमित वर्मा कहते हैं कि देवदासी परंपरा उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत के मंदिरों में मजबूती के साथ डेवलप हुई। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह रही उत्तर भारत में लगातार विदेशी आक्रमणकारियों का आते रहना। उन्होंने मंदिरों को काफी नुकसान पहुंचाया। ऐसे में यहां मंदिर संस्कृति वैसी विकसित नहीं हो सकी जैसे दक्षिण भारत में हुई।

दक्षिण भारत के मंदिर पूजा-पाठ के साथ संस्कृति, कला, नृत्य, अर्थ और न्याय के भी केंद्र हुआ करते थे। भरतनाट्यम, कथक जैसे नृत्य मंदिरों से ही निकले। इन्हीं मंदिरों से देवदासी परंपरा भी निकली।

शुरुआत में देवदासियों की स्थिति बहुत मजबूत हुआ करती थी। समाज में उनका सम्मान था। तब देवदासियां दो प्रकार की थीं। एक जो नृत्य करती थीं और दूसरी जो मंदिर की देखभाल करती थीं। अमित वर्मा कहते हैं कि पहले लोग ज्यादा बच्चे पैदा करते थे, लेकिन बीमारी और सही इलाज नहीं मिलने की वजह से बहुत कम बच्चे ही जीवित बचते थे।

ऐसे में उनके माता-पिता मंदिरों में जाकर मन्नतें मांगने लगे कि मेरी संतान जीवित बची तो एक बच्ची को देवदासी बनाएंगे। दक्षिण भारत के मंदिरों में इसके लिए देवदासी समर्पण का भव्य उत्सव होता था।

कुंवारी कन्या का विवाह मंदिर के देवता से कराया जाता था। इसके बाद उसे मंदिर की सेवा के लिए रख लिया जाता था। बदले में उसे थोड़ी-बहुत आर्थिक मदद मिलती थी।

हर देवदासी के लिए मंदिर में पुरोहित होते थे। देवता से मिलाने के नाम पर वे देवदासियों के साथ संबंध बनाते थे। धीरे-धीरे उनकी आर्थिक स्थिति खराब होती चली गई और वे अपना गुजारा चलाने के लिए वेश्यावृति करने पर मजबूर हो गईं। दंबग और रसूख वाले लोग जबरन अपनी पसंद की लड़कियों को देवदासी बनाने लगे।

देवदासियों के अलग-अलग नाम, कहीं महारी तो कहीं राजादासी

दक्षिण भारत के अलग-अलग भागों में देवदासियों को अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है। ओडिशा में इन्हें महारी यानी महान नारी कहते हैं, जो अपनी वासनाओं पर नियंत्रण रख सकती हैं।

कर्नाटक में इन्हें राजादासी, जोगथी और देवदासी कहा जाता है। महाराष्ट्र में मुरली, भाविन, तमिलनाडु में चेन्नाविडू, कन्निगेयर, निथियाकल्याणी, रूद्रा दासी, मणिकट्टर, आंध्र प्रदेश में भोगम, बासवी, सनि, देवाली, कलावंथाला और केरल में चक्यार, कुडिकय्यर कहा जाता है।

सरकार ने रोक लगा रखी है, लेकिन कर्नाटक में ही इनकी संख्या 70 हजार से ज्यादा

कर्नाटक सरकार ने 1982 में और आंध्र प्रदेश सरकार ने 1988 में इस प्रथा को गैरकानूनी घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 2013 में बताया था कि अभी भी देश में 4,50,000 देवदासियां हैं।

जस्टिस रघुनाथ राव की अध्यक्षता में बने एक कमीशन के आंकड़े के मुताबिक सिर्फ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 80,000 देवदासियां हैं।

कर्नाटक में सरकारी सर्वे के मुताबिक राज्य में कुल 46,000 देवदासियां हैं। सरकार ने केवल 45 साल से ऊपर की देवदासियों की ही गिनती की है।

कर्नाटक राज्य देवदासी महिडेयारा विमोचना संघ के मुताबिक इनकी गिनती 70,000 है।

सरकार से 1500 रुपए मिलते हैं और राशन में सिर्फ चावल। खाने का बाकी सामान खुद अपने पैसे से इन्हें लाना होता है।

राहुल गांधी ने पानी की टंकी पर चढ़कर फहराया तिरंगा

कर्नाटक में बोले- कन्नड़ भाषा का सम्मान हो, अबतक की 925 किमी की यात्रा

बेंगलुरु, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पानी की टंकी पर चढ़कर देश का तिरंगा फहराया। इस दौरान उनके साथ पूर्व सीएम सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार भी मौजूद थे। राहुल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कन्नड़ भाषा का सम्मान होना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। अब यह कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में पहुंच गई है। गुरुवार को इसका 36वां दिन था। राहुल 12 राज्यों की यात्रा करते हुए कश्मीर जाएंगे। अब तक उन्होंने 925 किमी की यात्रा तय की है।

पार्टी का बैनर देखते ही राहुल टंकी में चढ़े

राहुल गांधी चित्रदुर्ग में एक जगह से गुजर रहे थे, तभी उन्हें पानी की टंकी में पार्टी का बैनर और झंडा दिखा। वे पानी की टंकी पर चढ़ने लगे। इसके बाद कई कार्यकर्ता भी उनके पीछे-पीछे आ गए। राहुल ने टंकी पर चढ़कर देश का तिरंगा फहराया और कुछ मिनट बाद उतर आए।

कन्नड़ को लेकर उठे विवाद के बीच राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस को लगता है कि वे कर्नाटक के इतिहास पर हमला कर सकते हैं। लेकिन अगर कोई भी ऐसा करता है तो उन्हें कांग्रेस पार्टी की पूरी ताकत का सामना करना होगा।

राहुल ने आगे कहा कि भाजपा कन्नड़ को सेकेंडरी लैंग्वेज समझती है। इसका सम्मान नहीं करना चाहती, लेकिन कांग्रेस के लिए ये भाषा भी प्राइमरी है। अगर कर्नाटक के लोग कन्नड़ बोलना चाहते हैं, केरल के लोग मलयालम और तमिलनाडु के लोग तमिल बोलना चाहते हैं तो उन्हें इसकी फ्रीडम होनी चाहिए।

तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों कर्नाटक में है। यहां से यात्रा तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब होते हुए केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर तक जाएगी। राहुल की यह यात्रा करीब 3570 किमी की है। इस यात्रा के जरिए कांग्रेस 372 लोकसभा सीटों पर फोकस कर रही है। यात्रा का कॉन्सेप्ट महात्मा गांधी के 'दांडी मार्च' से लिया गया है। इसे जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी दिग्विजय सिंह को दी गई। वे 2017 में 3300 किलोमीटर की 'नर्मदा परिक्रमा' कर चुके हैं। दिग्विजय की अध्यक्षता में भारत जोड़ो प्लानिंग कमेटी बनी। हर राज्य में कोऑर्डिनेटर बनाए गए। इसके बाद हर जिले में एक टीम तैयार हुई। दिल्ली में भी 20 से ज्यादा लोग प्लानिंग से जुड़े रहे।

सरकारी स्कूल के बच्चे अब भी आ रहे पुरानी ड्रेस में

4 माह पहले बदली गयी थी पोशाक

पूर्वी सिंहभूम, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार की ओर से शैक्षणिक सत्र 2022-23 में सरकारी स्कूलों में बच्चों की ड्रेस में बदलाव किया गया। इस संबंध में 18 जुलाई, 2022 को राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को पत्र भेजकर अलग-अलग कक्षाओं के लिए नये सिरे से निर्धारित ड्रेस के मापदंड की जानकारी दी थी। 21 सितंबर को राज्य परियोजना निदेशक ने एक और पत्र जारी कर छात्र-छात्राओं के स्वेटर का रंग निर्धारित करने की जानकारी दी। इसके तहत सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के लिए स्वेटर का रंग आसमानी नीला होगा। लेकिन, पूर्वी सिंहभूम जिले में अक्तूबर के दूसरे हफ्ते तक सरकारी स्कूलों में अधिकांश बच्चे पुरानी ड्रेस में आ रहे हैं। नयी ड्रेस की खरीद नहीं हो सकी है।

स्कूली बच्चों के बैंक अकाउंट खोलने का निर्देश

परियोजना निदेशक का दावा है कि ड्रेस के लिए जिलों को राशि आवंटित कर दी गयी है। खरीदारी के लिए गाइडलाइन तय है।

लेकिन, डीइओ का कहना है कि जिन बच्चों का खाता उपलब्ध हैं, उन्हें पोशाक खरीदने के लिए राशि भेज दी गयी है। कक्षा एक-दो के बच्चों के लिए स्कूल प्रबंधन समिति को राशि का भुगतान किया गया है। जिन बच्चों का बैंक अकाउंट नहीं है। उन्हें खाता खोलने अथवा अपने अभिभावकों के खाते में नाम जोड़ने के लिए कहा गया है, ताकि खाते में पैसा भेजा जा सके। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने बताया कि पोशाक के मद में 600 रुपये आवंटित किये गये हैं। नये नामांकित बच्चों के नाम पर अब तक आवंटन नहीं आया है। जिन बच्चों को राशि मिली है, वह इस राशि में दो जोड़ी ड्रेस, जूता, मोजा नहीं खरीद पा रहे हैं। बड़े बच्चों की ड्रेस और महंगी है। इस कारण बच्चे पुरानी ड्रेस में आ रहे हैं। हाइस्कूल के शिक्षकों का भी कहना है कि विद्यालय में छात्र-छात्राएं पुरानी पोशाक में ही आ रहे हैं। अब तक पोशाक की राशि नहीं मिली है। इस संबंध में पूर्वी सिंहभूम जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी बरेलिया ने कहा कि सरकारी स्कूलों में बच्चे के पोशाक के लिए राशि आवंटित की गयी है। जिन बच्चों का बैंक खाता है। उन्हें पैसे भेज दिये गये हैं। ड्रेस के लिए निर्धारित 600 रुपये में गुणवत्तायुक्त पोशाक नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या को लेकर विभागीय बैठक में ध्यानाकर्षित कराया गया है। राशि में बढ़ोतरी की मांग की गयी है।

वहीं, राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने कहा कि जिलों को राशि आवंटित कर दी गयी है। नयी ड्रेस की खरीद के लिए नियमावली भी स्पष्ट है। कक्षा एक और दो के बच्चों की पोशाक खरीद की राशि विद्यालय प्रबंधन समिति के खाते में भेजी जानी है।

दुर्ग की फैक्ट्री में भीषण आग

दुर्ग/भिलाई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित एक मेटल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि उसके बगल की केमिकल फैक्ट्री में पहले आग लगी थी। मगर वो बुझी नहीं और मेटल फैक्ट्री तक पहुंच गई। घटना के वक्त कर्मचारी अंदर काम कर रहे थे वो किसी तरह से वहां से भागे। आग इतना भीषण थी कि उसका गुबार दूर तक दिखाई दिया। मामला भिलाई-03 थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे के आस-पास भिलाई के औद्योगिक क्षेत्र हथखोज स्थित थेथस केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगी थी। उसके ही बगल में सार्थक मेटल्स नाम से भी एक फैक्ट्री है। इससे पहले केमिकल फैक्ट्री के लोग कुछ कर पाते या आग को बुझाया जाता, आग पूरी तरह से फैल गई और मेटल फैक्ट्री में जा पहुंची।

घटना के वक्त दोनों ही फैक्ट्री में कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। उन्होंने तुरंत ही इस बात की सूचना प्रबंधन को दी और मौके से जान बचाकर भागे। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। इसके अलावा पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची थीं। दमकल की गाड़ियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। बताया गया गया है कि दोपहर के वक्त केमिकल फैक्ट्री के कर्मचारी अंदर वेल्डिंग का काम कर रहे थे। उसी दौरान आग एक केमिकल के डिब्बे में लगी। इसके बाद वह आग फैलती गई। कर्मचारी वहां से किसी तरह से भागे। चूंकि आग केमिकल के डिब्बे में लगी थी। इसी वजह से आग फैल गई और बगल की मेटल फैक्ट्री तक जा पहुंची।

लड़कियों में ड्रग्स की ऐसी लत कि बेचने लगीं शरीर

बोलीं- जो भी रुपए मिलते हैं, पहले ड्रग्स खरीदती हूं, फिर खाना

अमृतसर, 14 अक्टूबर। शाम गहराते ही सड़क किनारे खड़ी हो जाती हूं। अगर कोई 'बंदा' लगातार देख रहा हो, तो पास बुलाती हूं। जाते हुए वे जो पैसे देते हैं, उससे दो दिन का चिट्टा (ड्रग्स) जुट जाता है। बचे पैसों से खाना खरीद लेती हूं।

जब तोड़ उठती है (नशे की तलब) तो कुछ नहीं सूझता। मैं तो फिर भी अपना शरीर बेचती हूं। कितने लोग हैं, जो घरबार, यहां तक कि बीवी के गहने-कपड़े तक बेच देते हैं। कल ही एक दोस्त बीवी की एकदम नई जूतियां बेचने निकला था। 2 सौ रुपए के लिए।

पंजाब में पुरुषों के बाद लड़कियां भी इस कदर ड्रग्स की चपेट में हैं कि इसके लिए वे अपनी देह बेचने पर मजबूर हैं।

रात के करीब 10 बजे का वक्त। मानसिंह चौक पर बाजार के अंधेरे कोने में बैठी हूं, नशेड़ी झूमते हुए बगल से निकल रहे हैं। ड्रग्स, पसीने और पेशाब की मिली-जुली गंध नाक से होते हुए दिमाग तक घुस चुकी, लेकिन निधि का चेहरा बिल्कुल सपाट है। बीते 7 महीनों से चिट्टा ले रही 19 साल की ये लड़की अपनी कहानी ऐसे सुनाती है, जैसे सब्जी मंडी में आलू का भाव बता रही हो।

निधि अपनी धूल सनी चप्पलों की तरफ इशारा करते हुए कहती है, 'ये एक आंटी से मांगी है। मेरे पास चप्पल नहीं है। एक चुन्नी भी लेनी है, फुलकारी वाली। दिवाली पर पहनूंगी। आप पैसे दे सकेंगी क्या?'

पीजीआई चंडीगढ़ की ताजा स्टडी के मुताबिक पंजाब में हर 7वां शख्स नशे की गिरफ्त में है। निधि यही 7वीं लड़की है। जब हम उनसे मिले, वह सड़क किनारे ग्राहक का इंतजार कर रही थी, ताकि रात की डोज का इंतजाम हो सके। बड़े मान-मनौवल के बाद बातचीत के लिए राजी होती है। 'जो पूछना है, जल्दी पूछ लीजिए, मुझे जाना है', ये कहते हुए बात शुरू करती है तो घंटेभर से ज्यादा बैठी रह जाती है।

जब समझ बनी, खुद को कूड़े के ढेर के पास पाया। जिस कूड़े के पास से निकलते लोग सांस रोक लेते, वही हमारी सांसें चलाता। मैं कचरा बीनकर बेचती। मम्मी-पापा हैं नहीं। सड़क पर ही पली-बढ़ी। घूमने आने वाले कुछ न कुछ दे देते। रात में गोल्डन टेंपल जाकर सो जाती। यही रुटीन था।

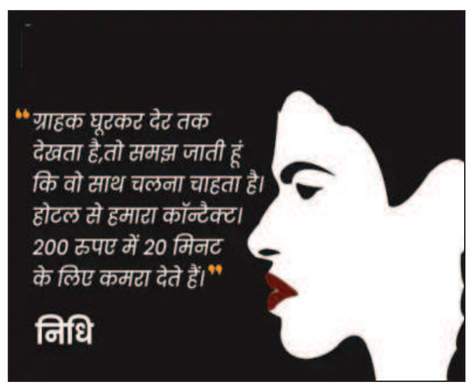

थोड़ी-बहुत पढ़ाई भी की, फिर छोड़ दी। क्यों? क्योंकि बाकी बच्चे मजाक उड़ाते थे कि पढ़कर भी क्या कर लेगी। 10वीं में थी तब। इसके बाद एक होटल में नौकरी की, लेकिन चोर कहकर उन्होंने बाहर निकाल दिया। एक घर में भी काम किया, वहां भी यही हुआ। तब से सड़क पर ही हूं।

ड्रग्स की लत कैसे लगी?

अक्सर गोल्डन टेंपल जाकर सोती थी। कई बार होटल के कमरे में रात बीतती, कभी सड़क किनारे भी। घर पर सोना क्या होता है, ये पता नहीं था। एक बार एक आंटी मिलीं। कहा कि मेरी भी तेरे जैसी बेटी है। तू मेरे घर सोने चली आ। किराया मत देना। सौदा (राशन) लाने के लिए कुछ दे देना।

मैं पहुंची तो देखा कि आंटी-अंकल और उनकी बेटी तक ड्रग्स लेते थे। फिर एक रात उन्होंने ने चिट्टा देते हुए कहा कि इससे बढ़िया नींद आएगी। वो पहली बार था। अगली सुबह दोबारा लिया। फिर तीसरी बार। इसके बाद आदत लग गई।

धीरे-धीरे मैं नशे के अड्डे जानने लगी। समझने लगी, कहां, कौन-सा माल मिलेगा। कौन ज्यादा सस्ते में ज्यादा बढ़िया माल देता है। चिट्टा लेती और यहीं बस अड्डे के पास लेडीज टॉयलेट में बैठकर कश ले लेती। कमी पड़ती तो इतनी सवारियां आती-जाती हैं, किसी को भी पकड़ लेती।

पास ही में सुल्तानविंड है। वहां कई होटल हैं, जो 200 से 500 रुपए में 20 मिनट के लिए कमरा देते हैं। उनसे हमारा कॉन्टैक्ट है। इसमें से कुछ हिस्सा होटल वाले हमें देते हैं।

अब तोछोड़ना भी चाहूं तो छूटती नहीं। तोड़ बजती है। उल्टियां होने लगती हैं। बुखार हो आता है। कुछ भी मुंह के अंदर नहीं जाता। पैरों में इतना दर्द रहता है कि खड़ी नहीं हो सकती। कहीं भी सोऊं, कोई न कोई हाथ टटोलता चला आता है। अब तो लगता है कि दुनिया में कोई अच्छा है ही नहीं। और हो भी तो 'मुझ जैसी से' शादी नहीं करेगा! रिहैबिलिटेशन सेंटर क्यों नहीं जातीं। वहां जाने से चिट्टा छूट जाएगा।''नहीं! जो भी वहां जाता है, लौटकर दोगुना नशा करने लगता है। मैंने सुना है, वहां बहुत पिटाई होती है। मां-बाप भी मारते हैं।

इसी मुद्दे पर पंजाब के वरिष्ठ पत्रकार जसबीर सिंह पट्टी कहते हैं- हमारे यहां रिहैब कामयाब नहीं हैं, क्योंकि वहां काउंसलिंग नहीं होती। लोगों को भर्ती करना, या दवाएं देना काफी नहीं। उनके मन को भी तैयार करना होगा। वे नशा छोड़ें, लेकिन क्यों, इसकी वजहें जुटानी होंगी।

महीनेभर पहले ही एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ, जो नशे के कारण खड़ी तक नहीं हो पा रही थी। उसे रिहैब सेंटर भेजा गया, लेकिन वो वहां से भाग आई और फिर ड्रग्स लेने लगी। उसकी काउंसलिंग होती तो शायद ऐसा नहीं होता।

जसबीर सिंह जिस लड़की की बात कर रहे हैं, हमने उनसे भी मुलाकात की। ट्रैक सूट और ब्रांडेड जूते पहनी अमृता को देखकर कोई अंदाजा भी न लगा सके कि वो नशे में हैं, जब तक कि करीब से न देखे।

अमृता याद करती हैं- 16 साल की थी, जब घरवालों से झगड़कर अमृतसर आई। यहीं एक लड़के ने चिट्टे की लत लगा दी। अब 23 की हूं। फैमिली छूट गई। पति छूट गया। नशा छूटता ही नहीं।

चंडीगढ़ पीजीआई के मुताबिक पंजाब में एक लाख महिलाओं में नशे की लत

सर्वे के मुताबिक पंजाब में 41 लाख लोगों ने जीवन में कम से कम एक बार वैध या अवैध नशा किया है। पूरे जीवन नशे का इस्तेमाल करने वालों यानी नशे के लती लोगों में 40 लाख पुरुष हैं तो एक लाख महिलाएं।

पंजाब में कुल 31 सरकारी नशा उन्मूलन केंद्र हैं। इनमें केवल एक महिलाओं के लिए है। महिलाओं में ड्रग्स की बढ़ती लत की वजह से 2019 में पंजाब सरकार ने सरकारी नशा उन्मूलन केंद्र में अलग महिला वार्ड बनवाने शुरू किए। लेकिन नशेबाज भी बढ़ते जा रहे हैं।

हरियाणा में सब इंस्पेक्टर के हत्यारे को फांसी

रेवाड़ी कोर्ट ने सुनाई ऐतिहासिक सजा, 4 साल पहले गोली मार की थी हत्या

रेवाड़ी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में एडिशनल सेशन जज की कोर्ट ने कत्ल के दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। 4 साल पहले यहां हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर रणबीर सिंह का कत्ल हुआ था। उस वक्त वह सीआईए-2 के इंचार्ज थे। शराब ठेकेदार मर्डर के वांटेड नरेश धारूहेड़ा ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसी केस में नरेश को फांसी की सजा दी गई। बता दें कि 15 नवंबर 2018 को धारूहेड़ा सीआईए-2 के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर रणबीर सिंह को सूचना मिली थी कि शराब ठेकेदार की हत्या और दूसरे मामले में वांछित खरखड़ा निवासी नरेश धारूहेड़ा के औद्योगिक क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलने के बाद सब इंस्पेक्टर रणबीर सिंह अपनी टीम के साथ नरेश की गिरफ्तारी के लिए रवाना हो गए। धारूहेड़ा-भिवाड़ी बॉर्डर के समीप अलवर बाइपास के निकट पुलिस ने नरेश को घेर लिया। इसी दौरान उसने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में सब इंस्पेक्टर रणबीर के पेट के ऊपरी हिस्से में गोली लगी थी। पुलिस ने क्रॉस फायरिंग करते हुए नरेश को गिरफ्तार कर लिया था। रणबीर को घायलवास्था में एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया था, जहां रणबीर सिंह ने दम तोड़ दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए नरेश से पूछताछ की तो उसे हथियार उपलब्ध कराने वाले मोदी नगर के निवासी संजीव उर्फ संजू और देहरादून की ईदगाह कॉलोनी निवासी सुधीर उर्फ टिल्लू के नाम सामने आए थे।

तेजी से पांव पसार रहा मिजिल्स-रूबेला

धनबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिजिल्स-रूबेला जिले में तेजी से पांव पसार रही है। स्वास्थ्य विभाग से जारी आंकड़ों के अनुसार मिजिल्स की चपेट में आकर अबतक चार बच्चों की मौत हो गयी है। वहीं 30 से ज्यादा मरीजों की पहचान हुई। ज्यादातर मरीज ग्रामीण क्षेत्र के हैं। इस संक्रामक बीमारी में मरीजों की संख्या बढ़ने की वजह धनबाद जिला रेड जोन की ओर बढ़ रहा है। फिलहाल यह येलो जोन में है।

स्वास्थ्य मुख्यालय के निर्देश पर मिजिल्स की रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित की गयी है। टीम में शामिल डॉक्टर मिजिल्स के मरीजों पर लगातार नजर बनाये हुए हैं। वहीं मिजिल्स प्रभावित गांवों में कैंप लगाकर लोगों का इलाज शुरू करने की तैयारी है। गोविंदपुर में दो, निरसा में एक और बोकारो से धनबाद के टुंडी आये एक बच्चे की मृत्यु मिजिल्स से हो चुकी है। वहीं गोविंदपुर प्रखंड में 22, निरसा में आठ, झरिया में तीन, टुंडी में चार सहित अन्य प्रखंडों में भी मिजिल्स के मरीज पाये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में 67 प्रतिशत बच्चों को मिजिल्स का टीका दिया गया है। वहीं 33 प्रतिशत बच्चे टीकाकरण से छूट गये है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार बाघमारा, बलियापुर, धनबाद सदर, गोविंदपुर, झरिया, निरसा, तोपचांची व टुंडी ब्लॉक में 72,327 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित था।

जबकि, 48,459 बच्चों को मिजिल्स का टीका दिया गया। करीब 23,868 बच्चे मिजिल्स टीकाकरण से छूट गये। मिजिल्स संक्रामक बीमारी है। खासकर बच्चों के बीच यह तेजी से फैलता है। इससे बचाव के लिए 15 माह के बच्चों को मिजिल्स व रूबेला का टीका दिया जाता है। पहला टीका का पहला डोज नौ माह में ओर दूसरा डोज 15 माह में बच्चे को दिया जाता है। इस समय सीमा में छूटे बच्चों को पांच साल की अवधि तक में एक माह में दो टीका देना अनिवार्य है। मिजिल्स के मामले तेजी से बढ़ रहे है। यह सांक्रमक बीमारी है।

अशोक गहलोत ने की मोदी सरकार के मंत्री की तारीफ

बीजेपी ने बताया बगावत का संकेत

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी की प्रशंसा को बगावत का संकेत बताया है। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने राजस्थान में सियासी संकट के दौरान केंद्रीय कोयला मंत्री की तारीफ को बगावत का संकेत बताया है। अमित मालवीय ने ट्वीट कर लिखा- कोई गलती नहीं की। गहलोत विद्रोह के रास्ते पर चल रहे हैं। गौतम अडानी को आमंत्रित करने के बाद राहुल गांधी के निशाने पर है। इसलिए राजस्थान में कोयला संकट के

दौरान मदद करने पर केंद्रीय कोयला मंत्री की तारीफ रहे हैं। बता दें गुरुवार को जयपुर में सीएम गहलोत ने कोयला संकट के दौरान मदद करने पर केंद्रीय कोयला मंत्री की मुक्त कंठ से तारीफ थी। सीएम गहलोत ने कहा कि आपने संकट के समय राजस्थान की मदद की। मैं अभिभूत हूं। राजस्थान सरकार और कोल इंडिया के बीच एओयू के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जोशी ने भी सीएम गहलोत को बड़ा नेता बताते हुए तारीफ की थी। सीएम गहलोत खुद कह चुके हैं कि वह जो बोलते हैं। उसके एक-एक शब्द के मायने होते हैं।

गहलोत के हर एक शब्द के मायने निकाले जा रहे हैं

उल्लेखनीय है कि राजस्थान कांग्रेस में पिछले महीने हुए विवाद के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हर काम और उनके मुंह से निकले एक-एक शब्द के मायने तलाशे जा रहे हैं। पहले कारोबारी गौतम अडानी के साथ उनकी तस्वीरों ने सुर्खियां बटोरीं और विपक्ष ने इसे राहुल गांधी के प्रति बगावत के रूप में पेश किया तो अब मोदी सरकार के मंत्री की तारीफ को भी इसी रूप में पेश किया जा रहा है। केंद्रीय कोयला मंत्री ने कहा कि कोयला संकट के दौरान गहलोत साहब का फोन आया था। मैंने सीएमडी से कहा कि गहलोत साहब के काम को केसे मना कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से बात की लेकिन समाधान नहीं निकला था। कोल इंडिया ने राजस्थान को कोयले की आपूर्ति की। बता दें कोयला संकट की वजह से राजस्थान की थर्मल इकाईया बंद होने के कगार पर पहुंच गई थी। जिससे गर्मियों में बिजली संकट जैसे हालात हो गए थे। सीएम गहलोत खुद ने कोल इंडिया के अधिकारियों से बात की। इसके बाद कोयला की आपूर्ति हुई थी।

गहलोत खुद कह चुके हैं उसके एक-एक शब्द के मायने होते हैं

बता दें राजस्थान कांग्रेस में पिछले महीने हुए विवाद के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हर काम और उनके मुंह से निकले एक-एक शब्द के मायने तलाशे जा रहे हैं। पहले कारोबारी गौतम अडानी के साथ उनकी तस्वीरों ने सुर्खियां बटोरीं और विपक्ष ने इसे राहुल गांधी के प्रति बगावत के रूप में पेश किया तो अब मोदी सरकार के मंत्री की तारीफ को भी इसी रूप में पेश किया जा रहा है। कोल इंडिया और केंद्रीय कोयला मंत्री की तारीफ किए जाने पर भाजपा ने इसे बगावत के एक और संकेत बताया है। सीएम गहलोत खुद कह चुके हैं कि वह जो बोलते हैं। उसके एक-एक शब्द के मायने होते हैं।

राजस्थान में जन आक्रोश रैली के जरिए चुनावी शंखनाद करेगी बीजेपी

17 दिसंबर को होगा सचिवालय का घेराव

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के साल भर पहले से ही भाजपा ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। पार्टी ने कांग्रेस सरकार के चार साल पूरे होने पर राज्यव्यापी जन आक्रोश अभियान चलाने का फैसला किया है। इसकी शुरुआत नवंबर मध्य से हो जाएगी और हर विधानसभा क्षेत्र व जिले में जन आकोश यात्राएं निकाली जाएगी।

आखिर में 17 दिसंबर को जयपुर में सरकार के खिलाफ बड़ी रैली की जाएगी जिसमें हर विधानसभा क्षेत्र की हिस्सेदारी होगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अरुण सिंह ने कहा है कि राजस्थान के हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं और जनता का आक्रोश चरम पर है। भाजपा इसी आक्रोश को लेकर प्रदेश व्यापी जन आक्रोश अभियान शुरू करने जा रही है, ताकि कांग्रेस सरकार जनता के प्रति अपनी जवाबदेही पूरी करें।

इस अभियान को पार्टी ने जन आक्रोश नाम दिया है। इसके तहत नवंबर के मध्य में हर विधानसभा क्षेत्र में एक साथ जन आक्रोश यात्राएं निकाली जाएंगी। यात्राएं 10 दिन की होगी और हर गांव तक पहुंचेंगी। इसके लिए रथ, प्रचार गाड़ी आदि के जरिए पार्टी के प्रदेश के लगभग 600 नेता राज्य के विभिन्न हिस्सों में जुटेंगे। अभियान के दौरान सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया जाएगा और जनता जो शिकायतें देंगी, उनको पार्टी इकट्ठा करेगी।

इसके बाद पार्टी जिला स्तर पर कार्यक्रम करेगी और कलेक्ट्रेट का घेराव कर जनता की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। राज्य के सभी 39 जिलों में यह कार्यक्रम किए जाएंगे। इसके बाद चलो जयपुर मार्च का आह्वान किया जाएगा, जयपुर में 17 दिसंबर को सचिवालय घेराव का विशाल कार्यक्रम होगा। अभियान के दौरान पार्टी महिला उत्पीड़न, दलित उत्पीड़न, जंगलराज, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण जैसे मुद्दों पर जनता को मथेगी। पूरे अभियान में पार्टी के प्रदेश के प्रमुख नेताओं को लगाया जाएगा। सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में 600 नेता अभियानों का नेतृत्व करेंगे।

आत्मदाह के बाद पुजारी की मौत लोग सड़कों पर उतरे

20 घंटे बाद भी नहीं लिया शव; बहू पर गंदी नजर रखने का लगाया था आरोप

अजमेर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंदिर कमेटी से विवाद के चलते आत्मदाह करने वाले पुजारी की मौत से गुस्साए लोग सड़कों पर उतर आए हैं। ब्राह्मण समाज के लोगों ने शुक्रवार को रास्ता जाम करते हुए आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं, मौत के 20 घंटे बीतने के बाद भी अब तक परिवार ने पुजारी की डेडबॉडी नहीं ली।

परिवार की मांग है कि उन्हें न्याय मिले। इधर, मौत की जानकारी मिलते ही हॉस्पिटल के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। घटनाक्रम को लेकर सुबह से ब्राह्मण समाज की महापंचायत जारी है। मामला अजमेर के ऋषि घाटी स्थित जगदीश मंदिर से जुड़ा है। यहां के पूर्व पुजारी गोविंद नारायण (92) ने 11 अक्टूबर को खुद को आग लगा ली थी। इसमें वह 60 फीसदी तक झुलस गए थे। गुरुवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया।

उनका जवाहर लाल नेहरू हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। मौत की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन के अधिकारी जेएलएन हॉस्पिटल पहुंचे।

राजस्थान के 14 जिलों में गुलाबी सर्दी

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बारिश का दौर थम गया है। गुलाबी सर्दी एहसास होने लगा है। प्रदेशवासियों को बारिश थमने से राहत मिली है। क्योंकि पिछले दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। प्रदेश में आसमान पूरी तरह से साफ है। बादलों का डेरा गायब है। मौसम शुष्क हो गया है। तापमान 20 डिग्री से कम है वहां गुलाबी सर्दी का अहसास शुरू हो गया है। दिवाली बाद सर्दी जोर पड़ने लगेगी। हमेशा की तरह ही प्रदेश के शेखावाटी अंचल में इस बार भी सर्दी ज्यादा पड़ने के आसार है। रात के तापमान की बात करें तो प्रदेशभर में सीकर का तापमान सबसे कम दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि जब तक तापमान 10 डिग्री से नीचे नहीं आ जाता, तब तक तेज सर्दी शुरू होने के संकेत नहीं माने जा सकते हैं।

सीकर जिले में सबसे कम तापमान दर्ज

सीकर जिले में न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है, जो प्रदेश में सबसे कम है। इसके बाद चूरू 16.4 डिग्री और चित्तौड़गढ़ का न्यूनतम तापमान 16.9 डिग्री दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान की बात की जाए तो जालौर 38.6 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। वैसे भी सीकर में रातें बहुत सर्द रहती रही है। मौसम विभाग ने इस बार कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना जताई है।

राजस्थान में मौसम शुष्क

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक आर.एस. शर्मा की माने तो राजस्थान में बादल हटने के बाद से ही मौसम शुष्क हो गया है और यह सिलसिला एक सप्ताह तक जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि कुछ स्थानों पर दिन का तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन रात तापमान इसी तरह जारी रहेगा। राजस्थान में न्यूनतम 20 डिग्री से कम वाले 14 स्थानों पर गुलाबी सर्दी शुरू हो गई है और दीवाली के बाद सर्दी बढ़ेगी।

अवैध खनन करते समय ढहा पहाड़, 2 की मौत

पहाड़ गिरता देख माफिया भागे 8 घंटे रेस्क्यू के बाद निकाला शव

भरतपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके में देर शाम अवैध खनन करते समय पहाड़ ढह गया। जिसमें दो मजदूरों की दबने से मौत हो गई। 8 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों मजदूरों के शवों को बाहर निकाला गया। दोनों मृतक हरियाणा के रहने वाले थे।

घटना विजासना जोन के चिनावड़ा पहाड़ की है। जहां कुछ अवैध खनन माफिया अवैध खनन कर रहे थे। तभी अचानक पत्थर का पहाड़ खनन कर रहे मजदूरों के ऊपर गिर गया। मलबे में दो मजदूरों से सहित 2 डंपर, 1 पोपलेन मशीन और एक 1 बाइक दब गई। घटना के वक्त एक व्यक्ति और मौके पर मौजूद था पहाड़ जैसे ही गिरने लगा तो वह मौके से भाग गया।

जिसके बाद उसने पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की सहायता से मलबे को हटवाया। करीब 8 घंटे बाद हरियाणा के अगोन गांव के रहने वाले अजहरुद्दीन और हरियाणा के निहारिका के रहने वाले उमर मोहम्मद को बाहर निकाला गया। दोनों मृतकों के शवों को सीकरी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया है।

अवैध खनन पर रोक के बावजूद पुलिस और खनिज विभाग की अनदेखी के कारण जमकर अवैध खनन किया जा रहा है। अवैध खनन माफिया सरकार को राजस्व का चूना लगा रहे हैं, और प्रशासन हाथ पर हाथ रखकर बैठा है। अवैध खनन माफिया अपनी जान को भी जोखिम में डालने से नहीं कतराते।

बागियों की भाजपा में घर वापसी आसान नहीं

पहले शामिल हुए बागी नेताओं को मिला पुरस्कार, अब शामिल होना ही मुश्किल

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। एक बार कांग्रेस की सरकार...एक बार भाजपा की...वाले ट्रेंड से उम्मीद लगाए बैठे कई 'पूर्व' भाजपा नेता घर वापसी करके 'वर्तमान' बनने की कोशिश में जुटे हैं। भाजपा में फिर से शामिल होने के लिए नेताओं की लंबी कतार लगी हुई है। आने वाले दिनों में इस पर भारी तकरार होने की आशंका है। इसकी वजह है हाल ही में भाजपा ने एक राज्य स्तरीय कमेटी बना दी है, जो पार्टी में वापसी चाहने वालों के प्रकरणों की जांच करेगी। कमेटी की हरी झंडी के बाद संबंधित नेताओं को पार्टी में शामिल किया जाएगा। ऐसे में घर वापसी चाहने वाले जो भी नेता पार्टी के जिस भी वरिष्ठ नेता से संबंधित है, उन्हें प्रवेश दिलाने के लिए वरिष्ठ नेताओं के बीच तकरार बढ़ेगी।

एक यह भी चर्चा जोरों पर है कि जो लोग पहले पार्टी में आ गए उन्हें तो किसी कमेटी के स्कैनर से नहीं गुजरना पड़ा बल्कि उन्हें पद और प्रतिष्ठा का पुरस्कार भी मिला, लेकिन अब आने वालों को कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ेगा।

पार्टी में प्रवेश चाहने वालों में एक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सहित तीन पूर्व राज्य मंत्री सहित बहुत से लोग शामिल हैं।

पार्टी के भीतर-बाहर अब यह चर्चा गर्म है कि जिन लोगों को पहले प्रवेश मिल गया, उन्हें क्यों और किस आधार पर वापस लिया गया? तब कमेटी क्यों नहीं बनी? अब क्यों बनाई गई है?

रोचक बात यह भी है कि जिन्हें पहले बिना कमेटी के वापस

लिया गया, उनमें से कई नेताओं को भाजपा ने पार्षद से लेकर राज्य सभा सांसद जैसे उच्च पदों और पार्टी संगठन के विभिन्न पदों से नवाजा है।

अब पार्टी में एंट्री चाहने वालों के लिए स्क्रूटनी कमेटी में केन्द्रीय मंत्री और बीकानेर से सांसद अर्जुनराम मेघवाल और अजमेर (उत्तर) से विधायक व पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी को शामिल किया गया है। हालांकि भाजपा के राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह का कहना है कि चूंकि अगले वर्ष चुनाव है, तो पार्टी में वापस आने के लिए बहुत से नेता प्रयास करेंगे। ऐसे में उनका चयन करने के लिए कमेटी बनाई गई है।

बी जे पी प्रदेशाध्यक्ष पूनिया समेत 107 नेताओं का गुजरात में डेरा

9 जिलों की 43 विधानसभा सीट पर फोकस, प्रवासी राजस्थानी वोटर्स साधने गई टीम

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के नेतृत्व में पार्टी ने 107 नेताओं की टीम प्रवासी राजस्थानी वोटर्स को साधने के लिए पड़ोसी राज्य गुजरात के विधानसभा चुनाव में उतार दी है। ये टीमें गुजरात में डेरा डाले हुए हैं। चुनाव प्रचार जारी रहने तक ये टीम गुजरात में ही रहेगी। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया भी दो दिन से गुजरात में हैं। आज सतीश पूनिया सूरत से वंदे भारत ट्रेन से अहमदाबाद पहुंचे । अहमदाबाद के बाद गांधीनगर पहुंचकर गुजरात बीजेपी प्रदेश कार्यालय कमलम में प्रवासी कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करने का कार्यक्रम है। पूनिया का दोपहर बाद अहमदाबाद में प्रवासी प्रबुद्धजनों (इंटेलेक्चुअल्स) से मुलाकात और चर्चा का कार्यक्रम है। शाम 6.30 बजे पूनिया अहमदाबाद के दिनेश हॉल में राजस्थानी प्रवासी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उनके साथ राजस्थान बीजेपी के प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण सिंह देवल और जालोर जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव समेत कई नेता मौजूद रहेंगे। पूनिया बीच-बीच में गुजरात दौरे करते रहेंगे। 5 नवम्बर के बाद बीजेपी गुजरात में बड़ी रैली और सभाएं करेगी। जिनमें पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। इस दौरान राजस्थान बीजेपी के कई बड़े नेताओं के तूफानी दौरे गुजरात में होंगे। इनमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, अर्जुनराम मेघवाल, भूपेंद्र यादव,नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, घनश्याम तिवाड़ी, लोकसभा सांसद कनकमल कटारा, सुभाष चंद्र बहेड़िया,सीपी जोशी, राहुल कस्वां, निहालचंद मेघवाल, देवजी पटेल, पीपी चौधरी, दीया कुमारी, सुमेधानन्द सरस्वती, अर्जुनलाल मीणा समेत कई सांसद शामिल होंगे। गुजरात को 4 जोन- नॉर्थ गुजरात, सेंटर गुजरात, साउथ गुजरात और सौराष्ट्र में बांटकर बीजेपी ने जीत की स्ट्रेटेजी बनाई है। फिलहाल गुजरात के 43 विधानसभा क्षेत्रों में राजस्थान के मूल निवासी वोटर्स को चुनाव में बीजेपी के पक्ष में साधने और वोट डलवाने के लिए नेताओं ने स्ट्रेटेजिकली एक्सरसाइज शुरू कर दी है। राजस्थान से कांग्रेस पार्टी ने गुजरात में प्रभारी के रूप में डॉ रघु शर्मा को जिम्मेदारी दे रखी है। सीनियर ऑब्जर्वर के रूप में सीएम अशोक गहलोत को लगाया है। राजस्थान में सियासी संकट के उपजे हालातों के बाद से गहलोत और उनकी टीम का मूवमेंट गुजरात में फिलहाल रुका है, जिससे बीजेपी कुछ रिलेक्स है। लेकिन चुनाव नजदीक आने पर राजस्थान कांग्रेस टीम के भी दौरे गुजरात में बढ़ेंगे। इससे निपटने के लिए बीजेपी ने राजस्थान से सांसद,पूर्व सांसद, विधायक,पूर्व विधायकों को भी इस टीम में गुजरात भेजा है। प्रदेश स्तर पर गुजरात में राजस्थान के 3 नेताओं- प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण सिंह देवल और सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सावर को जिम्मा सौंपा गया है। 9 जिलों में जिलेवार 1-1 संयोजक और सह-संयोजक लगाए हैं। 18 नेताओं को जिम्मा दिया गया है। जिलों में जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री लेवल के नेताओं को भेजा गया है। इसी तरह 43 विधानसभा क्षेत्र में संयोजक और सह-संयोजक मिलाकर 86 नेताओं की टीम उतारी है ।

जयपुर में ई रिक्शा पलटने से बच्चे की उंगलियां कटी

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में सड़कों पर बने गड्ढे लोगों के लिए जानलेवा होते जा रहे हैं। गड्ढे की वजह से एक आठ साल के बच्चे की दो उंगलियां काटनी पड़ी। एक महिला का कंधा टूट गया। दोनों का इलाज जारी है। मामला कालवाड़ रोड़ स्थित मंगलम सिटी का है। डॉक्टर का कहना है कि अब यह दो अंगुलियां बिल्कुल खत्म हो चुकी हैं। इसका जख्म अब बच्चे को जिंदगी भर झेलना पड़ेगा।

दरअसल, 11 तारीख को प्रखर मिश्रा (8) मां जया मिश्रा के साथ शॉपिंग करके घर लौट रहा था। इस दौरान प्रखर की 8 माह की छोटी बहन भी ई रिक्शा में थी। प्रखर की मां और एक अन्य महिला के बीच में उसे बैठा रखा था। प्रखर ने बाहर की ओर से ई रिक्शा पकड़ा हुआ था। जैसे ही ई रिक्शा गड्ढे में नीचे गिरा प्रखर की दोनों उंगलियां टूट गईं। एक महिला का कंधा टूट गया। निजी अस्पताल में सर्जरी कर उंगलियों को बचाने की कोशिश की गई। दो दिन बाद जब पट्टियां खुलेंगी। उसके बाद उंगलियों की स्थिति का पता चलेगा।

प्रखर के पिता अंकित मिश्रा फाइनेंस कंपनी में काम करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मुख्य मार्गों की सड़कों को भी अब तक दुरुस्त नहीं करा पाई है।

बॉयफ्रेंड के घर जाकर विधवा टीचर ने किया सुसाइड भाई ने प्रेमी और मकान मालिक पर की एफआईआर

उदयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी स्कूल में प्रथम श्रेणी की विधवा अध्यापिका ने अपने प्रेमी के घर जाकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। मृतका के भाई ने प्रेमी और उसके मकान मालिक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करवाया है। प्रेमी ने अपने बयान में कहा कि प्रेमिका ने खुद चादर से फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह मामला उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में नवरत्न कॉम्पलेक्स का है।

पुलिस के मुताबिक नवरत्न कॉम्पलेक्स निवासी सरोज मीणा (35) ने प्रेमी विजय ओझा के घर जाकर सुसाइड किया। मृतका

के भाई अंकुर मीणा की ओर से दर्ज रिपोर्ट में बताया कि विजय ओझा नाम का शख्स प्रॉपर्टी डीलर घनश्याम सिंह चुंडावत के यहां काम करता है। उसने बहन सरोज को शादी का झांसा दिया और कहा कि वो उसकी बेटी को भी रख लेगा।

तीन दिन पहले विजय ओझा ने सरोज को शादी के लिए अपने घर बुलाया था, लेकिन सरोज 13 अक्टूबर को विजय ओझा के यहां गई थी। इसके बाद शाम को मेरे पास विजय का फोन आया कि आपकी बहन ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। भाई ने आरोप लगाया कि आरोपी विजय और मकान मालिक घनश्याम चुंडावत ने पुलिस को सूचना नहीं दी और शव को नीचे उतारकर एमबी अस्पताल ले गए। रिपोर्ट में बताया कि विजय ओझा, घनश्याम चुंडावत व बैंक में काम करने वाली भाग्यश्री ने मिलकर सरोज की हत्या की है और फांसी के फंदे पर लटका दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है।

जयपुर में 10वीं की स्टूडेंट से गैंगरेप

4 दोस्तों को बुलाकर क्लासमेट ने होटल में रेप किया; छात्रा ने जहर खाया

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में 10वीं क्लास की स्टूडेंट से गैंगरेप का मामला सामने आया है। बहला-फुसलाकर होटल में ले गए क्लासमेट ने उसे नशीली कोल्ड कॉफी पिलाई। जब छात्रा बेहोशी की हालत में हो गई तो उसके साथ रेप किया और अश्लील वीडियो बना लिया।

इसके बाद वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उसके चार दोस्तों ने भी छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। लड़की को ब्लैकमेल कर उससे करीब 60 हजार रुपए भी ऐंठ लिए। इन सब से तंग आकर

छात्रा ने 10 अक्टूबर को जहर खा लिया।

तबीयत बिगड़ने पर उसे जयपुरिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। इस बीच, मालपुरा थाना पुलिस ने पीड़िता के बयान पर गुरुवार रात FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि शिवदासपुरा निवासी 15 साल की लड़की गवर्नमेंट स्कूल में 10वीं क्लास में पढ़ती है। साथ पढ़ने वाले नाबालिग छात्र से उसकी दोस्ती हो गई। रिपोर्ट में बताया कि 16 अगस्त को आरोपी क्लासमेट ने उसे मिलने बुलाया।

मिलने जाने पर वह उसे बहला-फुसलाकर शिकारपुरा रोड सांगानेर स्थित एक होटल में ले गया। होटल में उसे कोल्ड कॉफी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। बेहोशी की हालत में आरोपी क्लासमेट ने संबंध बनाए और रेप का वीडियो भी बना लिया।

छात्रा को होश आना तो उसे अपने साथ हुए रेप का पता चला। इस पर आरोपी ने उसे उसका अश्लील वीडियो दिखाकर चुप करा दिया।

सिद्दीपेट में बुजुर्गों के लिए घर बनाएगी सरकार : हरीश राव

सिद्दीपेट, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुजुर्गों को बड़ी राहत देने के लिए राज्य सरकार ने सिद्दीपेट शहर में एक करोड़ रुपये की लागत से बुजुर्गों के लिए एक घर बनाने का फैसला किया है। जिन बुजुर्ग व्यक्तियों की देखभाल करने के लिए कोई नहीं है, उन्हें घर में आवास उपलब्ध कराया जाएगा। घर में चार कमरे, एक डाइनिंग हॉल, एक किचन और कई अन्य आधुनिक सुविधाएं होंगी और बुजुर्ग घरों के लिए एक मॉडल के रूप में बनाया जाएगा, जिसे राज्य सरकार पूरे राज्य में बनाने की योजना बना रही है।

जिला प्रशासन ने मित्तपल्ली गांव के बाहरी इलाके में सिद्दीपेट-हुसनाबाद रोड पर एक एकड़ जमीन आवंटित की है। घर में मनोरंजन के लिए पार्क होगा। दिन भर उनके लिए कुछ गतिविधियाँ होंगी, जिससे उन्हें अवसाद से मुक्ति मिल सके। वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव, जिन्होंने फंड देने का प्रयास किया, परियोजना की नींव रखेंगे। एक बार परियोजना पूरी हो जाने के बाद, वृद्ध व्यक्तियों को प्रशिक्षित और योग्य कर्मचारियों की नियुक्ति के बाद आवास प्रदान किया जाएगा।

मंत्री हरीश राव ने कहा कि बुजुर्गों को ले जाना आजकल की समस्या हो गई है, क्योंकि बहुत से बच्चे अपने माता-पिता के साथ नहीं रहते हैं। राव ने कहा कि उनमें से एक अच्छी संख्या उन्हें निजी घरों में भर्ती करने का जोखिम भी नहीं उठा सकती है। ऐसे सभी व्यक्तियों के लिए सर्वश्रेष्ठ घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बुजुर्गों के लिए एक घर बनाने का फैसला किया है ताकि वे अपने जीवन के अंतिम छोर पर शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें।

स्वास्थ्य सेवाओं को मरीजों के घर-घर पहुंचाएगा सिद्दीपेट सरकारी अस्पताल

सिद्दीपेट, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट सरकारी अस्पताल वरिष्ठ नागरिकों और लंबी बीमारियों से पीड़ित अन्य रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक ले जाएगा। इसी के तहत गुरुवार को राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने दो वाहन खरीद कर अस्पताल प्रबंधन को सौंप दिए। अस्पताल प्रबंधन अस्पताल की चौथी मंजिल पर सात बिस्तरों वाला प्रशामक देखभाल केंद्र भी खोलेगा।

कैंसर या अन्य पुरानी बीमारियों से पीड़ित और सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को उपशामक देखभाल केंद्र में भर्ती कराया जाएगा। चूंकि इन रोगियों की देखभाल के लिए विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, अस्पताल प्रबंधन रोगी के एक रिश्तेदार को भी प्रशिक्षित करेगा। बाद में ऐसे मरीजों को प्रशामक देखभाल केंद्र में तीन दिन और तीन दिन घर पर रहने की अनुमति दी जाएगी।

प्रशामक देखभाल केंद्र में एक चिकित्सक, एक फिजियोथेरेपिस्ट और पांच स्टाफ नर्स होंगी। मरीजों को डिस्चार्ज करने के बाद भी, "आलाना" नामक एक वाहन दवा देने के अलावा उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जांच करने के लिए नियमित रूप से रोगी के घर जाएगा।

इस बीच, "आसरा" नाम का एक अन्य वाहन ऐसे मरीजों को अस्पताल ले जाएगा और जब भी स्थिति की मांग होगी, उन्हें घर वापस छोड़ देगा। आसरा वाहन रोगियों से नमूने भी एकत्र करेगा और तेलंगाना डायग्नोस्टिक सेंटर में परीक्षण के बाद रोगियों को रिपोर्ट भेजेगा। जिन लोगों को ऐसी सेवाओं की आवश्यकता है, वे अस्पताल के कमरा नंबर 14 में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। अधिकारियों ने कहा कि तेलंगाना के किसी सरकारी अस्पताल द्वारा दी जाने वाली यह अपनी तरह की पहली सेवा है। इस विचार के साथ आए स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव जल्द ही अस्पताल में औपचारिक रूप से सेवाओं का शुभारंभ करेंगे।

भवानी नगर हत्याकांड के छह आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने भवानी नगर पुलिस के साथ हत्या के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में आनंद अग्रवाल, मोहम्मद अब्दुल अंसर, मिर्जा फैज अली बेग, सैयद यूसुफ, अजहर, मोहम्मद शोएब उर रहमान शामिल है। इन आरोपियों ने सैयद बख्तियार आगा कुरैशी की हत्या कर दी। कुरैशी रेन बाजार पीएस का राउडी शीटर था। पुलिस के मुताबिक मृतक सैयद बख्तियार आगा कुरैशी याकूतुरा का रहने वाला था। वह कई आपराधिक मामलों में शामिल था। वर्ष 2016 में रेन बाजार पुलिस द्वारा उसकी राउडी शीट खोली गई थी।

होटल क्षेत्र को औद्योगिक दर्जा प्रदान करने का आग्रह

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के होटल और रेस्तरां संघ (एचआरएटीएस) की कार्यकारी समिति के सदस्यों ने 13 अक्टूबर को बीआरकेआर भवन में अपने कार्यालय में पर्यटन और संस्कृति सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया से मुलाकात की और राज्य में आतिथ्य क्षेत्र के लिए औद्योगिक स्थिति की मांग करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्य में पर्यटन क्षेत्र के तेजी से विकास के मद्देनजर सरकार से उद्योगों के समान सभी सुविधाएं प्रदान करने और होटल क्षेत्र को "औद्योगिक दर्जा" प्रदान करने का आग्रह किया। बैठक में अध्यक्ष मनीष दया, उपाध्यक्ष पंकज संपत व शोभित साहनी, महासचिव रेजिनाल्ड कॉर्बेट, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष रोहित आहूजा, कार्यकारी सदस्य शैलेश माथुर, रवीश जी. दावे, प्रदीप कुमार ने भाग लिया।

सभी व्यक्तियों के दैनिक जीवन में मानकों की अहम भूमिका : नवीन मित्तल

भारतीय मानक ब्यूरो ने किया विश्व मानक दिवस महोत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 14 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व मानक दिवस पर भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड्स-बीआईएस) ने विश्व मानक दिवस महोत्सव का भव्य आयोजन किया। इसमें इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन मित्तल ने कहा कि सभी व्यक्तियों के दैनिक जीवन में मानकों की सतत अहम भूमिका रही है। इस संदर्भ में, विश्व मानक दिवस महोत्सव-2022 के आयोजन के उपलक्ष्य में बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय के निदेशक व प्रमुख केवी राव ने मुख्य अतिथि तथा अन्य मुख्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों का भव्य स्वागत किया। इस दौरान बीआईएस निदेशक व प्रमुख केवी राव ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन के उपरांत अपने संबोधन में विश्व मानक दिवस महोत्सव -2022 के आयोजन के विषय व लक्ष्यों को विस्तार से बताते हुए कहा कि, किस प्रकार आयएसओ/आईसी/ आयटीयु से स्थापत्य से संबंधित मानकीकरण विकास हुवा। इसमें उन्होंने यह भी बताया कि, सभी हितधारकों या स्टॉकहोल्डरों की सहभागित के साथ विकसित मानक संचार के लिए उपयोग की जाने वाली एक आम भाषा के समान हैं। क्योंकि जिसमें संबंधित सभी द्वारा वार्तालाप के माध्यम से तकनीकी और वैज्ञानिक मुद्दों को सुलझाने के लिए आम मंच की सुनिश्चिति होती हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुक्त कालेजिएट एज्युकेशन एंड टेक्नीकल एज्युकेशन, तेलंगाना सरकार नवीन मित्तल आयएएस ने संबंधित प्रोसिडींग्स का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि, इस विश्व के सभी व्यक्तियों के दैनिक जीवन में तत्संबंधित मानकों की प्रमुख भूमिका रही है तथा जो सतत रहेगी। साथ ही इस कार्यक्रम में नेशनल काउंसिल फार सीमेंट एंड बिल्डिंग मटेरियल्स(एनसीसीबीएम) हैदराबाद इकाई प्रमुख तथा महा प्रबंधक बी. पांडुरंगाराव ने अपने भाषण में कहा कि, सीमेंट एंड बिल्डिंग मटेरियल्स टेस्टिंग एंड स्टैंडर्डाइजेशन के क्षेत्र में एनसीसीबीएम की सतत अहम भूमिका रही है। बीआईएस के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, 14 अक्तूबर 2022 को विश्व मानक दिवस है। इसके चलते हैदराबाद स्थित भारतीय मानक ब्यूरो शाखा कार्यालय द्वारा विश्व मानक दिवस महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष में विश्व मानक दिवस का विषय सतत विकास लक्ष्यों के लिए मानक-बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण (स्टैंडर्ड्स फार सस्टेनेबुल डेवलपमेंट गोल्स-शेयर्ड विजन फार बेटर वर्ल्ड) रहा है। विश्व मानक दिवस महोत्सव को, अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन फार स्टैंडर्डाइजेशन--आईएसओ) के आरंभ की स्मृति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भव्य रूप से मनाया जाता है। चूंकि उपरोक्त आयएसओ की पहली बैठक सुपर पावर ब्रिटेन देश के महानगर लंडन में 14 अक्तूबर 1946 को हुई थी। जिसमें भारत उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन-आईएसओ का संस्थापक सदस्य रहकर अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस संबंध में बीआयएस हैदराबाद के संयुक्त सचिव शिव प्रसाद गुडे ने विश्व मानक दिवस महोत्सव-2022 के अवसर पर अध्यक्ष आयएसओ, आईसी तथा सेक्रेटरी जनरल आयटीयु द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण संदेश को उपस्थित सभी लोगों को पढकर सुनाया। इस अवसर पर बीआयईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय के संयुक्त सचिव राकेश तन्नेरु ने विश्व मानक दिवस के आयोजन से संबंधित विषय सतत विकास लक्ष्यों के लिए मानक-बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण (स्टैंडर्ड्स फार सस्टेनेबुल डेवलपमेंट गोल्स-शेयर्ड विजन फार बेटर वर्ल्ड) के बारे में जानकारी दी। इस दौरान राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद आईसीएमआर, वैज्ञानिक डा. पी. उदय कुमार ने तत्संबंधित मानकों के प्रति बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

हैदराबाद में कई जगहों पर आरएस ब्रदर्स पर आईटी का छापा

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर (आई-टी) विभाग ने शुक्रवार को हैदराबाद में कई स्थानों पर तलाशी ली। एक प्रमुख परिधान और आभूषण खुदरा विक्रेता आरएस ब्रदर्स के विभिन्न परिसरों में एक साथ 25 आई-टी टीमों ने एक साथ तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, आरएस ब्रदर्स के अमीरपेट, कुकटपल्ली, सनतनगर, सिकंदराबाद, मेहदीपट्टनम और हैदराबाद और सिकंदराबाद के अन्य स्थानों पर दुकानों और कार्यालयों पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारी कुछ रियल एस्टेट फर्मों के मालिकों और कार्यालयों के आवासों पर भी छापेमारी कर रहे थे। चूंकि आईटी अधिकारी सनतनगर में आरएस ब्रदर्स के गोदाम में तलाशी ले रहे थे, कर्मचारियों को परिसर में जाने की अनुमति नहीं थी। अधिकारी लेखा विभागों के कर्मचारियों की मदद से कंप्यूटर पर खातों व अन्य अभिलेखों की जांच कर रहे थे। आईटी के अधिकारी कथित तौर पर कंपनी के लेन-देन की जानकारी ले रहे थे, क्योंकि माना जाता है कि इसने रियल एस्टेट कारोबार में निवेश किया है।

जियागुड़ा स्थित समर्थ कामधेनु गौशाला में दयानंद स्वामी से भेंट करते हुए जसमत पटेल, जसराज श्रीश्रीमाल, रिद्धीश जागीरदार, निर्मल सिंघवी, मुकेश चौहान, आरके जैन व अन्य।

उप्पल में पिता-पुत्र की हत्या

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल में शुक्रवार तड़के अज्ञात व्यक्तियों ने 78 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या कर दी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब साढ़े पांच बजे कुछ अज्ञात लोगों ने नरसिम्हा (78) और उनके बेटे श्रीनिवास (35) पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि संदिग्धों ने नरसिंह को निशाना बनाया और जब श्रीनिवास अपने पिता की रक्षा के लिए दौड़े, तो उन पर भी हमला किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना के गृहमंत्री मो. महमूद अली को माहात्मा गांधी शांति स्फूर्ति अवार्ड मिलने पर उन्हें बधाई देते हुए अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य ए. गौतम जैन, सचिन जैन।

युसूफगुडा अमीरपेट स्थित मर्दा निवास पर करवा चौथ की पूजा करती हुईं उर्मिला मर्दा, अरुणा मर्दा, हेमा मर्दा, खुशबू मर्दा, अरुणा मर्दा, कीर्ति मर्दा, पूजा मर्दा एवं अन्य महिलाएं।

सड़क दुर्घटना से पीड़ित श्रीनिवास का अस्पताल में मिजाजपुर्सी करते हुए शेरीलिंगमपल्ली विस क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद।

राजस्थानी प्रगति समाज तथा रामायण मेला समिति द्वारा हाल ही में 50वें रामायण मेले के सफल आयोजन पर केंद्रीय मंत्री की ओर से मिले विशेष सहयोग के लिए उनसे मुलाकात कर सम्मानित करते हुए मेले के मुख्य संयोजक गोविंद नारायण राठी व मनोज जायसवाल।

सिखवाल समाज के सामूहिक विवाह को ऐतिहासिक बनाया जाए : नंदू बिलाल

नि:शुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज व श्रृंग ऋषि भक्त मडंल, इन्दौर एवं अ.भा.सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा नि:शुल्क व चंदा रहित युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन बहुत ही शानदार व धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 11 से अधिक जोड़ों में परस्पर सम्बन्ध जुड़ने की संभावना बनी। देश भर के विभिन्न प्रदेशों से आये सैकड़ों अभिभावकों ने अपने परिवार के युवक-युवतियों के लिए वर-वधू व कुछ तलाकशुदा प्रत्याशियों ने अपने पुन: जीवन साथी के लिए रिश्ते तलाशे। परिचय सम्मेलन के मंच पर केवल और केवल ब्राह्मण समाज के अतिथियों को ही स्थान दिया गया तथा विशेष रूप से पंचकुईया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मणदास जी महाराज उपस्थित थे। विशेष रूप से इस कार्यक्रम को देश-विदेश में विराजमान हजारों की संख्या में सिखवाल समाज बन्धुओं ने घर बैठ कर फेसबुक पर लाईव देखा। महर्षि श्रृंग के सम्मुख दीप-प्रज्वलित तथा शंखनाद कर नि:शुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन का शुभारम्भ किया गया तथा तत्पश्चात युवक-यवतियों के परिचय पुस्तिका का विमोचन किया गया। मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान मरुधर में बलुन्दा निवासी तथा सिखवाल प्रगति समाज, ऋषि श्रृंग भवन फीलखाना, हैदराबाद के अध्यक्ष तेरास/भारास नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उमादेवी व्यास बिलाल द्वारा दी जा रही सामाजिक सेवाओं के लिए "भामाशाह सिखवाल रत्न" की उपाधि से सम्मानित किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र व महर्षि श्रृंगजी की तस्वीर भेंट की। सामाजिक सेवाओं में लगभग 40 वर्षों से सहयोग देते आ रहे रामदेवजी नागला को "सिखवाल रत्न" की उपाधि से सम्मानित किया गया। मरुधर में निमाज (नवोड़ा) वाला भाग्यनगर हैदराबाद निवासी सुरेश कुमार व्यास "जानम" को डिजिटल पत्रकारिता के क्षेत्र में स्पष्ट, निर्भीक, निष्पक्ष, सामाजिक पत्रकार के रूप में लगभग 25 वर्षों से दिये जा रहे महत्वपूर्ण योगदान के लिए "सामाजिक विश्लेषक" की उपाधि से सम्मानित किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य हेतुप्रशस्ति पत्रव महर्षि श्रृंगजी की तस्वीर भेंट की। पं. नीरज शर्मा को भी सर्व ब्राह्मण समाज रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंचकुईया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मणदास जी महाराज व समाज बंधु उपस्थित थ। इस नि:शुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन में देश भर के सिखवाल, सुखवाल सखवाल, सेखवाल, श्रृंगी, श्रृंगी ऋषि, नायक व अन्य श्रृंग वंशजों ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सर्वप्रथम सुरेशकुमार व्यास "जानम" ने युवक-युवती परिचय सम्मलेन की विशेषताएँ व आवश्यकता पर अपने विचार प्रकट किये। बाँसवाड़ा एस.डी.एम् श्री छोटूलालजी मुख्य यजमान भामाशाह सिखवाल रत्न नंदकिशोर व्यास "बिलाल", सिखवाल रत्न रामदेव नागला श्रीमती कुसुम ओझा ने भी अपने-अपने विचार रखें। भीलवाड़ा सिखवाल ब्राह्मण समाज के लगभग सभी संस्थानों के प्रतिनिधियों पदाधिकारियों व विशेष कर श्री सिखवाल सेवा संस्थान सुभाष नगर द्वारा 9 फरवरी 2023 को आयोजित होने जा रहे अ. भा. सिखवाल ब्राह्मण समाज आदर्श सामुहिक विवाह आयोजन की घोषणा की गयी। कार्यक्रम के मुख्य यजमान भामाशाह सिखवाल रत्न नंदकिशोर व्यास ने सामूहिक विवाह की इस घोषणा के साथ ही 11 ग्यारह लाख रूपये की सहयोग राशि की घोषणा कर सभी को हतप्रभ कर दिया।

नंदकिशोर व्यास ने कहा कि सिखवाल समाज का यह सामूहिक विवाह का ऐतिहासिक आयोजन किया जाना चाहिए। यह पूण्य कार्य किसी भी तरह की धनराशि के अभाव के कारण रुकना नहीं चाहिए। कार्यक्रम में समिति के प्रमुख पदाधिकारी लादुलाल व्यास, गोविंद तिवाड़ी, डॉ शिवनारायण ओझा व रमेशचंद्र शर्मा एडवोकेट, प्रकाश सागांवत पांडया, ऋषि श्रृंग संस्थान के सर्वाधिक सदस्य बनाने वाले भीलवाड़ा के समाज सेवी किशन उपाध्याय खाकरोद, श्री श्री ऋषि श्रृंग संस्थान के सचिव हीरालाल पाडंया, देवगढ वाले गोविंद नारायण शर्मा, ओम व्यास ब्राह्मणो की सरेडी,श्री लादुलाल पुरोहित,श्री राधेश्याम व्यास सरेडी वाले,श्री जगदीश ओझा सरेडी वाले,श्री भीमराज जी सरेडी वाले,श्री सत्यनारायण पांडया,प्रकाश जोशी चिंतांबा वाले,राम स्वरूप तिवाडी,जटा शंकर नागला आगुचा वाले,सूरत बारडोली सिखवाल समाज अध्यक्ष श्री प्रह्लादजी, श्रृंगी जगत के वरिष्ठ संपादक श्री प्रवीणजी भट्ट, महेशजी शर्मा व समस्त सिखवाल ब्राह्मण समाज के अन्य सिखवाल बंधु उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'शिवलिंग' की कार्बन ...

इस मामले में अंजुमन की तरफ से विरोध करते हुए दलील में अधिवक्ता मुमताज अहमद और एखलाक अहमद ने कहा कि 16 मई को सर्वे के दौरान मिली आकृति के बाबत दी गई आपत्ति का निस्तारण नहीं किया गया और मुकदमा सिर्फ श्रृंगार गौरी के पूजा और दर्शन के लिए दाखिल किया गया है। 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मिली आकृति को सुरक्षित व सरक्षित करने का आदेश दिया है। वैज्ञानिक जांच में केमिकल के प्रयोग से आकृति का क्षरण सम्भव है कार्बन डेटिंग जीव व जन्तु की होती है पत्थर की नहीं हो सकती। क्योंकि पत्थर कार्बन को एडाप्ट नहीं कर सकता। कहा कि कार्बन डेटिंग वाद की मजबूती व साक्ष्य संकलित करने के लिए कराई जा रही है ऐसे में कार्बन डेटिंग का आवेदन खारिज होने योग्य है।

प्रतिउत्तर में हिंदू पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन,विष्णु जैन, सुभाष नन्दन चतुर्वेदी व सुधीर त्रिपाठी ने दलील में कहा कि वाद में दृश्य व अदृश्य देवता की बात कही गई है सर्वे के दौरान वजू स्थल स्थित हौज से पानी हटाने पर अदृश्य आकृति दृश्य रूप में दिखी ऐसे में यह पार्ट ऑफ शूट है यानि दावे का हिस्सा है, बरामद आकृति शिवलिंग है या फव्वारा यह वैज्ञानिक जांच से ही स्पष्ट होगा। ऐसे में आकृति को बिना नुकसान पहुंचाए, हिदुओं की आस्था को चोट पहुंचाए बगैर वैज्ञानिक जांच भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के विशेषज्ञ टीम से कराई जाए ताकि यह तय हो सके कि आकृति शिवलिंग है या फव्वारा।

हिमाचल में 12 ...

हिमाचल विधानसभा का कार्यकाल 8 जनवरी को खत्म हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की कुल 68 सीटें हैं। इनमें 20 सीटें आरक्षित हैं। 17 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) के लिए और 3 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए रिजर्व हैं।

2017 में भाजपा ने पूर्ण बहुमत से जीत दर्ज कर सरकार बनाई थी। चुनाव में भाजपा 44, तो कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत मिली थी। एक सीट पर सीपीआईएम और दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे।

भाजपा से वर्तमान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सबसे बड़े दावेदार हैं। अगर 2017 की तरह कोई बड़ा उलटफेर होता है तो केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी सीएम का चेहरा बन सकते हैं। कांग्रेस की ओर से मुकेश अग्निहोत्री, कौल सिंह ठाकुर, सुखविंद्र सिंह सुक्खू, रामलाल ठाकुर, आशा कुमारी दावेदारों की सूची में शामिल है।

दिल्ली शराब घोटाले ...

डिप्टी सीएम ने कहा था कि नई एक्साइज पॉलिसी से भाजपा का भ्रष्टाचार खत्म हो जाता और साल में 9,500 करोड़ का राजस्व आता। वर्तमान में दिल्ली में 468 शराब दुकानें चल रही हैं। भाजपा का मकसद है कि दिल्ली में अवैध शराब बिके। इसी वजह से मुख्य सचिव ने आबकारी विभाग से जवाब भी मांगा था। जब 8 जुलाई को इस संबंध में उपराज्यपाल को फाइल भेजी गई तब जाकर इस मामले पर बवाल मचाना शुरू हुआ।

चोटिल बुमराह की जगह वर्ल्ड कप में शमी ही खेलेंगे, बीसीसीआई ने किया कन्फर्म

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में जसप्रीत बुमराह की जगह मोहम्मद शमी लेंगे। पीठ की चोट के कारण बुमराह पूरे वर्ल्ड कप से बाहर हो चुके हैं। भास्कर ने 4 दिन पहले (10 अक्टूबर) ही बता दिया था कि शमी ही बुमराह की जगह लेने वाले हैं।

बीसीसीआई अधिकारी ने अपना नाम ना बताने की शर्त पर ये बात कही थी। शमी को मौका मिलने की वजह ऑस्ट्रेलिया की पिच सीम और बाउंस बताई जा रही है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को शमी को वर्ल्ड कप टीम में शामिल किए जाने की बात कन्फर्म की है।

मोहम्मद शमी के अलावा मोहम्मद सिराज को भी वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है। हालांकि, वे रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रहेंगे। अभी साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज में सिराज ने शानदार गेंदबाजी की है। डेथ ओवर में सिराज के खिलाफ रन बनाना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो रहा है, इसलिए उन्हें टीम में जगह मिली है।

जडेजा के बाद हुड्डा और अब बुमराह टीम से बाहर

टी-20 वर्ल्डकप के लिए टीम के ऐलान के बाद से ही टीम इंडिया की टेंशन लगातार बढ़ रही है। पहले रवींद्र जडेजा चोट की वजह से वर्ल्ड कप से बाहर हुए और उन्हें स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया, फिर दीपक हुड्डा को भी चोट लग गई, जिसकी वजह से वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही टी-20 सीरीज से बाहर हो गए। हालांकि, अब वे अभ्यास मैचों में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। अब जसप्रीत बुमराह के न होने से वर्ल्ड कप में भारत की परेशानी बढ़ गई है।

बुमराह का न होना वर्ल्ड कप में कितना बड़ा घाटा

टीम एशिया कप से ही डेथ ओवर में बहुत खराब बॉलिंग कर रही है। टीम के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 18वें और 19वें ओवर में बहुत महंगे साबित हो रहे हैं।

ऐसे में उम्मीद थी कि बुमराह के आने से टीम की ये समस्या खत्म होगी, लेकिन चोट के कारण यह स्टार खिलाड़ी टूर्नामेंट से ही बाहर हो गया। ऐसे में सीनियर खिलाड़ी शमी को टीम में शामिल किया गया है।

2021 के बाद शमी नहीं खेले हैं टी-20 मैच

मोहम्मद शमी ने शॉर्ट फॉर्मेट में आखिरी बार पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान नामीबिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला था। इस साल आईपीएल में इस खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था और जीत भी दिलाई थी। अब देखना है कि वे वर्ल्ड कप में टीम के लिए कितने फायदेमंद साबित होते हैं।

डेविड वार्नर चोटिल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टी20 खेलने की संभावना नहीं

कैनबरा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डेविड वार्नर शुक्रवार को यहां मनुका ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले चोटिल हो गए हैं, जिसके बाद स्टीव स्मिथ के शीर्ष क्रम में उनकी जगह लेने की संभावना है।

वार्नर ने दो टी20 में ओपनिंग के लिए 73 और 4 रनों का योगदान दिया था। श्रृंखला में अजेय बढ़त लेने के लिए जोस बटलर की टीम ने दोनों मैच जीते, जो कि आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण था। हालांकि, बाद में आरोन फिंच की ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की सीरीज हार गई।

'द आस्ट्रेलियन' के लेखक पीटर लालोर ने शुक्रवार को एसईएन 1170 आफ्टरनून को बताया कि 35 वर्षीय वॉर्नर को चोट का सामना करना पड़ा।

शूटर रुद्राक्ष पाटिल बने विश्व चैंपियन

स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट किया पक्का

काहिरा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के शूटर रुद्राक्ष पाटिल ने शुक्रवार (14 अक्टूबर) को काहिरा में शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया। वह 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चैंपियन बने।

रुद्राक्ष पाटिल महान शूटर अभिनव बिंद्रा के साथ ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय निशानेबाज हैं। पाटिल ने इस जीत के साथ ही पेरिस ओलंपिक का भी टिकट हासिल कर लिया। यह भारत का दूसरा ओलंपिक कोटा है। 18 साल के रुद्राक्ष पाटिल ने इटली के डानिलो डेनिस सोलाजो को 17-13 से हराया। एक समय वह फाइनल मुकाबले में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर शानदार वापसी की और मैच को जीत लिया। इस साल वर्ल्ड चैंपियनशिप से ओलंपिक के लिए चार कोटा उपलब्ध हैं। भारत ने हाल ही में क्रोएशिया में शॉटगन विश्व चैम्पियनशिप में पुरुष ट्रैप स्पर्धा में भौनीश मेंदीरत्ता के जरिए अपना पहला कोटा हासिल किया था। रुद्राक्ष ने पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लिया है। वह मैच में एक समय 4-10 से पीछे चल रहे थे। इटली के निशानेबाज ने फाइनल में ज्यादातर मौकों पर बढ़त बनाए रखी, लेकिन रुद्राक्ष ने अंत में जबरदस्त वापसी की और विजेता बने।

रुद्राक्ष ने क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था और रैंकिंग राउंड में दूसरे स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने ओलंपिक कोटा पक्का कर लिया था। बीजिंग ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा ने 2006 में क्रोएशिया के जाग्रेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण जीता था।

टाइम्स ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड में पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत का जलवा,

बने बैडमिंटन प्लेय ऑफ द ईयर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाइम्स ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स अवॉड्र्स-2021 में पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत को बैडमिंटन श्रेणी में अवॉर्ड जीते। टाइम्स का पांचवां संस्करण शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित किया गया। इसमें जनवरी से दिसंबर 2021 तक के प्रदर्शन पर जुरी ने अवॉर्ड की घोषणा की है। रियो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली पीवी सिंधु ने पिछले साल तोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने साल के अंतर में वर्ल्ड टूर फाइनल में सिल्वर मेडलल जीता था। बैक टू बैक दो ओलिंपिक मेडल जीतर सिंधु ने अपना नाम भारतीय खेल इतिहास में दर्ज करवा लिया है। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं और इसी वजह से देश को वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी मेडल की उम्मीद थी। लेकिन 2017 के बाद पहली बार सिंधु को चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटना पड़ा। पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत के लिए 2021 बेहतरीन रहा। पूर्व विश्व नंबर 1 शटलर श्रीकांत 2021 में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे।

अगले साल एशिया कप खेलने पाकिस्तान जा सकता है भारत

बीसीसीआई की हरी झंडी, 2008 में आखिरी दौरा किया था

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया अगले साल पाकिस्तानी सरजमीं पर खेल सकती है। बीसीसीआई ने एशिया कप-2023 के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने का प्लान बनाया है। यह टूर्नामेंट अगले साल पाकिस्तान में खेला जाना है। हालांकि, यह सरकार से क्लियरेंस मिलने के बाद ही संभव होगा। फिलहाल, यह बीसीसीआई के एजेंडा में शामिल है। इस पर 18 अक्टूबर को होने वाली एजीएम में चर्चा होगी।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि भारतीय टीम एशिया कप खेलने अगले साल पाकिस्तान जाएगी। टीम ने पाकिस्तान में 2008 में आखिरी मुकाबला खेला था। तब से दोनों टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेलती आई हैं, वो भी आईसीसी और एसीसी के इवेंट में। दोनों के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में खेली गई थी। तब पाकिस्तान भारत दौरे पर आई थी। आखिरी मुकाबले की बात करें तो दोनों आखिरी बार एशिया कप में 4 अक्टूबर को दुबई में भिड़े थे।

टूर्नामेंट की तारीख अभी तय नहीं

अगले साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। इसलिए अगला एशिया कप भी इसी फार्मेट में होगा। हालांकि, इसकी तारीख अभी फाइनल नहीं हैं। यह जून से सितंबर के बीच कभी भी हो सकता है।

'आतंकवाद-क्रिकेट एक साथ नहीं' के स्टैंड पर सरकार

भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के रिश्ते लंबे समय से बंद पड़े है। क्योंकि, भारत 'आतंकवाद-क्रिकेट एक साथ नहीं' के स्टैंड पर कायम हैं। इस पर एसीसी प्रेसिडेंट और बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ कहा- 'भारतीय सरकार से अनुमति मिलना हमेशा की ही तरह अनिवार्य होगी'। यूएई को भी न्यूट्रल वेन्यू के तौर हपर देखा जा सकता है। लेकिन बीसीसीआई के इस नोट के चलते कुछ और ही संकेत मिल रहे है।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान में आखिरी मुकाबला एशिया कप में ही खेला था। उस सीजन में श्रीलंकाई टीम चैंपियन बनी थी।

23 अक्टूबर को आमने-सामने होगी भारत-पाकिस्तान की टीमें

मौजूदा समय में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के फैंस में जोश भरपूर है, क्योंकि जंद महीनों में तीसरी बार यह दोनों टीमें आपस में भिड़ने वाली है।

एशिया कप 2022 में दो मैचों में आमना-सामना करने के बाद भारत और पाकिस्तान की टीमें टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भिड़ने को तैयार है। दोनों ही टीमें इस मेगा इवेंट में अपने अभियान का आगाज 23 अक्टूबर को करेगी। पिछले साल पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराया था, वहीं एशिया कप में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला था।

फुटबॉल रेफरी को मालामाल बनाएगी 36 साल पुरानी गलती

मिल सकते हैं 27 करोड़ रुपये

लंदन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। 1986 फुटबॉल विश्व कप के रेफरी अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती को भुनाने जा रहे हैं और उन्हें इसके लिए करोड़ो रुपये मिलने वाले हैं। इस विश्व कप में माराडोना ने हाथ से गोल किया था और रेफरी इसे देख नहीं पाए थे। इसके बाद माराडोना ने हाथ से गोल करने की बात स्वीकार की थी और इसे हैंड ऑफ गॉड (भगवान का हाथ) कहा था। अब इस मैच के रेफरी गेंद को नीलाम कर रहे हैं और उन्हें इसके लिए (27-33 लाख डॉलर) 27 करोड़ रुपये तक की रकम मिल सकती है।

ट्यूनीशिया के अली बिन नासिर इस मैच के रेफरी थे और वह माराडोना को हाथ से गोल करते नहीं देख पाए थे। माराडोना उस मैच में हेडर से गोल करने के लिए उछले लेकिन उन्होंने सिर के बजाय हाथ से गोल कर दिया। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने इस गोल का विरोध किया था, लेकिन रेफरी अपने फैसले से टस से मस नहीं हुए। माराडोना ने बाद में इसे 'हैंड ऑफ गॉड' यानि ईश्वर का हाथ नाम दिया था। तब से यह गेंद रेफरी बिन नासिर के पास है।

फुटबॉल विश्व कप से चार दिन पहले नीलम होगी गेंद

36 साल बाद नासिर इस गेंद की नीलामी करने जा रहे हैं। नीलामीकर्ता ग्राहम बड ऑक्शन ने गुरुवार को कहा कि उम्मीद है कि इस ऐतिहासिक गेंद की नीलामी से 27 लाख डॉलर से लेकर 33 लाख डॉलर (लगभग 27 करोड़ रुपये) मिल सकते हैं। इस गेंद की नीलामी कतर में होने वाले विश्व कप से चार दिन पहले 16 नवंबर को ब्रिटेन में की जाएगी।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने 10 रन पर झटके 4 विकेट

कर्नाटक के पेसर ने 5 रन दे लिए 3 विकेट; डेब्यू मैन के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीता केरल

तिरुअनंतपुरम, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2022 में सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन का शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने 14 अक्टूबर 2022 को हैदराबाद के खिलाफ मैच में 4 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। हालांकि, उनको छोड़कर गोवा का कोई भी खिलाड़ी प्रभावशाली गेंदबाजी नहीं कर पाए। दर्शन मिसाल एक विकेट लेने में जरूर सफल रहे, लेकिन उन्होंने 2 ओवर में 23 रन लुटा दिए। इस कारण हैदराबाद की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन बनाने में सफल रही।

उधर, चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कर्नाटक के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक ने 4 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उनकी शानदार गेंदबाजी के दम पर मयंक अग्रवाल की टीम ने मेघालय को सिर्फ 10.1 ओवर में 9 विकेट से हरा दिया।

इस सीजन यह टूर्नामेंट की तीसरी सबसे बड़ी जीत (गेंदे शेष रहते हुए) है। इस मैच में मेघालय ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। वह 20 ओवर में 8 विकेट पर 89 रन ही बना पाई। कर्नाटक ने 10.1 ओवर में एक विकेट पर 90 रन बनाकर मैच जीत लिया। कप्तान मयंक अग्रवाल ने 29 गेंद में नाबाद 47 और मनीष पांडे ने नाबाद 42 रन बनाए। मनीष ने 28 गेंद की पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। मयंक ने 4 चौके और 3 छक्के लगाए।

एक अन्य मैच में डेब्यू मैन अब्दुल बासित के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर केरल ने हरियाणा के खिलाफ 3 विकेट से जीत हासिल की। मोहाली के पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए मैच में केरल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 131 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केरल की टीम 16.4 ओवर में 7 विकेट पर 106 रन ही बना पाई थी।

केरल को जीत के लिए 20 गेंद में 26 रन की आवश्यकता थी। केरल के लिए यह लक्ष्य कतई आसान नहीं था, क्योंकि उसके सभी स्टार बैट्समैन पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में अब्दुल बासित ने एक छोर संभालते हुए 3 चौके और एक छक्के की मदद से 15 गेंद में 27 रन ठोक दिए और टीम की झोली में जीत डाल दी।

पृथ्वी शॉ का धमाल जारी, अब 46 गेंद में ठोका शतक

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया में वापसी की राह देख रहे पृथ्वी शॉ का धमाल जारी है। इस बार उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2022 एक एलीट ग्रुप ए में असम के खिलाफ मैच में 46 गेंद में शतक ठोक दिया। 22 साल के पृथ्वी शॉ का टी20 क्रिकेट में यह पहला शतक है। उधर, उत्तर प्रदेश के शिवम मावी ने 23 गेंद में महज 14 रन देकर 4 विकेट चटकाए और दिल्ली को 100 रन के भीतर समेटने में अहम भूमिका निभाई।

राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुंबई-असम के मैच में असम के कप्तान मृण्मय दत्ता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 230 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह इस सीजन किसी टीम का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। असम की टीम 19.3 ओवर में 10 विकेट पर 169 रन ही बना पाई। उसके 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए। रज्जाकुद्दीन अहमद ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। रियान पराग ने 28, राहुल हजारिका ने 26, मुख्तार हुसैन ने नाबाद 25 रन बनाए। पृथ्वी शॉ ने असम के खिलाफ मैच में 13 चौके और 9 छक्के की मदद से 61 गेंद में 134 रन की पारी खेली। मुंबई के कप्तान पृथ्वी शॉ के अलावा यशस्वी जायसवाल ने 5 चौके और एक छक्के की मदद से 30 गेंद में 42 रन बनाए। सरफराज खान 15 गेंद में 15 और शिवम दुबे 7 गेंद में 17 रन बनाकर नाबाद रहे। असम की ओर से रियान पराग, रोशन आलम और रज्जाकुद्दीन अहमद ने एक-एक विकेट लिए।

उत्तर प्रदेश और दिल्ली का मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया। दिल्ली के कप्तान नितीश राणा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। उनका यह फैसला सही साबित नहीं हुआ और पूरी टीम 19.5 ओवर में 99 रन पर ऑलआउट हो गई। उत्तर प्रदेश ने 17 ओवर में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 102 रन बनाकर मैच जीत लिया। कप्तान करण शर्मा ने 50 गेंद में 52 रन की नाबाद पारी खेली। अक्षदीप नाथ ने 35 गेंद में नाबाद 31 रन बनाए। दिल्ली की ओर से नितीश राणा ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। उन्होंने 39 गेंद में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।

बीसीसीआई को होगा 955 करोड़ रुपए का नुकसान

विश्व कप 2023 के लिए सरकार से नहीं मिली कर में छूट?

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2023 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को देश में आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन करना है। केंद्र सरकार अगर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के प्रसारण राजस्व पर 21.84 प्रतिशत कर अधिभार लगाने के अपने फैसले पर अडिग रहती है तो बीसीसीआई को करीब 955 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है।

अगले साल अक्टूबर-नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप होना है। कर अधिभार के मायने हैं कि शुरुआती कीमत से इतर किसी वस्तु या सेवा पर अतिरिक्त फीस या कर लगाना। यह आम तौर पर मौजूदा कर में जोड़ा जाता है और किसी वस्तु या सेवा की दर्शायी गई कीमत में शामिल नहीं होता। आईसीसी के चलन के अनुसार मेजबान देश को सरकार से वैश्विक टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए कर में रियायत लेनी होती है। भारत के कर नियमों में इस तरह की छूट का प्रावधान नहीं है। 2016 में टी20 विश्व कप की मेजबानी में भी बीसीसीआई को ऐसी छूट नहीं मिली थी। तब बीसीसीआई को 193 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। वह मामला अब भी आईसीसी ट्रिब्यूनल में लंबित है।

बीसीसीआई की 18 अक्टूबर को होने वाली एजीएम से पहले प्रदेश इकाइयों को भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है, 'आईसीसी का अगला बड़ा टूर्नामेंट आईसीसी विश्व कप 2023 में अक्टूबर नवंबर में भारत में होना है। बीसीसीआई को अप्रैल 2022 तक आईसीसी को कर छूट के बारे में बताना था।' इसमें कहा गया, 'आईसीसी ने समय सीमा बढाकर 31 मई कर दी थी।

वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान ने जीती ट्राई सीरीज

बांग्लादेश-न्यूजीलैंड को हराया; रिजवान, बाबर, नवाज ने जिताया

क्राइस्टचर्च, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप से ठीक 2 दिन पहले पाकिस्तान को बड़ी जीत मिली है। उसने ट्राई सीरीज अपने नाम कर ली है। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने जा रहे मेगा इवेंट में उसका मनोबल बढ़ेगा। यह जीत टीम इंडिया के लिए भी मायने रखती है, क्योंकि उसे पाकिस्तान से ही 23 अक्टूबर को अपना पहला मुकाबला खेलना है।

शुक्रवार को 3 देशों की सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया। क्राइस्टचर्च में उसने पहले तो युवा तेज गेंदबाज नसीम शाह और हारिस राऊफ (2-2 विकेट) की सटीक गेंदबाज की बदौलत कीवियों को 163 रन पर रोका। उसके बाद जीत के लिए जरूरी रन मोहम्मद रिजवान (34), मोहम्मद नवाज (38) और हैदर अली (31) की उपयोगी पारियों के दम पर 3 गेंद रहते ही बना डाले। पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज अपने दोहरे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द फाइनल चुने गए। उन्होंने 38 रन बनाए। साथ ही एक विकेट भी लिया। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए 8 विकेट लेने वाले माइकल ब्रेसवेल प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए।

कीवी कप्तान भी रंग में दिखे

फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन भी रंग में नजर आए। उन्होंने 155.26 के स्ट्राइक रेट से 59 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। यह उनका इस फार्मेट का 15वां अर्धशतक है। विलियमसन ने पिछली दस पारियों में पहला अर्धशतक जमाया है। इनमें 4 वनडे मैच भी शामिल हैं।

रसोई गैस उपयोगकर्ताओं को वित्तीय पैकेज या सब्सिडी दे केंद्र : केटीआर

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तीन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित 22,000 करोड़ रुपये के एकमुश्त अनुदान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, टीआरएस (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और उद्योग मंत्री केटी रामा रावे ने केंद्र सरकार से एक समान पैकेज या सब्सिडी की पेशकश करने की मांग की। रसोई गैस उपयोगकर्ता। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलेंडरों पर सब्सिडी खत्म करने और उनकी आसमान छूती कीमतों के कारण आम आदमी पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है। रामा राव ने एक बयान में कहा कि भाजपा शासन के दौरान रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 400 रुपये से बढ़कर 1,100 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के मामले में खुद को विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। उन्होंने यह जानने की मांग की कि क्या यूपीए शासन के दौरान एलपीजी सिलेंडर की कीमत 400 रुपये होने पर गुजरात के

तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के पास खुद के सवालों के जवाब हैं।

भाजपा सरकार ने 39 करोड़ एलपीजी कनेक्शन धारकों पर पिछले साल की 42,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी का बोझ डाला है। लोगों को चुनना होगा कि वे मोदी चाहते हैं या सब्सिडी। उद्योग मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2014 में प्रत्येक सिलेंडर पर 827 रुपये की सब्सिडी की पेशकश की, जबकि मोदी सरकार ने इसे पूरी तरह से खत्म कर दिया। साथ ही रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 170 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। उन्होंने भाजपा सरकार पर मध्यम वर्ग के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया, जिनकी बचत पिछले दो वर्षों में कोविड-19 और लॉकडाउन के कारण घट गई। उन्होंने मुद्रास्फीति को कम करने में अक्षमता और देश के लोगों पर अधिक कर लगाने के लिए भाजपा की आलोचना की।

टीआरएस (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष ने सवाल किया कि जब तेल कंपनियों के मुद्दों का समाधान किया जा रहा है तो महिलाओं की समस्याओं का समाधान क्यों नहीं किया जाता है। उन्होंने देश की आधी आबादी वाली महिलाओं से भी आह्वान किया कि वे भाजपा द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ कड़ा फैसला लें। वह चाहते थे कि भाजपा का पतन गरीब और मध्यम वर्ग के रसोई घर से शुरू हो।

इब्राहिमपट्टनम झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करे एचएमडीए : मंत्री केटीआर

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने शुक्रवार को हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी को इब्राहिमपट्टनम झील के विकास की संभावना तलाशने के लिए कहा। यह तब आया जब एक ट्विटर उपयोगकर्ता ने मंत्री से जल निकाय के विस्तार पर गौर करने का अनुरोध किया।

उपयोगकर्ता ने ट्वीट किया कि यदि पर्यटन विभाग नौका विहार, कयाकिंग, पैरासेलिंग और अन्य गतिविधियों (एसआईसी) के साथ एक रिसॉर्ट बनाने पर विचार करता है, तो इस झील को एक आदर्श सप्ताहांत पलायन के रूप में विकसित किया जा सकता है। बाहरी रिंग रोड को पार करने के बाद विजयवाड़ा की ओर ड्राइव करते समय रहीमपट्टनम झील सड़क के दाईं ओर आती है। यह इब्राहिम कुतुब शाह द्वारा 1550 और 1580 ईस्वी के बीच अपने शासनकाल के दौरान योजनाबद्ध और निर्मित अंतिम झीलों में से एक है।

राजगोपाल ने अपने फायदे के लिए कांग्रेस छोड़ी : तलसानी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस विधायक कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने अपने स्वार्थ के लिए पार्टी छोड़ दी है, किंतु वह अब कह रहे हैं कि उन्होंने मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए पार्टी और अपने विधायक पद को छोड़ दिया, जो आश्चर्यजनक है।

मंत्री ने शुक्रवार को सनतनगर विधानसभा क्षेत्र के बंसीलालपेट संभाग में 97 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए मांग की कि भाजपा विधायक, जिन्होंने उपचुनाव में दुबक और हुजूराबाद विधानसभा सीटें जीती हैं, यह घोषित करने के लिए कि उन्होंने अब तक विकास कार्यों के लिए कितना पैसा खर्च किया है।

यह आरोप लगाते हुए कि केंद्र और राज्य के भाजपा नेता गैर-जिम्मेदाराना तरीके से फालतू बातें कर रहे हैं, श्रीनिवास यादव ने कहा कि राज्य के लोग उन पर विश्वास करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने चुनाव के समय जातियों और धर्मों के बारे में बात करने के लिए भगवा पार्टी के नेताओं पर भी हमला किया। उन्होंने यह भी कहा कि के चंद्रशेखर राव सरकार अकेले राज्य में स्मारकीय विकास हासिल करने में सक्षम है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर निशाना साधते हुए, तलसानी श्रीनिवास यादव ने मांग की कि पूर्व में सांसद चुने जाने के बाद अब तक वह केंद्र से कितना पैसा लाए और उन्हें यह बताने के लिए कहा कि उन्होंने लोगों के लिए क्या किया है, जिन्होंने उन्हें चुना है। उन्होंने किशन रेड्डी को भी सलाह दी कि वे विकास में उनसे प्रतिस्पर्धा करें, लेकिन बेवजह अपनी जुबान न खोएं।

केटीआर द्वारा मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र को अपनाने से विकास सुनिश्चित नहीं होगा : रेवंत रेड्डी

नलगोंडा, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) या नगर प्रशासन मंत्री केटी रामाराव (केटीआर) द्वारा मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र को अपनाने से वास्तव में इसका विकास नहीं होगा।

कांग्रेस प्रत्याशी पलवई श्रावंती द्वारा नामांकन दाखिल करने के अवसर पर चंदूर में निकाली गई रैली में भाग लेते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने चिन्ना मुल्कानूर, मुदु चिंतपल्ली और लक्ष्मापुर को गोद लिया था, जबकि रामा राव ने चुनाव के दौरान कोडंगल को अपनाने का वादा किया था। हालांकि, कोई बड़ा विकास नहीं हुआ है। उन्होंने मुनुगोड़े के कुछ लोगों को यह जानने के लिए इन स्थानों पर ले जाने की पेशकश की कि क्या मुख्यमंत्री और मंत्री द्वारा गोद लिए जाने के बाद इन क्षेत्रों में वास्तव में कोई विकास हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुनुगोड़े उपचुनाव में टीआरएस उम्मीदवार की जीत के लिए रामा राव फिर से गोद लेने की रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव एक व्यक्ति के पैसे के लालच का परिणाम है, लेकिन विकास का नहीं। भाजपा प्रत्याशी कोमातीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समर्थन से राजनीतिक रूप से विकसित हुए राजगोपाल रेड्डी एक ही पार्टी के खिलाफ काम करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राजगोपाल रेड्डी को सांसद, एमएलसी और विधायक के रूप में कई अवसर प्रदान किए हैं।

तमिलिसाई ने बिल पास करने में देरी की : गुत्था

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्था सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के पास कई बिल लंबित हैं और बिलों को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी हो रही है। शुक्रवार को यहां मीडियाकर्मियों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत में, गुत्था सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध हैं तथा उनके कारण तेलंगाना में असामान्य स्थिति बनी हुई है जो राज्य के इतिहास में कभी अनुभव नहीं हुई थी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना सभी मोर्चों पर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्यक्रम आगामी

मुनुगोडु उपचुनाव में टीआरएस के लिए एक आरामदायक जीत लाएंगे। गुत्था सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि राजगोपाल के स्वार्थी कामों के कारण उपचुनाव आने के लिए मजबूर होना पड़ा। भाजपा तेलंगाना में अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए राजगोपाल को मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

एमएमटीएस ट्रेन सेवाओं का समयपालन 93 प्रतिशत से अधिक

यात्रियों की औसत संख्या में हो रही है वृद्धि

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एमएमटीएस)-हैदराबाद और सिकंदराबाद नगरद्वय में उपनगरीय रेल परिवहन सेवा चालू वित्त वर्ष में निरंतर 90 प्रतिशत से अधिक समयपालन कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान पिछले छह माह से गाड़ियों का औसत समयपालन 93 प्रतिशत से 95 प्रतिशत के बीच रहा है। यह वर्ष 2021-22 के दौरान 12 अक्तूबर तक औसतन 93.7 प्रतिशत है। गौरतलब है कि दक्षिण मध्य रेलवे ने कोविड महामारी के कारण एमएमटीएस गाड़ी सेवाओं को बंद कर दिया था और जून 2021 से उन्हें धीरे-धीरे फिर से शुरू कर रही है। परिचालन सेवाओं (विभिन्न चरणों में) की संख्या बढ़ाकर 86 कर दी गई हैं, जिनका परिचालन सोमवार से शनिवार तक दैनिक सेवा के रूप में किया जा रहा है, ताकि नगरद्वय क्षेत्र में दैनिक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इसके अलावा, रविवार जिस दिन अधिकांश कार्यालय, स्कूल, कॉलेज आदि बंद होते हैं, यात्रियों की कम संख्या को देखते हुए 34 सेवाएं परिचालित नहीं की जा रही हैं। इस दौरान, महत्वपूर्ण अनुरक्षण कार्य किए जाते हैं ताकि नियमित कार्य दिवसों में यात्रा करने वाले लोग असुविधा से बच सकें। बंद की गई इन 34 गाड़ी सेवाओं की पहचान इस तरह की गई है कि ये गाड़ियां यात्रियों के बड़े हिस्से को प्रभावित नहीं करती हैं तथा मौजूदा गाड़ी सेवाएं जनता की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। एमएमटीएस सेवाओं का समय पर परिचालन करने के साथ-साथ गाड़ी सेवाओं की संख्या को धीरे-धीरे बढ़ाने के संयुक्त प्रयास से इन गाड़ियों में यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष के दौरान, अप्रैल 2022 में प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों की औसत संख्या लगभग 51,000 थी जो बढ़कर सितंबर के माह में प्रति दिन 63,800 हो गयी। अब, अक्तूबर 2022 में, एमएमटीएस यात्रियों की औसत संख्या बढ़कर लगभग 66,000 तक पहुंच गई है। यात्रियों की संख्या में वृद्धि का एक अन्य प्रमुख कारक एमएमटीएस यात्रा की लागत है। नगरद्वय क्षेत्र में एमएमटीएस उपनगरीय यात्रियों के लिए सबसे कम किराए वाला परिवहन विकल्प है।

एमएमटीएस गाड़ी सेवाओं का किराया कम से कम पांच रूपए (15 किमी तक की यात्रा के लिए) से शुरू होता है तथा 40 किमी तक यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिकतम किराया दस रुपए है। 40 किमी से अधिक यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए किराया मात्र 15 रूपए है। एमएमटीएस के दैनिक यात्रियों के लिए सीजन टिकट की सुविधा भी उपलब्ध है जिसका किराय परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में बहुत कम है। यूटीएस मोबाइल ऐप, जिसकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इनके माध्यम से नियमित टिकट के साथ-साथ सीजन टिकट भी ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं।

इसके अलावा, एमएमटीएस टिकट सुविधानुसार सामान्य बुकिंग काउंटरों और स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के माध्यम से भी खरीदे जा सकते हैं। वर्तमान में, ये सेवाएं 50 किलोमीटर तक फैले फलकनुमा-सिकंदराबाद-हैदराबाद-बेगमपेट-लिंगमपल्ली-तेलापुर-रामचंद्रपुरम सेक्शनों के 29 रेलवे स्टेशनों को शामिल करते हुए यात्रियों की सेवा करती हैं, जो शहर के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों को तेजी से विकसित हो रहे शहर के पश्चिमी हिस्से से जोड़ती हैं।

महाप्रबंधक (प्रभारी), दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन ने यात्रियों से सुरक्षित और किफायती एमएमटीएस सेवाओं का उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शहर के भीतर यात्रा का सबसे सुविधाजनक और अच्छा विकल्प है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार के विकल्पों के साथ टिकटों की परेशानी मुक्त खरीद के लिए टिकट क्रय की सुविधा को भी बहुत आसान बना दिया गया है।

मूसी नदी में भारी बहाव और पानी के ओवरफ़्लो होने के कारण ट्रैफिक पुलिस ने जियागुडा में 100 फीट सड़क को बंद कर दिया। पुलिस ने यात्रियों से 100 फीट सड़क से बचने और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने का अनुरोध किया।

मुनुगोडु चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस ने 38 स्टार प्रचारकों की नियुक्ति की

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आगामी उपचुनावों में पार्टी के प्रचार के लिए 38 पार्टी नेताओं को अपना स्टार प्रचारक नियुक्त किया है। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक सूची जारी कर पार्टी नेताओं के नामों की घोषणा की। सूची में पार्टी के प्रदेश प्रभारी मनिकम टैगोर, टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी, सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क के नाम भी शामिल हैं।

हालांकि, पार्टी विधायक टी.जग्गा रेड्डी और मल्लू रवि का नाम सूची में नहीं है। इसके अलावा पार्टी के 38 नेताओं के नाम हैं। इसमें मनिकम टैगोर, ए रेवंत रेड्डी, भट्ट विक्रमार्क मालू, रोहित चौधरी, एन उत्तम कुमार रेड्डी, चल्ला वामशी चंद रेड्डी, वी. हनुमंत राव, के. जना रेड्डी, मो. शब्बीर, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, रामरेड्डी दामोदर रेड्डी, मधु यास्की गौड़, दामोदर सी राजनरसिम्हा, डी. श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, टी. जीवन रेड्डी, रेणुका चौधरी, पोर्का बलराम नाइक, कोंडा सुरेका, डी. अनसूया सीताक्का, डॉ. जे. गीता रेड्डी, एम. अंजन कुमार यादव, एस. ए संपत कुमार, टी. शंकर नाइक, प्रेम सागर राव, कुंबम अनिल कुमार रेड्डी, एन. राजेंद्र रेड्डी, वेम नरेंद्र रेड्डी, चेरुकु सुधाकर, जी. विजया रमण राव, गांद्रा सत्यनारायण राव, डॉ चिक्कुडु वामसीकृष्ण, एस. रामुलु नाइक, जया प्रकाश रापोलू, पुन्ना कैलाश नेथा, चलमाला कृष्ण रेड्डी, पल्ले रवि और आदि शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंचायतीराज विभाग को अब तक मिले 53 पुरस्कार : मंत्री येर्राबेल्ली

हनमकोंडा, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि तेलंगाना अपने गठन के बाद से ग्रामीण विकास में सबसे आगे खड़ा है, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास (पीआर एंड आरडी) मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने कहा कि राज्य के पीआर और आरडी विभाग को केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणियों में 53 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जबकि पहले

राज्य में वारंगल जिले के गंगादेवीपल्ली में केवल एक मॉडल गांव था, अब हमारे पास ऐसे 19 मॉडल गांव हैं, जिन्हें देश के कुल 20 मॉडल गांवों के मुकाबले केंद्र द्वारा चुना गया है। उन्होंने मिशन भगीरथ के कई इंजीनियरिंग और अन्य अधिकारियों को बधाई दी और बधाई दी, क्योंकि योजना ने हाल ही में यहां चिंतागट्टू सिंचाई शिविर में मिशन भगीरथ के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्र सरकार से कई पुरस्कार जीते। उन्होंने दौरे के दौरान कार्यालय, जल शोधन प्रक्रिया, पानी की गुणवत्ता, परीक्षण, वितरण आदि का भी निरीक्षण किया है।

बैठक में बोलते हुए, राव ने कहा कि मिशन भगीरथ अद्भुत परिणाम दे रहा था, और कहा कि पुरस्कारों की बारिश हो रही है। कई अन्य राज्य अपने निवासियों को पीने के पानी की आपूर्ति करने के लिए मिशन भगीरथ जैसी योजनाओं को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जहां 100 प्रतिशत घरों में पीने योग्य पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। हम स्कूलों, सरकारी कार्यालयों, मंदिरों, मस्जिदों, आंगनवाड़ी केंद्रों, चर्चों, सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और अन्य को पानी की आपूर्ति कर रहे हैं। हालांकि नीति आयोग ने मिशन भगीरथ को 19,000 करोड़ रुपये मंजूर करने के लिए केंद्र की सिफारिश की, लेकिन केंद्र ने एक भी रुपया मंजूर नहीं किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.